Web Portal
www.ghatatighatana.com
G.G. News
सम्पूर्ण छत्तीसगढ़ के लिए एक प्रकाशन...

घटती घटना

RNI REG.NO.-CHHHIN/2004/15050
डाक पंजीयन क्रमांक- 013/रायगढ़/2020-2022
अम्बिकापुर, वर्ष 19,अंक -09,बुधवार,09 नवम्बर 2022, पृष्ठ -8 मूल्य 2 रूपये

ज्ञान की बातें

जो व्यक्ति हर समय ज्ञानियों के संगत में रहता है वह एक न एक दिन अवश्य ज्ञानी हो जायेगा।
- सुलेमान-

पीएम मोदी ने जी 20 के लिए दिया वन अर्थ वन फैमली

» वन फ्यूचर का मंत्र,लोगो और वेबसाइट किया लांच

नई दिल्ली,,08 नवंबर 2022 (ए)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को भारत की जी 20 अध्यक्षता के लोगो और वेबसाइट लांच करते हुए कहा कि इस स्थ्द्दश्व और थीम के जरिए हमने दुनिया को एक संदेश दिया है। उन्होंने कहा, %मैं भारत की जी20 अध्यक्षता के ऐतिहासिक अवसर पर देशवासियों को बधाई देता हूं। वसुधैव कुटुम्बकम विश्व के प्रति भारत की करुणा का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि जी 20 लोगो में कमल का प्रतीक आशा का प्रतिनिधित्व करता है। उन्होंने कहा कि भारत ने वन सन, वन वर्ल्ड, वन ग्रिड के मंत्र के साथ विश्व में अक्षय ऊर्जा क्रांति का आह्वान किया है। भारत ने वन अर्थ, वन हेल्थ के मंत्र के साथ वैश्विक स्वास्थ्य को मजबूत करने का अभियान शुरू किया है। मालूम हो कि त्र20 में भारत का मंत्र वन अर्थ, वन फैमली, वन फ्यूचर है।

जी 20 में 75 प्रतिशत व्यापार का प्रतिनिधित्व

पीएम मोदी ने कहा कि जी 20 ऐसे देशों का समूह है, जिनका आर्थिक सामर्थ्य, विश्व की 85प्रतिशत जीडीपी का प्रतिनिधित्व करता है। जी 20 उन 20 देशों का समूह है, जो विश्व के 75त्न व्यापार का प्रतिनिधित्व करता है और भारत अब इस त्र20 समूह का नेतृत्व करने जा रहा है, इसकी अध्यक्षता करने जा रहा है। उन्होंने कहा कि आप कल्पना कर सकते हैं कि आजादी के इस अमृतकाल में देश के सामने ये कितना बड़ा अवसर आया है।

लोगो निर्माण में देशवासियों की भूमिका

प्रधानमंत्री ने कहा कि आज जो ये लोगो का लांच हुआ है, उसके निर्माण में भी देशवासियों की बहुत बड़ी भूमिका रही है। हमने स्थ्द्दश्व के लिए देशवासियों से उनके बहुमूल्य सुझाव मांगे थे। आज वो सुझाव इतने बड़े वैश्विक आयोजन का चेहरा बन रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस स्थ्द्दश्व और थीम के जरिए हमने एक संदेश दिया है। हमने युद्ध के लिए बुद्ध का संदेश दिया है। हिंसा के प्रतिरोध में महात्मा गांधी के जो समाधान हैं, उसका संदेश दिया है। उन्होंने कहा कि त्र20 के जरिए भारत उनकी वैश्विक प्रतिष्ठा को नई ऊर्जा दे रहा है।

भारत विश्व का समृद्ध और सजीव लोकतंत्र

पीएम ने भारतीय लोकतंत्र के बारे में कहा कि भारत विश्व का समृद्ध और सजीव लोकतंत्र है। हमारे पास लोकतंत्र के संस्कार भी हैं। साथ ही मदर ऑफ डेमोक्रेसी के रूप में गौरवशाली परंपरा भी है। उन्होंने कहा कि आज जब भारत त्र-20 की अध्यक्षता करने जा रहा है, तो ये आयोजन हमारे लिए 130 करोड़ भारतीयों की शक्ति और सामर्थ्य प्रतिनिधित्व है।

मतदान के दिन एग्जिट पोल पर प्रतिबंध

हमीरपुर ,08 नवंबर2022 (ए)। हिमाचल प्रदेश में भारत निर्वाचन आयोग ने बारह नवंबर को मतदान के दिन सुबह आठ बजे से शाम साढ़े पांच बजे के बीच की अवधि के दौरान किसी भी प्रकार के एग्जिट पोल के संचालन और प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया या किसी अन्य माध्यम से इसके परिणामों के प्रकाशन या प्रचार पर प्रतिबंध लगा दिया है।
चुनाव आयोग के प्रवक्ता ने आज कहा कि लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 के तहत किसी भी इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में जनमत सर्वेक्षण मतदान समाप्त होने के 48 घंटे पहले से दिखाए जाने पर रोक रहेगी।
उन्होंने कहा कि जो कोई भी इन प्रावधानों का उल्लंघन करता है, उसे किसी एक अवधि के लिए कारावास जिसे दो साल तक बढ़ाया जा सकता है या जुर्माना, या दोनों के साथ दंडित किया जाएगा।

सड़क दुर्घटना में 20 यात्री हुए घायल

श्रीनगर ,08 नवंबर2022 (ए)। जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा में आज सुबह दर्दनाक हादसा हो गया। कुपवाड़ा जिले के हंदवाड़ा के वातायिन इलाके में आज एक बस दुर्घटना का शिकार हो गई, जिसमें लगभग 20 लोग घायल हो गए। घायलों को इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया है।
बताया जा रहा है कि बस तेज रफ्तार में थी और अनियंत्रित होने की वजह से अचानक पलट गई और देखते ही देखते चीख-पुकार मच गई। राहत की बात यह है कि अब तक इस हादसे में एक भी मौत की खबर नहीं है। फिलहाल, पुलिस की टीम मौके पर मौजूद है और घायलों की शिनाख्त करने में जुटी है।

ट्रेक्टर ट्राली पलटने से तीन की मृत्यु,21 घायल

दतिया,,08 नवंबर 2022 (ए)। मध्यप्रदेश के दतिया जिले के सेवड़ा में आज ट्रेक्टर ट्राली पलटने से तीन लोगों की मृत्यु हो गयी और 21 अन्य घायल हो गए।
पुलिस सूत्रों के अनुसार सेवड़ा क्षेत्र में एक नदी पर बने पुल के पास तेज गति से ट्रेक्टर ट्राली जा रही थी। चालक ने किसी वजह से अचानक ब्रेक लगाया, जिससे ट्राली पलट गयी। इस वजह से ट्राली में सवार एक महिला समेत तीन सवारों की मृत्यु हो गयी।
सूत्रों ने कहा कि ट्राली में सवार कुल 21 यात्री घायल हुए हैं, जिनमें से दो की हालत गंभीर है। शेष को प्राथमिक उपचार दिया गया है। घायलों को दतिया जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। गंभीर घायलों को ग्वालियर भेजा गया है।

70 वर्षीय महिला से दुष्कर्म के आरोप में युवक गिरफ्तार

कलबुर्गी ,08 नवंबर2022 (ए)। कलबुर्गी जिले के अलंद तालुक के अन्नुरु गांव में 70 वर्षीय एक महिला का यौन उत्पीड़न करने के आरोप में 28 वर्षीय एक युवक को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने मंगलवार को इस घटना की जानकारी दी। गिरफ्तार युवक संतोष बुजुर्ग महिला का पड़ोसी है। लादामुगुली गांव की रहने वाली पीड़िता अपनी पोती के साथ रहने आई थी। पुलिस के अनुसार जिस वक्त यह घटना हुई उस समय महिला घर पर अकेली थी, तभी आरोपी संतोष घर में घुस आया और घटना को अंजाम दिया।

पूरे भारत में साल का अंतिम चंद्र ग्रहण

नई दिल्ली ,08 नवंबर2022 (ए)। यूपी, बिहार, दिल्ली समेत देश के ज्यादातर हिस्सों में चंद्र ग्रहण दिखना शुरू हो गया है। सबसे पहले यह अरुणाचल प्रदेश के ईटानगर में दिखा। भारत से पहले यह नजारा चीन, अमेरिका समेत दुनिया के कई देशों में दिखा। भारत में पूर्ण चंद्र ग्रहण शाम 5.30 बजे से 6.20 बजे तक रहेगा। सूतक काल सुबह 8.29 बजे से शुरू हो गया था। चंद्रग्रहण का सूतक ग्रहण से 9 घंटे पहले प्रारम्भ हो जाता है। सूतक काल में पूजा निषेध होती है। ऐसे में सुबह सूतक लगते ही मंदिरों के पट बंद कर दिए गए थे। चंद्र ग्रहण के कारण ही देव दीपावली सहित सभी उपक्रम पहले हो गए। चंद्र-ग्रहण को एक विशेष खगोलीय घटना माना जाता है वहां चंद्रमा को मन का कारक मानते हुए इसके व्यापक प्रभाव की बात ज्योतिषविद कहते हैं।
शाम 6.20 पर चंद्र ग्रहण खत्म हो जाने पर सूतक काल भी समाप्त हो जाएगा। मंदिरों में साफ सफाई होगी और उसके कपाट दर्शन व पूजा पाठ के लिए खोल दिए जाएंगे। घर में भी साढ़े छह बजे से पूजा पाठ की जा सकती है।

ग्रहण के बाद अपने और घर के शुद्धिकरण के लिए करें ये कार्य
- धार्मिक मान्यताओं में ग्रहण को अशुभ माना गया है। इससे नकारात्मकता फैलती है। इससे दूर करने के लिए ग्रहण के बाद पूरे घर में गंगा जल का छिड़काव करें और धूप जलाकर पूरे घर में धुआं करें। ऐसा करने से ग्रहण के दुष्प्रभाव समाप्त हो जाते हैं।
- चंद्र ग्रहण के समाप्त होने के बाद व्यक्ति स्नान जरूर करना चाहिए। नहाने के बाद साफ कपड़े पहनें।
बिहार- पटना में लोगों ने साल का अंतिम चंद्र ग्रहण देखा।एक बच्ची ने बताया, ÷हमने इससे पहले कभी चंद्र ग्रहण नहीं देखा था। ग्रहण के समय चांद आधा दिख रहा था। हमें चंद्र ग्रहण देखना का मन भी था और देखकर अच्छा लग रहा था।
- नहाना संभव न हो तो खुद पर गंगा जल छिड़क लें।
- ग्रहण के बाद व्यक्ति को जल में तुलसी के पत्ते को डालकर ग्रहण करना चाहिए। हिन्दू धर्म में तुलसी को अत्यंत पवित्र माना जाता है और औषधीय गुणों के कारण इसका महत्व अधिक बढ़ जाता है।
भारत में साल का अंतिम चंद्र ग्रहण चल रहा है, तस्वीर उत्तर प्रदेश के वाराणसी की है।

मोदी और राजनाथ सिंह ने आडवाणी को जन्म दिन की दी बधाई

नई दिल्ली ,08 नवंबर 2022 (ए)।भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता लाल कृष्ण आडवाणी आज 95 साल के हो गए। इस खास मौके पर नरेंद्र मोदी ने उन्हें घर जाकर बधाई दी। इसके अलावा रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भी उनके आवास पर पहुंचकर उन्हें बधाई दी है।

ईडी ने मनी लॉन्ड्रिंग मामले में 3.12 करोड़ रुपये की संपत्ति कुर्क की

नई दिल्ली ,08 नवंबर 2022 (ए)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कहा कि उसने मणिपुर डेवलपमेंट सोसाइटी (एमडीएस) के बड़े पैमाने पर धन शोधन मामले की जांच के सिलसिले में वाई. निंगथेम सिंह और उसके सहयोगियों की 3.12 करोड़ रुपये की अचल और चल संपत्ति कुर्क की है। ईडी ने 2017 में एमडीएस के अधिकारियों और अन्य व्यक्तियों के खिलाफ आईपीसी की विभिन्न धाराओं और भ्रष्टाचार रोकथाम की धारा 13 (2) के तहत इंफाल पश्चिम पुलिस द्वारा दर्ज प्राथमिकी के आधार पर जांच शुरू की।
169 करोड़ रुपये से अधिक के एमडीएस फंड की हेराफेरी के आरोप थे। ईडी को जांच के दौरान पता चला कि एमडीएस के तत्कालीन परियोजना निदेशक सिंह ने अपने सहयोगियों के साथ आपराधिक मिलीभगत से एमडीएस खाते से भारी मात्रा में धन का गबन और हेराफेरी की थी।
बाद में इन डायवर्ट किए गए फंडों को विभिन्न शेल फर्मों के खातों और अन्य सहयोगी खातों में स्थानांतरित कर दिया गया। सिंह और उसके साथियों ने अलग-अलग जगहों पर कई संपत्तियां हासिल कीं। इस सिलसिले में ईडी ने 3.04 करोड़ रुपये की छह अचल संपत्ति और विभिन्न बैंक खातों में उपलब्ध 8,20,000 रुपये की राशि कुर्क की है। एक अधिकारी ने बताया कि इस मामले में ईडी ने इससे पहले नवंबर 2021 को 11 अलग-अलग बैंक खातों को आरोपी व्यक्तियों से संबंधित 41,53,489 रुपये की शेष राशि के साथ फ्रीज कर दिया है।

जम्मू-कश्मीर पुलिस परीक्षा का पेपर लीक

सीआरपीएफ का 1 जवान,4 पुलिसकर्मी गिरफ्तार

नई दिल्ली ,08 नवंबर2022 (ए)। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने जम्मू-कश्मीर पुलिस सब-इंस्पेक्टर (जेकेपीएसआई) परीक्षा के पेपर लीक मामले में जम्मू-कश्मीर पुलिस के एक अधिकारी और सीआरपीएफ के एक कांस्टेबल समेत चार और आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों की पहचान जम्मू-कश्मीर पुलिस के एएसआई अशोक कुमार, सीआरपीएफ कांस्टेबल सुरिंदर कुमार और दो निजी व्यक्तियों प्रदीप कुमार और बजिंदर सिंह के रूप में हुई है।

सीबीआई ने इस घोटाले में अब तक एक एएसआई और जम्मू-कश्मीर पुलिस के दो कांस्टेबल, एक बीएसएफ कमांडेंट, एक सीआरपीएफ अधिकारी, एक पूर्व सीआरपीएफ कांस्टेबल और एक जम्मू-कश्मीर सरकारी स्कूल के शिक्षक सहित 13 आरोपियों को गिरफ्तार किया है।
जांच के दौरान पता चला कि प्रिंटिंग प्रेस के पैकिंग इंचार्ज ने परीक्षा के प्रश्नपत्र को पैक करते समय कथित तौर पर चुरा लिया और उसे पहले गिरफ्तार किए गए आरोपी को बेच दिया। सीबीआई ने कहा, हरियाणा में रहने वाले आरोपी ने लीक हुए प्रश्नपत्र की बिक्री के लिए उम्मीदवारों की याचना करने के लिए जम्मू-कश्मीर में स्थित अन्य दलालों से संपर्क किया।

पीएफआई साजिश मामला

एनआईए ने केरल में 3 जगहों पर छापेमारी की

नई दिल्ली ,08 नवंबर-2022 (ए)। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने केरल के मलप्पुरम जिले में तीन स्थानों पर बिना प्रतिबंधित पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) के पदाधिकारियों, सदस्यों और कैडरों द्वारा रची गई आपराधिक साजिश से संबंधित एक मामले में तलाशी अभियान चलाया। एनआईए के एक अधिकारी ने बताया कि पीएफआई के सदस्य देश-विदेश से बैंकिंग चैनलों, हवाला, चंदा आदि के जरिए फंड जुटाने में शामिल थे, जिनका इस्तेमाल आतंक और राष्ट्र विरोधी गतिविधियों के लिए किया जाता था।

अधिकारी ने कहा, वे केरल, तमिलनाडु, कर्नाटक, उत्तर प्रदेश और दिल्ली सहित भारत के विभिन्न हिस्सों में आतंकवादी कृत्यों को अंजाम दे रहे थे या योजना बना रहे थे। आरोपी व्यक्ति देश भर में विभिन्न स्थानों पर आतंकवादी गतिविधियों के लिए प्रशिक्षण शिविर आयोजित कर रहे थे।
एनआईए ने इससे पहले 22 सितंबर को देश भर में 39 स्थानों पर तलाशी अभियान चलाया था, जिसमें 20 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया था। छापेमारी के दौरान डिजिटल उपकरण, दस्तावेज आदि सहित आपत्तिजनक सामग्री जब्त की गई।

गुवाहाटी हाईकोर्ट ने सिसोदिया की याचिका खारिज की

आम आदमी पार्टी के नेता ने मानहानि मामले की कार्यवाही को रद्द करने के लिए उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया था,

गुवाहाटी ,08 नवंबर2022 (ए)। गुवाहाटी हाईकोर्ट ने असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा द्वारा उनके खिलाफ दर्ज मानहानि के मुकदमे के सिलसिले में दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया की याचिका खारिज कर दी है। आम आदमी पार्टी के नेता ने मानहानि मामले की कार्यवाही को रद्द करने के लिए उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया था, जो गुवाहाटी की एक निचली अदालत के समक्ष निपटान के लिए लंबित है।
असम के महाधिवक्ता देवजीत सैकिया ने कहा कि हाईकोर्ट के आदेश के बाद सिसोदिया को पहले जारी किए गए समन के अनुसार, 19 नवंबर को निचली अदालत के समक्ष व्यक्तिगत रूप से पेश होना होगा।
सिसोदिया ने आरोप लगाया था कि सरमा ने मार्च 2020 में कोविड महामारी की पहली लहर के दौरान अपनी पत्नी से जुड़ी एक कंपनी को पीपीई किट का अनुबंध दिया था और उसी के लिए अत्यधिक भुगतान किया था।
4 जून को उन्होंने कहा था, हिमंत बिस्वा सरमा ने अपनी पत्नी की कंपनी को ठेका दिया। उन्होंने पीपीई किट के लिए 990 रुपये का भुगतान किया, जबकि अन्य उसी दिन दूसरी कंपनी से 600 रुपये प्रति पीस के हिसाब से खरीदे गए। यह एक बहुत बड़ा अपराध है। उस समय सिसोदिया ने यह भी दावा किया था कि ऐसा साबित करने के लिए उनके पास दस्तावेज हैं।

इन आरोपों के जवाब में असम के सीएम सरमा ने गुवाहाटी के कामरूप (एम) जिले में मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट अदालत में सिसोदिया के खिलाफ मानहानि का मामला दर्ज कराया।
निचली अदालत ने सिसोदिया को व्यक्तिगत रूप से पेश होने के लिए तलब किया था, जबकि दिल्ली के उपमुख्यमंत्री ने समन के खिलाफ गुवाहाटी उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया था।
महाधिवक्ता सैकिया ने कहा कि तीन दिन की सुनवाई के बाद भी उच्च न्यायालय को सिसोदिया की याचिका में योग्यता नहीं मिली।
आदेश में कहा गया है, अदालत की सुविचारित राय है कि याचिकाकर्ता (सिसोदिया) मामले की कार्यवाही को रद्द करने के लिए कोई मामला नहीं बना पाया है (उसके खिलाफ दायर एक) जो गुवाहाटी में कामरूप (एम) सीजेएम अदालत के समक्ष निपटान के लिए लंबित है। इस तरह, यह याचिका विफल हो चुकी है और इसे खारिज किया जाता है।

बाल-बाल बचे ओवैसी

सूरत जाते समय ट्रेन पर हुआ पथराव,खिड़कियों के टूटे शीशे

नई दिल्ली ,08 नवंबर2022 (ए)। गुजरात के सूरत जाते वक्त वंदे भारत एक्सप्रेस पर पथराव किया गया। जानकारी के अनुसार बताया जा रहा है कि इसमें एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी भी सवार थे। हालांकि ओवैसी इस घटना में बाल-बाल बच गए लेकिन ट्रेन की खिड़की के शीशे टूट गए।
सूरत से करीब 20-25 किलोमीटर पहले इस ट्रेन पर हमला किया गया। रेलवे प्रशासन ने जहां इस हमले की जांच की बात कही है वहीं अब इस मामले पर राजनीति तेज हो गई है। एआईएमआईएम प्रवक्ता वारिस पठान ने कहा कि पत्थरबाजी जानबूझकर की गई ताकि ओवैसी को चुनाव में आगे बढ़ने से रोका जा सके। पार्टी नेता वारिस पठान ने ट्वीट करते हुए लिखा कि आज शाम जब हम, ओवैसी साहब और एआईएमआईएम नेशनल की टीम अहमदाबाद से सूरत के लिए वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन में सफर कर रहे थे तब कुछ अज्ञात लोगों ने ट्रेन पर जोर से पत्थर मारकर शीशा तोड़ दिया।
वहीं वारिस पठान ने बताया कि एआईएमआईएम प्रमुख ओवैसी जिस कोच में यात्रा कर रहे थे वहां की खिड़की पत्थरबाजी से टूट गई है। उन्होंने ओवैसी की यात्रा की जानकारी ट्वीट करके भी दी थी। वारिस पठान ने पीएम मोदी पर निशाना साधते हुए कहा कि मोदी जी आप पत्थर बरसा लो या आग बरसा लो, यह हक की आवाज न रुकी है और न रुकेगी।

संपादकीय

कॉलेजियम सिस्टम बदलेगी सरकार

देश की तमाम संवैधानिक और वैधानिक संस्थाओं में अपनी पसंद के और प्रतिबद्ध लोगों की नियुक्ति के बाद ऐसा लग रहा है कि केंद्र सरकार की नजर देश की न्यायपालिका पर है। उच्च अदालतों में नियुक्ति और तबादले की मौजूदा प्रक्रिया को सरकार हर हाल में बदलना चाहती है। यह भी लग रहा है कि किरेन रिजीजू को देश का कानून मंत्री इसी काम के लिए बनाया गया है। इससे पहले आमतौर पर किसी अनुभवी और वरिष्ठ वकील को देश का कानून मंत्री बनाया जाता था। रिजीजू ने कानून की पढ़ाई जरूर की लेकिन उन्होंने प्रैक्टिस नहीं की है। इसलिए वे न्यायपालिका और उच्च अदालतों में कामकाज की बहुत सी बारीकियों और घोषित-अघोषित परंपराओं के बारे से परिचित नहीं हैं।

तभी कानून मंत्री बनने के बाद से वे लगातार उच्च न्यायपालिका को निशाना बना रहे हैं। एक ही सांस में वे न्यायपालिका के प्रति सम्मान की बात भी करते हैं और उसकी कमियां भी बताते हैं। उन्होंने पिछले दिनों कहा था कि न्यायपालिका में बहुत राजनीति होती है और जजों की बहाली, प्रमोशन और उनके तबादले पर ही ज्यादा ध्यान रहता है। वे लगातार कॉलेजियम सिस्टम की बुराई करते हैं। अब उन्होंने कहा है कि भारत को छोड़ कर दुनिया के किसी भी देश में जजों की नियुक्ति जज नहीं करते हैं।

रिजीजू ने कहा है कि कॉलेजियम सिस्टम बहुत अस्पष्ट और संदिग्ध है। उन्होंने इससे मिलीभगत वाला होने के आरोप भी लगाए। तभी ऐसा लग रहा है कि सरकार फिर से न्यायिक जवाबदेही कानून ला सकती है। पिछली बार सुप्रीम कोर्ट ने इसे खारिज कर दिया था। जजों की नियुक्ति की मौजूदा व्यवस्था को बदलने के लिए यह कानून फिर से लाने की पृष्ठभूमि बनाई जा रही है। यह देखना दिलचस्प होगा कि यह काम नए चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ के कार्यकाल में होता है या नहीं? ध्यान रहे अगले लोकसभा चुनाव के बाद तक चंद्रचूड़ ही चीफ जस्टिस रहने वाले हैं।

सुरमई रात

पुष्पा स्वाती
मुम्बई

सुरमई रात तेरी याद ले के आई है
अपने दामन में साथ चांद लेके आई है
महक रहे हैं वो लम्हें जो बीते बातों में
गुफ़्तगु के लिये फिर दाद लेके आई है
मचल रही हैं ख़्वाहिशें अधूरे ख़्वाबों की
पूरी हो जाए ये फरियाद लेके आई है
हो रहा है दिले नाशाद ये बेज़ार बहुत
पोंछ ले अश्क के अब शाद लेके आई है
स्वाती तू भी सजाले अब तो शबनमी मोती
भरले सीपी में के इमदाद ले के आई है

गाना चाहते हैं

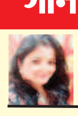

प्रियंका
अग्निहोत्री गीत
वाराणसी उत्तरप्रदेश

आईने के सामने न आना चाहते हैं
जी को जी भर भरमाना चाहते हैं
माथे की लकीरें सब सच बयां करें
मन का बच्चा भी बचाना चाहते हैं
तेरी आँखों में जो बहता रहता है
उस दरिया में डूब जाना चाहते हैं
प्यार तेरा कोई खज़ाना है मानो
छोड़ सब जग तुझे पाना चाहते हैं
हो कोई गीत या नज़्म या ग़ज़ल
बनाके तरन्नुम कुछ गाना चाहते हैं

तुम्हीं हो

ओमप्रकाश बिन्जवे ÷ राजसागर
भोपाल,मध्यप्रदेश

ए माहजबी अफरोज ए कायनात तुम्हीं हो।
मेरे दिले बेदार के शोख जजबात तुम्हीं हो।
हयाते हकीकत की मीनारें नूर हो तुम्हीं,
आगोशे तसव्वुर की भी सौगात तुम्हीं हो।
लब.ए शीरी पे आबाद है ईश्क आलूदा नग्में,
गुमान होता है, पूनम की चाँदनी रात तुम्हीं हो।
बेमुरव्वत जहाँ का एक मुफलिस शायर हूँ,
जहान में सिर्फ सरमाया ए हयात तुम्हीं हो।
मेरे गमें अश्क में बसा है, तुम्हारा ही शबाब,
मेरी अश्कतर जीस्त की हमजात तुम्हीं हो।
जेहन में यादों के सिवाय कोई हमसाया नही,
कभी ख़्वाबों में,कभी रुबरु मेरे साथ तुम्हीं हो।
हर वक्त जदीद अदा लिये,मुस्कुराया करो,
हुस्नो ईश्क की दिलकश करामात तुम्हीं हो।
यूँ हर शख्स ने मुझ को सौगाते मायूसी दी,
प्यासी आरजुओं की आबे हयात तुम्हीं हो।

कुछ कहना है..आपको

आशीष शर्मा
अमृत
जयपुर, राजस्थान

कद्र करो उसकी जो नसीब से मिला आपको
सभी ख़ुशियों से नवाज़ा है, खुदा ने आपको
फिर भी अंधी दौड़ में तुम भागे चले जा रहे हो?
धैर्य रखो थोड़ा किस बात की जल्दी आपको?
कद्र करो उनकी,जो दिल से चाहते हैं आपको
हर मुकाम पर वो हैं खड़े,देने हौसला आपको
क्यूँ इनकी अहमियत तुम समझ नहीं रहे हो?
नसीब से ही तो मिला है इनका साथ आपको
कद्र करो उनकी जिन्होंने जन्म दिया आपको
अपनी ख्वाहिशें कर दफन,सब दिया आपको
क्यूँ अपनी खुदगर्ज़ी में तुम जिए जा रहे हो?
क्यूँ इनकी ख़ुशियों का ख़्याल नहीं आपको ?

पर्यावरण के प्रति मानवीय सजगता और अर्थतंत्र को मजबूत करने की कवायत

अपने देश में दिल्ली सर्वाधिक प्रदूषित शहर है इसके बाद अनेक राज्यों की राजधानियां भी प्रदूषण में एक दूसरे को टक्कर दे रही हैं

संजीव ठाकुर,
रायपुर
छत्तीसगढ़

दिल्ली मे तो प्रदूषण बेचारा केंद्र और राज्य की राजनीति का शिकार हो गया है ,दिल्ली प्रशासन और केंद्र शासन एक दूसरे पर पर्यावरण तथा यमुना नदी के प्रदूषण पर आरोप-प्रत्यारोप कर रहे हैं पर प्रदूषण कम करने के उपाय पर हाथ में हाथ धरे बैठे हैं ।अमूमन यही स्थिति अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी है

वर्तमान में वृहद चिंतन की आवश्यकता है कि पर्यावरण संतुलन से आर्थिक, सामाजिक विकास की अवधारणा है कैसे जन्म लेंगी? उसमें गहन चिंतन विभिन्न मानव प्रजातियों के आर्थिक तथा पर्यावरण संतुलन को लेकर भी हैद्य इस विषय पर एक खुली बहस की आवश्यकता हैद्य खुली बहस इसलिए भी कि मनुष्य के जीवन के लिए जितना आवश्यक पर्यावरण संतुलन है उतना ही आवश्यक उसका आर्थिक विकास भी हैद्य अब ग्लोबल वार्मिंग के बढ़ते खतरे को देखकर पर्यावरण संतुलन को आर्थिक विकास के साथ जोड़ा जाना अत्यंत महत्वपूर्ण एवं मानवीय जीवन की सुरक्षा के लिए आवश्यक हैद्य बढ़ते असमान आर्थिक विकास तथा उपभोक्तावादी प्रकृति ने जहां सामाजिक विभेद की दरार को चौड़ा कर दिया है वही विश्व स्तर पर विस्तारवाद तथा उपनिवेशवाद को बढ़ावा भी मिला हैद्य राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भेदभाव के इस बड़े स्तर को आर्थिक विकास तथा पर्यावरण संतुलन को प्राथमिकता देना नदी के दो अलग किनारों को जोड़ने जैसा ही हैद्य विकास की दौड़ में जहां मनुष्य जीवन के इस व्यस्तता में थककर वापस प्रकृति की ओर उन्मुख होना चाहता हैद्य शहरी मनुष्य प्रकृति की शीतलता, हरियाली और खुली स्वच्छंद हवा में सांस लेने के लिए उत्सुक है और कल्पना करता है कि गांव में जीवन कितना सुमधुर और स्वच्छंद आनंदमई है, इसकी दूसरी तरफ ग्रामीण जंगली इलाकों के रहने वाले लोग कल्पना करते हैं कि शहर में कितनी सुविधाएं हैं जो जीवन जीने को एकदम सरल एवं आसान बनाती है। यह द्विपक्षीय लालसा शहर में रहने वाले और ग्रामीण क्षेत्र के निवासियों के बीच बराबर की है, हमें इनके आपसी संतुलन को बनाए रखना और आर्थिक विकास के साथ पर्यावरण संतुलन को भी बढ़ते सोपान के साथ बढ़ावा देना हैद्य यूरोपीय देशों में कई देशों ने इसके उदाहरण प्रस्तुत किये हैं, जहां आर्थिक विकास के साथ पर्यावरण संरक्षण को प्राथमिकता दी गई हैद्य इसके लिए हमें उपभोक्तावादी संस्कृति को नियंत्रित कर नागरिकों को पर्यावरण के संतुलन के प्रति जागरूक करना होगाद्य टेक्नोलॉजी के स्तर पर पर्यावरण अनुकूल साधनों का ऊर्जा स्रोत ग्रीन तकनीक, हरित भवन, कार्बन न्यूट्रल वाहनों की तरफ उनके नियंत्रण पर हमें ध्यान देने की आवश्यकता होगी। वहीं दूसरी तरफ आदिवासियों पर ग्रामीण क्षेत्र के निवासियों को आधुनिक विज्ञान से देसी ज्ञान के साथ शिक्षित भी करने की आवश्यकता होगीद्य पर्यावरण किसी भी परियोजना को स्थापित करने के पूर्व पर्यावरण आकलन करने की आवश्यकता है ही इसके साथ ही समाज में पड़ने वाले प्रभाव को देखने के लिए सामाजिक प्रभाव आकलन को भी मूर्त रूप देना होगाद्य इस संतुलन को बनाने हेतु भविष्य की नीति बनाने की आवश्यकता होगी साथ ही हमको यह भी समझना होगा कि पर्वतों को मिटाने से नदियों को बांधने व जंगलों को काटने से विकास संभव नहीं हैद्य पर्यावरण संतुलन और विकास को केवल आर्थिक विकास की श्रेणी में न रखकर समग्र रूप से सामाजिक, पर्यावरणीय संस्कृति के नैतिक रूप से समझने की आवश्यकता होगीद्य इस पर्यावरण तथा आर्थिक संतुलन को बनाए रखने के लिए हमें सर्वहारा वर्ग के हर व्यक्ति के लिए जीत सुनिश्चित करनी होगी जिसमें किसी को नुकसान ना हो एवं आम व्यक्ति पीछे ना रह जाए। यह अवधारणा यदि किसी भी समाज देश में व्याप्त होगी तभी आर्थिक विकास का पर्यावरण के साथ संतुलन स्थापित हो सकता है इस संदर्भ में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने भी कहा है ÷प्रकृति हमारी जरूरतों को पूरा करने के लिए है व्यक्ति की लालच को पूरा करने के लिए नहीं÷ निर्दोष, निर्मल प्रकृति के दोहन के साथ ही मनुष्य के समाज ने अत्यधिक शोषण किया है प्रकृति के विनाश के साथ आर्थिक विकास लंबे समय तक नहीं चल सकता हैद्य यह बात जितने जल्दी मनुष्य को, देश और पूरे विश्व समुदाय को जितनी जल्दी समझ में आ जाए उतना ही आर्थिक तथा पर्यावरण के संतुलन के विकास के लिए शुभ संकेत होंगेद्य आर्थिक विकास के वर्तमान संदर्भ को देखें तो यह बात बड़ी विचित्र किंतु सत्य प्रतीत होती है कि जब एक समुदाय को कुर्बान करने के लिए दूसरे समुदाय को लाभ पहुंचाया जाता है आर्थिक विकास के लिए योजनाएं कहीं बनती हैं, विस्थापित लोग कहीं और होते हैं और बिजली और अन्य सुविधाएं किसी अन्य जगह से आती है, जिसके परिणाम स्वरूप आर्थिक और पर्यावरण के संतुलन में अनेक विसंगतियां जन्म लेती हैं, और इससे सामाजिक आर्थिक संतुलन भी बिगड़ने की संभावना बलवती होती हैद्य मनुष्य की स्पृहा, कामना और लालच के सामने प्रकृति भी निरुत्तर होती दिखाई दे रही है। प्रकृति के समर्पण में जो विसंगतियां और दुष्प्रभाव हमारे सामने आ रहे हैं उनमें जल प्रदूषण, वायु प्रदूषण, बढ़ते ओजोन छिद्र ,बढ़ता जलवायु परिवर्तन, पिघलते ग्लेशियर तथा बढ़ता समुद्री जल हम सबके लिए नई समस्याओं को जन्म देने का काम कर रहे हैंद्य आपको ऐसा नहीं लगता कि हमारे प्रकृति विरोधी कर्मों से हमारे जीवन का अस्तित्व ही खतरे में आने लगा हैद्य इसी तरह के अनेक आसन में खतरों से निपटने के लिए आर्थिक विकास के नए मॉडलों को पर्यावरण के संतुलन के साथ जोड़ने का विकल्प हम सबके लिए एक जीवन उपयोगी मार्ग बनता नजर आ रहा हैद्य प्रकृति के असंतुलन दोहन का सर्वोत्तम उदाहरण यूरोप के विकसित देश है जिनकी पर्यावरण असंतुलन के प्रति उदासीनता की भयावह कीमत विकासशील तथा समुद्री क्षेत्रों में सीमावर्ती तथा अल्प विकसित देशों को चुकानी पड़ रही हैद्य हमें वैश्विक स्तर पर आर्थिक विकास को पर्यावरण संतुलन बनाने की दिशा में सामूहिक रूप से कारगर उपाय खोज कर संपूर्ण विश्व को ग्लोबल वार्मिंग और इसके गहरे परिणामों से सुरक्षित रखना होगा, विशेषकर उन अल्प विकसित एवं विकासशील राष्ट्रों को जिनकी जनसंख्या अग्रणी देशों में गिनी जाती है. पर्यावरण संतुलन तथा आर्थिक विकास के ढांचे को विकसित करने के लिए पर्याप्त आर्थिक संसाधन उपलब्ध नहीं है।

भारत के वैश्विक मंचों पर नेतृत्व की भूमिका निभाने कदम बढ़े

एडवोकेट
किशन
सनमुखदास
भावनानी
गोंदिया महाराष्ट्र

वैश्विक स्तरपर यूक्रेन -रूस युद्ध से तैलीय पदार्थों संबंधी समस्याओं और प्रतिबंधों के दौर से होते हुए अब बात डर्टी बॉम्ब, परमाणु हमलों से लेकर आज जापान के परमाणु त्रासदी झेल चुके हिरोशिमा और नागासाकी शहरों के नामों का उल्लेख कर इसके उपयोग की संभावना को बल दिया गया है, जिससे तीसरे विश्व युद्ध के खतरों का आगाज हो चला है, ऐसी स्थिति में भारत 1 दिसंबर 2022 से 30 नवंबर 2023 तक जी-20 वैश्विक मंच का नेतृत्व करने जा रहा है, जिसके लोगो थीम वेबसाइट भारत के संदेश और दुनिया के प्रति उनकी व्यापकता को प्रतिबिंबित करेंगे वे माननीय पीएम द्वारा गुरुपर्व 8 नवंबर 2022 शाम साढ़े चार बजे वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से अनावृत किए, इसकी रूपरेखा के अनुसार 32 विभिन्न क्षेत्रों से संबंधित लगभग 200 बैठक में आयोजित होगी जिसमें वैश्विक स्तर की बड़ी-बड़ी हस्तियों के शामिल होने से भारत के लिए गौरव गाथा होगी जो कि भारत की विदेश नीति वैश्विक मंच पर नेतृत्व की भूमिका निभाने की दृष्टि से उभर रहा है। चूंकि जी-20 मंच का नेतृत्व करने का आगाज़ आज हो गया, इसलिए हम मीडिया, पीआईबी में आई जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे,भारत के वैश्विक मंचों पर नेतृत्व की भूमिका निभाने कदम बढ़े।

साथियों बात अगर हम इस अध्यक्षता को भारत में अवसर के रूप में देखने की करें तो हमें अपना दबदबा प्रस्थापित करना होगा जिसके लिए पुरजोर तरीके से अफ्रीका को 21वां सदस्य के रूप में शामिल कर जी-21 करना होगा क्योंकि, तमाम ऐतिहासिक क़िस्सों, आज़ादी के साझा संघर्षों, प्रवासियों के संपर्कों और विकासशील देशों की आवाज़ को विश्व मंचों पर प्राथमिकता देने जैसे समान आपसी मुद्दों के बावजूद, भारत और अफ्रीका की साझेदारी का एक अहम इम्तिहान होने जा रहा है। अब जब भारत, 1 दिसंबर 2022 से इंडोनेशिया से जी-20 की अध्यक्षता ग्रहण करने वाला है, जो हमारे पास 30 नवंबर 2023 तक रहेगी तो भारत को ये सुनिश्चित करने की कोशिशें करनी चाहिए कि जी-20 में अफ्रीकी संघ (एयू)- जो 54 विविधता भरी, संप्रभु और नई पहल करने वाली अर्थव्यवस्थाएं हैं- को एक स्थायी और पूर्णकालिक सदस्य के तौर पर शामिल कराना चाहिए, जिससे जी-20 को जी-21 बनाया जा सके।

साथियों बात अगर हम अध्यक्ष बनने की सामायिक परिस्थिति की करें तो, भारत उस वक़्त जी-20 का अध्यक्ष बनने जा रहा है, जब दुनिया में बहुत उठा-पटक चल रही है। नैंसी पेलोसी के ताइवान दौरे के बाद अमेरिका और चीन के मतभेद बहुत बढ़ गए हैं। चीन के जहाज़ और विमान, लगातार ताइवान जलसंधि की मध्य रेखा के पार जा रहे हैं। वहीं, यूक्रेन के खिलाफ़ रूस का युद्ध भी बदस्तूर जारी है। जहां ये अनिश्चितताएं अपना सिर उठाए हुए हैं, वहीं इस बात को स्वीकार करना भी बराबर से अहम है कि भारत ने अफ्रीका के साथ अपने साझेदारी को नई ऊंचाई पर ले जाने में काफ़ी सकारात्मक कोशिशें की हैं। अफ्रीका को भारत एक ऐसे महाद्वीप के तौर पर देखता है, जो एक गहरा बदलाव ला सकने में सक्षम भागीदार है।

साथियों बात अगर हम जी-20 में भारत की प्राथमिकताओं की करें तो, विदेश मंत्रालय ने कहा कीं जबकि भारत की जी-20 प्राथमिकताएं मजबूत होने की प्रक्रिया में हैं, चल रही बातचीत, समावेशी, न्यायसंगत और सतत विकास के इर्द-गिर्द घूमती है, पर्यावरण के लिए जीवन शैली, महिला सशक्तिकरण, स्वास्थ्य, कृषि और शिक्षा से लेकर वाणिज्य, कौशल-मानचित्रण, संस्कृति और पर्यटन तक के क्षेत्रों में डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना और तकनीक-सक्षम विकास, जलवायु वित्तपोषण, परिपत्र अर्थव्यवस्था, वैश्विक खाद्य सुरक्षा, ऊर्जा सुरक्षा, ग्रीन हाइड्रोजन, आपदा जोखिम में कमी और लचीलापन, विकासात्मक सहयोग, आर्थिक अपराध के खिलाफ लड़ाई और बहुपक्षीय सुधार पर केंद्रित रहेगी।

साथियों बात अगर हम अफ्रीका को जी-20 का स्थाई सदस्य बनाने की करें तो, मंत्रालय ने एक बयान में कहा कीं हमारी अध्यक्षता के दौरान, भारत, इंडोनेशिया और ब्राजील ट्रोइका बनाएंगे, यह पहली बार होगा जब ट्रोइका में तीन विकासशील देश और उभरती अर्थव्यवस्थाएं शामिल होंगी, जो उन्हें वैश्विक पटल पर एक बड़ी आवाज प्रदान करेंगी। ग्रुप ऑफ ट्वेंटी (जी-20) दुनिया की प्रमुख विकसित और विकासशील अर्थव्यवस्थाओं का एक अंतर-सरकारी मंच है। इसमें 19 देश शामिल हैं, जों नमें अर्जेंटीना, ऑस्ट्रेलिया, ब्राजील, कनाडा,चीन,फ्रांस,जर्मनी, भारत इंडोनेशिया, इटली, जापान, कोरिया गणराज्य, मैक्सिको, रूस, सऊदी अरब, दक्षिण अफ्रीका, तुर्की, यूके और यूएस और यूरोपीय संघ (ईयू) आर्दे प्रमुख रूप से शार्मे ल हैं।

साथियों हाल ही में सीआईआई और ईएक्सआईएम बैंक ने मिलकर कॉन्क्लेव ऑन इंडिया- अफ्रीका प्रोजेक्ट पार्टनरशिप के 17 वें संस्करण का आयोजन किया था। इसमें होने वाली परिचर्चाओं के दौरान भारत के निजी क्षेत्र और कारोबारियों द्वारा, भारत के आविष्कारों को अफ्रीका तक ले जाने को गंभीरता से बढ़ावा देने की बात उठी थी। उम्मीद है कि चौथी भारत- अफ्रीका फोरम समिट (आई ए एफएस) 2023 में जल्द से जल्द आयोजित की जाएगी। भारत को चाहिए कि वो अपनी अध्यक्षता के दौरान जी-20 में अफ्रीकी संघ को स्थायी सदस्य बनाने की मुहिम को अंजाम तक पहुंचाकर, इस अफ्रीकी अवसर का भरपूर लाभ उठाने की कोशिश करे। ये लम्हा भारत के लिए इस लिहाज़ से अहम है कि वो खुद को अफ्रीका के एक अनूठे साझीदार के तौर पेश करे।

साथियों खुशक़िस्मिती से हाल के वर्षों में अफ्रीका के साथ भारत का संपर्क नियमित और टिकाऊ रहा है। भारत की विदेश और आर्थिक नीति में अफ्रीकीमहाद्वीप की बढ़ती अहमियत अफ्रीका में भारत की बढ़ती कूटनीतिक पहुंच से ज़ाहिर होती है। आज की तारीख़ में 43 अफ्रीकी देशों के साथ भारत के कूटनीतिक संबंध हैं, ये आंकड़े अपने आप में बहुत कुछ कहते हैं।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर उसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि वैश्विक नेतृत्व,भारत के वैश्विक मंचों पर नेतृत्व की भूमिका निभाने कदम बढ़े भारत 1 दिसंबर 2022 से जी-20 की अध्यक्षता ग्रहण करेगा 32 क्षेत्रों में करीब 200 बैठकें आयोजित होगी लोगों थीम वेबसाइट अनावृतजो कार्यक्रम की व्यापकता प्रतिबिंबित करेंगे।

कलेंडर

प्रीति चौधरी
मनोरमा
बुलंदशहर
उत्तरप्रदेश

पदमा और रुक्मणी परम सहेली हैं।पदमा जमीदार साहब की बेटी है,वहीं रुकमणी जमीदार के घर काम करने वाले नौकर (रामदीन) की पुत्री।अक्सर पदमा अपने पुराने कपड़े रुक्मणी को पहनने के लिए दे दिया कर दी है। दोनों में मित्रता भी काफी अच्छी है ।धीरे-धीरे बचपन की यह सखी तरुणाई की दहलीज तक पहुँच चुकी हैं। पदमा जहाँ रूप -रंग में गौर वर्ण की स्वामिनी है,वहीं रुक्मणी का सलोना रंग और तीखे नैन नक्श भी प्रत्येक व्यक्ति का ध्यान आकृष्ट कर लेते हैं। पदमा अपने बालों को जब खुला छोड़ देती है तो ऐसा लगने लगता है जैसे श्यामल घटाएँ चाँद को चूम रही हों। रुक्मणी अपने बालों की वेणी बनाकर उनमें चमेली का गजरा बांध लेती है तो हर किसी का मन उसकी लंबी चोटी में बंध जाता है। पदमा का भाई रंजीत सिंह पढ़ लिख कर इंजीनियर बन गया है जब भी पदमा और रुक्मणी हवेली के पिछले वाले हिस्से में घूमने जाया करती हैं,जहाँ बाग -बगीचे और सुंदर सुंदर फूलों की क्यारियाँ हैं, तो रंजीत भी कभी-कभार उधर आ जाया करता है। वह काफी शायराना मिजाज का मालिक है। उसने रुक्मणी को देखा तो बरबस ही उसकी ओर खिंचा चला आया। पदमा ने रंजीत के की आंखों में रुक्मणी के लिए प्रेम पहचान लिया और फिर रात को पदमा ने रंजीत को समझाना चाहा

÷भैया आपको अपने प्रेम के बढ़ते हुए कदमों को यहीं थामना होगा, क्योंकि इस प्रेम का कोई भविष्य नहीं है। रुकमणी मेरी खास सहेली है मैं नहीं चाहती कि आप उसकी भावनाओं के साथ खिलवाड़ करके उसे विरह की आग में जलता हुआ छोड़ दें।÷

किंतु रंजीत ने नजरें चुराते हुए कहा ÷पदमा मैं रुक्मणी से प्रेम करता हूँ और तुम देखना मैं माँ और बाबू जी को भी मना लूँगा ।मेरा प्रेम क्षणिक नहीं है... यह आसमान की तरह स्थाई है... धरती की तरह शाश्वत है ..हिमालय की तरह अडिग है÷।

उसकी प्रेम की संजीदगी देखकर पदमा भी आश्चर्यचकित रह गई।

धीरे-धीरे रुक्मणी और रंजीत के बीच मुलाकातों का सिलसिला बढ़ने लगा। युवावस्था जैसे कि मनोविज्ञान में भी कहा जाता है कि ÷तूफानों की अवस्था है÷ इसमें हृदय में उठने वाले संवेगों को नियंत्रित करना अत्यंत दुष्कर होता है। इसी प्रकार यहाँ दो प्रेमी अक्टूबर की रात में एक दूजे का हाथ हाथों में लिए एक- दूसरे से प्रेम के वादे कर रहे हैं। रंजीत ने रुक्मणी के गजरे को धीरे से खोलते हुए कहा

÷ अब तुम्हारे बिन मेरा जीवन सूना है ..क्या तुम मेरे इस सूने जीवन को अपने गजरे की सुगंध से भर दोगी ...?÷

रुकमणी ने लजाते हुए कहा ÷जाइए रंजीत बाबू आप ठहरे बड़े लोग ...आप चाहे तो ऐसे फूलों का पूरा बगीचा उठाकर अपने घर को भर सकते हैं...÷

÷ ऐसा मत कहो रुकमणी.. मैं तुमसे सच्चा प्रेम करता हूँ...और तुम देखना की कैलेंडर बदलने से पहले मैं तुम्हें अपने घर की दुल्हन बना लूँगा। नववर्ष पर हम तुम विवाह के बंधन में बंध जाएंगे। फिर हमें यह जमाना यहाँ की रिवायतें और रस्मों की ऊँची ऊँची दीवारें भी मिलने से नहीं रोक सकेंगी÷

ऐसा कहकर रंजीत रुक्मणी के अंक में अपना सिर रख देता है और रुक्मणी भविष्य के सुंदर सपनों में जैसे खो जाती है। दिन यूँ ही व्यतीत हो रहे थे मिलते -मिलते कब दोनों मन के एकीकरण के साथ-साथ तन का एकाकार भी कर चुके थे ,दोनों को पता ही नहीं चला। वह एक क्षणिक आवेश था, जिसमें दोनों ही अपनी मर्यादा विस्मृत करके प्रेम के अक्षत दीप को जलाए जा रहे थे ।उन्होंने इसका परिणाम भी नहीं सोचा, कि कभी-कभी ऐसे दीप घर को जलाकर नष्ट भी कर देते हैं।

रंजीत का कंपनी से बुलावा आ गया वह नववर्ष पर लौट आने का वादा करके अपने कार्य से देश छोड़कर ऑस्ट्रेलिया चला गया। रुक्मणी जल बिन मछली की तरह उसकी यादों का घरौंदा बना बना कर जीने लगी। वह कमरे में लगे कैलेंडर को एकटक देखती रहती ।अक्टूबर माह गया... नवंबर आया... सर्दी की ठंडी ठंडी हवाएँ जैसे तन मन को भेदने लगीं...दिसंबर माह में रुकमणी की मनोदशा बदलने लगी ...अब उसे प्रतीक्षा की घड़ियाँ भारी प्रतीत होने लगी क्योंकि उसके गर्भ में रंजीत के प्रेम की निशानी पल रही थी ।उसने यह बात पदमा के साथ साझा की ।पदमा ने जब यह सब सना तो उसके पैरों तले से जमीन निकल गई। उसने रंजीत को तार भेज दिया किंतु रंजीत ने अपनी विवशता दर्शा दी कि काम बहुत ज्यादा बढ़ा हुआ था ,अभी छुट्टी नहीं मिल सकती है। उधर धीरे-धीरे जब रामदीन की पत्नी ने रामदीन को रुक्मणी की स्थिति के विषय में बताया तो रामदीन का हृदय क्रोध और संताप से भर गया उसने रुक्मणी के ऊपर हाथ छोड़ दिया और कहा

÷तुझे शर्म नहीं आई मालिक के बेटे के साथ ऐसा कुकर्म करते हुए... इसी दिन के लिए तुझे पाल पोस कर बड़ा किया था ...क्या सोचेंगे मालिक कि हम उनकी दौलत हड़पने के लिए ऐसा कर रहे हैं.. मेरी स्वामी भक्ति पर दाग लग जाएगा.. इससे पहले कि बड़े मालिक को यह बात पता चले तुम यह बच्चा गिरवा दो÷।

किंतु रुक्मणी समाज और परिवार के ताने सहकर भी अपने उदर में पल रहे रंजीत के अंश को समाज से बचाती फिर रही थी। कैलेंडर धीमी गति से दिन... तारीख ..बदल रहा था ।एक-एक दिन सदी के बराबर प्रतीत हो रहा था ...और फिर दिसंबर का अंतिम सप्ताह आ गया ..इधर रुकमणी पर पारिवारिक दबाव बढ़ने लगा कि वह अपने बच्चे को गर्भ में ही मार दे ।

रुकमणी तनावग्रस्त रहने लगी... शाम का समय था दूर तक अंधेरा फैला हुआ था.. रात की स्याह चादर पूरे वातावरण को अपने आगोश में ढकने के लिए तैयार थी, कि तभी उस अंधेरे को चीरते हुए रुकमणी के सामने एक विशालकाय प्रतिरूप आकर खड़ा हो गया ।रुक्मणी ने चेहरा ऊपर उठाकर देखा तो उसे जानी- पहचानी सुगंध अपने आसपास महसूस हुई ।यह सुगंध वह कैसे भूल सकती थी। रंजीत के होने का एहसास उसके अंतर्मन को खुशी से भर गया ।उसने खड़े होकर जैसे ही आगे हाथ बढ़ाया रंजीत ने उसके कोमल हाथों को अपने सीने से लगा लिया और उसके हाथों में हरे काँच की चूड़ियाँ पहना दीं।

चूड़ियों की खन खन से जैसे नीरव वातावरण भी गूंजने लगा ।रंजीत ने रुक्मणी से कहा

÷ यह हमारे प्रेम की प्रथम निशानी है ।अब तुम अपनी कलाई खाली नहीं रखोगी। मैंने माँ को तुम्हारे विषय में सब बता दिया है ,उन्हें कोई आपत्ति नहीं है। बस बाबू जी को मनाना रह गया है और देखना वह मेरी इच्छा का मान अवश्य रखेंगे।

रुकमणी ने रंजीत का हाथ अपने पेट पर रखते हुए कहा

÷इसमें हमारे प्रेम की निशानी पल रही है।÷

और रंजीत की आंखों के समक्ष वह चाँदनी रात का प्रहर पुनः जीवंत हो उठा, जब हवेली के पीछे वाले भाग में तन -मन का एकाकार हुआ था।

÷रुकमणी तुम नहीं जानती तुमने मुझे इतनी बड़ी खुशी दी है, अब तो पिताजी कभी भी इस विवाह के लिए मना नहीं कर पाएँगे।÷

ऐसा कह कर रंजीत ने उसे अपने सीने से लगा लिया।

उधर रंजीत ने जब अपने पिता ठाकुर कुलवंत सिंह को इस विषय में बताया तो वे आगबबूला होने लगे

÷ तुम्हारा दिमाग तो ठिकाने पर है ...आखिर हमारे नौकर की लड़की हमारी घर की बहू कैसे बन सकती है...? मैंने माना कि रुकमणी अच्छी लड़की है, किंतु पगों की धूल कभी मस्तक पर नहीं लगाई जाती।÷

रंजीत भावावेश में बोला ÷क्या आप चाहते हैं कि हमारे घर को कभी भी उसका वारिस प्राप्त ही न हो... मैं अब कभी पिता नहीं बन सकता ...मेरा एक्सीडेंट हो गया था, रुकमणी मेरे बच्चे की माँ बनने वाली है, यदि आप उसे नहीं अपनाएँगे तो आप अपने कुल के दीप को भी खो देंगे ।÷

रंजीत ने पिता से झूठ तो बोल दिया किंतु उसकी आँखें आत्मग्लानि से झुक गयीं।

उधर ठाकुर कुलवंत सिंह को जब यह बात ज्ञात हुई तो उन्होंने रंजीत को रुक्मणी से विवाह करने की सहमति दे दी।

दिसंबर की आखिरी रात थी, पूरे गाँव को भव्य तरीके से सजाया गया था ।आखिर ठाकुर कुलवंत सिंह के बेटे का विवाह था। कल कैलेंडर बदलने वाला था और रुक्मणी के जीवन में भी बहुत बड़ा परिवर्तन आने वाला है। कल से वह ठाकुर खानदान की वधू कहलाएगी ।सुहाग की चूड़ियाँ हाथों में शोभायमान लग रही हैं... माथे पर सिंदूरी बिंदी ..और लाल रंग का चूड़ा पहने रुकमणी किसी अप्सरा से कम नहीं लग रही है।

उधर रंजीत सिंह हल्के रंग की शेरवानी पहनी हुए कोई सपनों का राजकुमार नजर आ रहा है। दोनों विवाह बंधन में बंध चुके हैं। प्रेम को आखिरकार मंजिल मिल चुकी है..

कैलेंडर बदलने से पहले रंजीत ने अपना वचन निभा दिया है।

आज मैं बहुत खुश हूँ

गरिमा राकेश
गौत्तम गर्विता
कोटा राजस्थान

क्यों ,क्या, कैसेका पता नही
पर मैं आज बहुत खुश हूँ।
कान्हा आज मेरे सपने में आया नही,
सर का भी आशीर्वाद लिया नही,
और ना ही मिली हूँ मैं ताजा ताजा
माँ पापा से,फिर भी न जाने क्यूँ
मैं आज बहुत खुश हूँ।
शायद आप सब की दुआएं
मेरे साथ है। माँ पापा का भी स्नेह
भरपूर हैं।
साथ है स्वामी का और
सर का आशीर्वाद तो हमेशा सर पर हैं।
कान्हा सपने में नही आया
पर कृपा उसकी साथ है।
इसलिए आजमेरा भी मन
खुशगवार है।
आज मैं.....।

चूँ-चूँ करती चिड़ियाँ आईं

अशोक पटेल
आशु
शिवरीनारायण
छत्तीसगढ़

चूँ-चूँ करती चिड़ियाँ आई
चहक-चहक के गीत सुनाई।
फुर्र-फुर्र करती चिड़ियाँ आई
चुग-चुग करके दाना खायीं।
फुदक-फुदक के चिड़ियाँ आई
डाल-डाल पर नाच दिखाई।
उड़-उड़कर करके चिड़ियाँ आई
बाग़-बगीचों में रौनकता छाई।
झुण्ड-झुण्ड में चिड़ियाँ आई
फूल-कलियों मे खुशियाँ छाई।

प्यार तेरा मधु पर भारी पड़ जाता है

प्रमेशदीप
मानिकपुरी
धमतरी
छत्तीसगढ़

प्यार तेरा मधु पर भारी पड़ जाता है
बंदिश लगाकर यादों पर
मुझको बहलाता है
मधुर सबंध मधु से
कितना मन को भाता है
जब तुम नहीं हो,तब
मधु का याद सताता है
मधुर संबंध मधु से
कितना मन को भाता है
मधु सी भीगी मधुरस
हो अब तुम प्यार की
प्रेम से सराबोर
आहट हो तूम नई बहार की
प्यार तेरा मधुरस
पर भी भारी पड जाता है
मधुर संबंध मधु से
कितना मन को भाता है
दो रूप बना है
प्रिय की एक मधु और तुम
अभाव मे जिनके
रहता है दिल भी गुमसुम
बार-बार यादों का
सैलाब जेहन मे आता है
मधुर संबंध मधु से
कितना मन को भाता है
पड़ी बूंद अधर मे
ज्यो स्वाती मे चकवा सी
जैसे सदियों से हो
व्याकुल और प्यासी सी
चाहत मे यादें क्यों
एक-दूजे को तड़पाता है
मधुर संबंध मधु से
कितना मन को भाता है
अधरण को चूमकर,
जाती है जब मधुरस
प्रफुल्लित हो जाती है
तनमन सब सरबस
हर बूंद दिल मे
चाहत की आग जलाता है
मधुर संबंध मधु से
कितना मन को भाता है

पंछी बन जाएँ

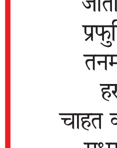

टीकेश्वर सिन्हा
गब्दीवाला
घोटिया-बालोद
छत्तीसगढ़

चलो कुछ कर जाएँ,
हम पंछी बन जाएँ।
नील गगन उड़ते हुए।
चींव-चाँव करते हुए।
नदी पर्वत देख आएँ।
हम पंछी बन जाएँ।
पड़े हुए दानों को।
पके हुए फलों को।
मिल-बाँट कर खाएँ।
हम पंछी बन जाएँ।
बना कर स्वयं घोंसला।
मन में रख हौसला।
अच्छे से रह पाएँ।
हम पंछी बन जाएँ।

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

महात्मा गांधी के सपने को साकार करने की दिशा में निरंतर प्रयास जारी- बघेल

जिले के 2675 गन्ना किसानों के खाते में प्रोत्साहन राशि 6 करोड़ अंतरित

- संवाददाता -
अम्बिकापुर , 08 नवम्बर 2022 (घटती-घटना)

मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने मंगलवार को वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से आयोजित राशि अंतरण कार्यक्रम में वर्ष 2020-21 एवं 2021-22 हेतु जिले के 2675 गन्ना किसानों के खाते में गन्ना प्रोत्साहन राशि 6 करोड़ रुपये अंतरित किया। इसके साथ ही गोधन न्याय योजना के तहत पिछले एक पखवाड़े में 1863 पशुपालकों द्वारा बेचे गए गोबर की राशि 15 लाख 22 हजार रुपये भी उनके बैंक खाते में अंतरित किया गया।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने गुरुनानक जयंति व कार्तिक पूर्णिमा की बधाई देते हुए कहा कि न्याय योजना,नरवा गरवा घुरवा और बाड़ी योजना सहित अन्य किसान हितैषी योजनाओं के द्वारा

प्रदेश में महात्मा गांधी के सपनों को साकार करने का निरंतर प्रयास किया जा रहा है। दीपवाली के ठीक पहले किसानों को राजीव गांधी किसान न्याय योजना के तहत तृतीय किश्त की राशि का भुगतान किया गया। आज गन्ना किसानों को दो वर्ष की प्रोत्साहन राशि तथा गोधन न्याय योजना की 55 वी किश्त की राशि का भुगतान किया गया। उन्होंने कहा कि बीते 1 नवम्बर से समर्थन मूल्य में धान खरीदी की शुरुआत हो गई है। सभी खरीदी केंद्रों में किसानों की सुविधाओं को ध्यान रखा जा रहा है। बारदाने की भी पर्याप्त व्यवस्था है। मोबाइल से घर बैठे टोकन कटाने की भी व्यवस्था है। उन्होंने 83 गोठानां में गौमूत्र खरीदी एवं उसके उत्पादों की बढ़ती मांग को देखते हुए गोमूत्र खरीदी के लोए गोठानों की संख्या बढ़ाने की आवश्यकता बताई। इस अवसर पर कलेक्टोरेट परिसर स्थित स्वान कक्ष में कलेक्टर श्री कुन्दन कुमार, जिला पंचायत सीईओ श्री विष्वदीप, संयुक्त कलेक्टर श्री टीसी अग्रवाल सहित कृषि विभाग के अधिकारी व गन्ना उत्पादक किसान उपस्थित थे।

उरांव समाज ने गांधीनगर थाने का किया घेराव

- संवाददाता -
अम्बिकापुर , 08 नवम्बर 2022 (घटती-घटना)

उरांव समाज व ईसाई आदिवासी के बीच करमा नृत्य को लेकर विवाद गहराता जा रहा है। ईसाई आदिवासी महासभा द्वारा 8 नवंबर को करमा नृत्य महोत्सव को गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज करवाने के लिए करमा नृत्य का आयोजन किया जाना था। लेकिन उरांव समाज द्वारा ईसाई आदिवासी महासभा द्वारा किए जा रहे करमा नृत्य का विरोध किया गया था, जिसे देखते हुए जिला प्रशासन द्वारा कार्यक्रम को स्थगित कर दिया था। इसके बावजूद भी ईसाई समाज द्वारा अन्य जगहों पर कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा था। इसकी जानकारी लगने पर उरांव समाज के काफी संख्या में महिला-पुरूष गांधीनगर थाने का घेराव कर दिया। जिला प्रशासन द्वारा कार्यक्रम का स्थगन करने के बावजूद भी कार्यक्रम किए जान का विरोध करते हुए उरांव समाज द्वारा एफआईआर दर्ज करने की मांग की जा रही थी। सूचना पर एएसपी विवेक शुक्ला थाने पहुंचे और उरांव समाज के पदाधिकारियों से काफी देर तक चर्चा की। इसके बाद जिला प्रशासन व पुलिस द्वारा ईसाई समाज द्वारा किए जा रहे कार्यक्रम को समाप्त कराया गया। इसके बाद उरांव समाज के लोग थाने का घेराव समाप्त किया।

चलो वोटर बनें मतदाता सूची में नाम जोडने विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम आज से

कलेक्टर ने युवाओं से की भागीदारी की अपील

- संवाददाता -
अम्बिकापुर , 08 नवम्बर 2022 (घटती-घटना)

भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार 1 जनवरी 2023 की स्थिति में 18 साल पूर्ण करने वाले (01 जनवरी 2005 तक की जन्मतिथि वाले) युवाओं के लिए मतदाता सूची में नाम जोडने विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम 09 नवम्बर 2022 से 08 दिसम्बर 2022 तक आयोजित किया जा रहा है। इस दौरान युवा सभी मतदान केन्द्रों पर अभिहित अधिकारी या बूथ लेबल अधिकारी से संपर्क कर अपना नाम जुड़वा सकते है नाम जुड़वाने का कार्य वोटर हेल्पलाइन एप के माध्यम से ऑनलाइन अथवा ूण्दअेचण्पद में जाकर फार्म 06 भरकर भी किया जा सकता है।

भारत निर्वाचन आयोग की ओर से मतदाता सूची में नाम जुड़वाने के लिए अब चार बार मौका मिलेगा नवीन निर्देश के अनुसार चार अहर्ता तिथि 1 जनवरी, 1 अप्रैल, 1 जुलाई तथा 1 अक्टूबर निर्धारित की गई है। अर्थात् इस दौरान वे सभी युवा जिनकी उम्र 1 जनवरी 2023, 01 अप्रैल 2023, 01 जुलाई 2023 व 01 अक्टूबर 2023 को 18 वर्ष होगी वे भी एडवांस में पूर्व से ही अपना आवेदन दे सकते है तथा 18 वर्ष पूर्ण होने पर उनका नाम स्वत ही मतदाता सूची में जुड़ जाएगा।फार्म 06 के माध्यम से जहां मतदाता, मतदाता सूची में अपना नाम जुड़वासकता है। वही फार्म 07 के माध्यम से त्रुटिपूर्ण दर्ज मतदाता का नाम विलोपित भी कराया जा सकता है। यदि नाम आदि में किसी प्रकार की त्रुटि हो तो फार्म 08भरकर त्रुटि सुधार भी किया जा सकता है। 9 नवम्बर से 15 नवम्बर के मध्य पूरे जिले में मतदाता जागरुकता को बढ़ानेके उद्देश्य से महाविद्यालय स्तर पर भाषण प्रतियोगिता एवं क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया जायेगा। 18 नवम्बर 2022 को राजीव गाधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, अम्बिकापुर में जिला स्तर पर यह प्रतियोगिता आयोजित होगी।25 नवम्बर 2022 को संभाग स्तरीय प्रतियोगिता का आयोजन होगा।

पुलिस व नगर निगम की टीम ने अस्पताल के सामने से हटाया अवैध अतिक्रमण

- संवाददाता -
अम्बिकापुर , 08 नवम्बर 2022 (घटती-घटना)

मेडिकल कॉलेज अस्पताल के सामने से चलर यातायात व्यवस्था को सुधारने की एक बार फिर कोशिश की गई है। एसपी भावना गुप्ता के निर्देश पर पुलिस व नगर निगम की टीम द्वारा अभियान चलाकर अस्पताल के सामने से बेतरतीब खड़े एंबुलेंस, अन्य वाहन तथा सड़क के दोनों किनारे लगाए गए गुमटी व ठेलों को हटा कर रामानुज क्लब मैदान में स्थानांतरित कराया गया है।

एएसपी विवेक शुक्ला के नेतृत्व में मंगलवार को कार्रवाई की गई। इस दौरान सरगुजा पुलिस एवं नगर निगम प्रशासन की संयुक्त टीम द्वारा सड़क किनारे दुकान नहीं लगाने एवं नियमों का पालन करने की हिदायत दी गई। नियमों का पालन नहीं करने पर विधिवत कार्रवाई करने की चेतावनी दी गई। जिला अस्पताल के सामने खड़े निजी एंबुलेंस एवं अन्य वाहनों को रामानुज क्लब मैदान में स्थानांतरित करने एवं सड़क किनारे किसी भी प्रकार का अव्यवस्था न करने हेतु निर्देशित किया गया है। अस्पताल के सामने लग रही जाम को देखते हुए पुलिय व नगर निगम द्वारा रामानुज क्लब मैदान को अस्थाई पार्किंग की व्यवस्था की गई है। सरगुजा पुलिस लोगों को अपील की है कि अस्पताल के सामने सड़क पर वाहन न खड़ा करें। बनाए गए अस्थाई पार्किंग रामानुज क्लब मैदान में वाहन खड़ा करने की अपील की गई है। नियम को तोडने पर कार्रवाई की चेतावनी दी गई है। संपूर्ण कार्रवाई के दौरान उप पुलिस अधीक्षक इमानुएल लकड़ा, रक्षित निरीक्षक जयराम चरमाको, चौकी प्रभारी मणिपुर सरफराज फिरदौसी, नगर निगम की टीम एवं यातायात पुलिस के अधिकारी, कर्मचारी शामिल रहे।

सार्वजनिक रूप से शराब सेवन करने वालों व चखन सेंटर के संचालकों पर पुलिस की कार्रवाई

- संवाददाता -
अम्बिकापुर , 08 नवम्बर 2022 (घटती-घटना)

एसपी भावना गुप्ता के निर्देश पर एएसपी विवेक शुक्ला के नेतृत्व में सोमवार की रात को शासकीय शराब दुकान के सामने सार्वजनिक रूप से बैठक शराब पीने वाले व चखना दुकान संचालकों पर कार्रवाई की गई। कार्रवाई में पुलिस के साथ आबकारी की टीम शामिल रही।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार शासकीय शराब दुकान गड़ाघाट व गंगापुलिस में शराब दुकान के सामने खुले में बैठकर सार्वजनिक रूप से शराब पीने की शिकायत स्थानीय लोगों द्वारा पुलिस को लगातर मिल रही थी। स्थानीय लोगों की शिकायत पर एसपी ने इस ममले को गंभीरता से लेते हुए कार्रवाई के निर्देश दिए थे। सोमवार की रात को एएसपी विवेक शुक्ला के नेतृत्व में टीम गठित कर शासकीय शराब दुकान के सामने व पास के अन्य जगहों पर सार्वजनिक रूप से शराब सेवन करने वालों व चखना दुकान संचालकों के खिलाफ कार्रवाई की गई। इस मामले में एएसपी विवेक शुक्ला ने बताया कि शराब दुकानों का आकस्मिक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया। कार्रवाई के दौरान शासकीय शराब दुकान के संचालकों को दुकान के आसपास लोगों को शराब पीने से मना करने हेतु निर्देशित किया गया। सार्वजनिक रूप से शराब पीने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध व अवैध चखना सेंटर संचालकों पर भी विधिवत कार्रवाई की गई है।

गुदरी बाजार मार्ग का हुआ पेंच रिपेयरिंग

श्रीगढ़ मार्ग का नवीनीकरण कार्य आज से होगा शुरू

- संवाददाता -
अम्बिकापुर , 08 नवम्बर 2022 (घटती-घटना)

शहर के व्यस्ततम गुदरी बाजार मार्ग का पेंच रिपिरिंग कार्य सोमवार को लोक निर्माण विभाग द्वारा शुरू किया गया। महाराणा प्रताप चौक से लेकर गुदरी बाजार के अंदर तक के मार्ग का पेंच रिपिरिंग किया गया।

लोक निर्माण विभाग के कार्यपालन अभियंता श्री व्हीके बेदिया ने बताया कि नगर निगम अंतर्गत लोक निर्माण विभाग द्वारा संधारित सड़को का मरम्म्त एवं नवीनीकरण के कार्य तेजी से कराये जा रहे है। उन्होंने बताया कि मंवलवार को गुदरी बाजार मार्ग का पेंच रिपिरिंग पूरा हो गया है। बुधवार से श्रीगढ़ रोड में करीब 600 मीटर रोड का नवीनीकरण कार्य शुरू होगा।

ज्ञातव्य है कि कलेक्टर श्री कुन्दन कुमार के निर्देश पर खराब सड़कां के मरम्म्त का कार्य जोर-शोर से जारी है। शहर के साथ ही ग्रामीण क्षेत्र की खराब सड़कों का मरमम्त तेजी से किया जा रहा है।

स्वच्छता दीदीयां पूरे देश में अम्बिकापुर व छत्तीसगढ़ का कर रहीं हैं नाम रोशन

- संवाददाता -
अम्बिकापुर , 08 नवम्बर 2022 (घटती-घटना)

छत्तीसगढ़ भाजपा के नव नियुक्त प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव ने अपने प्रथम सरगुजा प्रवास पर एलएलआरएम सेन्टर देवीगंज वार्ड अम्बिकापुर के स्वच्छता दीदीयों से मुलाकात की। भाजपा के सरगुजा संभागीय प्रभारी संजय श्रीवास्तव, भाजपा जिलाध्यक्ष ललन प्रताप सिंह, नगर निगम नेता प्रतिपक्ष प्रबोध मिंज, पूर्व ओबीसी मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष अखिलेश सोनी, पूर्व सांसद कमलभान सिंह, भाजपा जिला महामंत्री अभिमन्यु गुप्ता व भाजपा नगर मण्डल अध्यक्ष मधुसुदन शुक्ला की उपस्थिति में देवीगंज वार्ड स्थित एलएलआरएम सेन्टर में

स्वच्छता दीदीयों से मुलाकात के दौरान भाजपा प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव ने अम्बिकापुर को स्वच्छता में नम्बर वन बनाने वाली स्वच्छता दीदीयों को बधाई देते हुए उनका हाल-चाल जाना तथा उनके कार्यों की प्रसंशा की। उन्होंने कहा कि अम्बिकापुर की स्वच्छता दीदीयां पूरे देश में अपने अम्बिकापुर व छत्तीसगढ़ का नाम रोशन कर रही हैं। स्वच्छता के क्षेत्र में किए गए उनके कार्यों से पूरे देश को प्रेरणा मिल रही है। मुलाक़ात के दौरान शशिकला सिन्हा, संगीता गुप्ता, सुनिता सरखेल, श्वेता सिन्हा, ज्ञानलता कुजूर, निरासो, महंती, इन्द्रावती, तारा, निर्मला, अमीना लकड़ा, नीलम, आशा, सुषमा, चरण बाई, अनीता, बल मदीना, शुशीला, मीना, मेरी मरियम, सुकेश्वरी, लालकुमार तथा शिवरात्रि कौशल्या व अन्य स्वच्छता दीदीयां उपस्थित रहीं।

भक्ति व उल्लास के साथ मनाया गया श्री गुरु गोविंद सिंह जी का 553 वां प्रकाश पर्व

गुरुद्वारे में बरताया गया गुरु का अटूट लंगर, सैकड़ों लोगों ने किया प्रसाद ग्रहण

- संवाददाता -
अम्बिकापुर , 08 नवम्बर 2022 (घटती-घटना)

प्रथम सिख गुरु साहिब गुरुनानक देव के 553वां प्रकाश पर्व का आयोजन गुरुद्वारा सिंह सभा स्कूल रोड अम्बिकापुर में धूमधाम से मंगलवार को मनाया गया। गुरुपर्व के कार्यक्रमों की शुरुआत प्रभात फेरियों से हुई। इस अवसर पर गुरुद्वारा साहिब में शबद कीर्तन, कथा विचार के

कार्यक्रम हुए और अटूट लंगर का आयोजन हुआ। गुरुद्वारा साहिब के रागी जत्थे द्वारा गुरुवाणी शबद कीर्तन किया गया। प्रकाश उत्सव के अवसर पर भव्य आतिशबाजी की गई। गुरुपर्व के कार्यक्रम में सिख समाज के साथ सिन्धी समाज एवं सभी समाज के सदस्य बड़ी संख्या में सम्मिलित हुए। गुरुपर्व के सभी कार्यक्रमों में जिला प्रशासन ने सराहनीय सहयोग किया।

CMYK

वर्तमान राजनीति में क्या वही रहेंगे जो डर्टी राजनीति करने में माहिर होंगे?

कोरिया जिले में डर्टी राजनीति का प्रवेश, आपसी खींचातानी जारी, डर्टी राजनीति से कांग्रेस सबसे ज्यादा संक्रमित

- रवि सिंह -
बैकुण्ठपुर 8 नवम्बर 2022
(घटती-घटना)

डर्टी पॉलिटिक्स की शुरुआत कोरिया जिले में हो चुकी है और अब जो राजनीतिक सुचिता के साथ राजनीति करना चाहते थे वह राजनीति से किनारा कर रहें हैं यह लगातार जिले में देखा जा रहा है। पहले स्व रामचन्द्र सिंहदेव ने राजनीति में सुचिता समाप्ति की बात कहते हुए सन्यास ले लिया था वहीं बाद में पूर्व सांसद पूर्व विधायक लाल विजय प्रताप सिंह ने भी धीरे धीरे राजनीति से किनारा कर लिया था, अब जिले के पहले जिला पंचायत अध्यक्ष और कांग्रेस के कद्दावर नेता यवत कुमार सिंह ने भी राजनीति से किनारा करने का इरादा कर लिया है और वह मंचो व सभाओं से दूर नजर आने लगे हैं और अपने खेती किसानी में ही मग्न नजर आने लगे हैं। कोरिया जिले में सबसे ज्यादा डर्टी पॉलिटिक्स का प्रभाव कांग्रेस में ही देखने को मिल रहा है और जिले के कांग्रेस नेताओं को ही राजनीति से किनारा करते हुए देखा जा रहा है। पूर्व वित्तमंत्री स्व डॉक्टर रामचंद्र सिंहदेव, पूर्व सांसद पूर्व विधायक लाल विजय प्रताप सिंह सहित प्रथम जिला पंचायत अध्यक्ष कोरिया यवत कुमार सिंह तीनो कांग्रेस के ही कद्दावर नेता रहें हैं जिन्होंने समय पूर्व ही राजनीति छोड़ दी।

क्या है डर्टी पॉलिटिक्स?- डर्टी पॉलिटिक्स जिसे दूषित राजनीति भी कह सकते हैं का मतलब है राजनीति में हर हथकंडा अपना कर खुद को श्रेष्ठ बनाये रखना और इसके लिए किसी भी हद और सीमाओं से बाहर जाकर व्यवहार करना। जिले में कुछ समय से ऐसी राजनीति का प्रभाव बढ़ा है और जिसे पुराने राजनीतिज्ञों ने नापसंद किया है और राजनीति से किनारा किया है।

अवैध कारोबारियों को साथ लेकर चलना और उन्हें आमजनों से ज्यादा महत्व देना भी है डर्टी पॉलिटिक्स- डर्टी पॉलिटिक्स के अंदर अवैध कारोबार को भी शामिल माना जाता है और अवैध कारोबार को सह देना भी इसमे शामिल है।। जिले में लगातार देखा जा रहा है कि निर्वाचित जनप्रतिनिधियों के खास सिपहसालार अवैध कारोबारी ही रहते हैं और जो हर जगह जनप्रतिनिधियों के साथ उपस्थित रहते हैं।। ऐसे अवैध कारोबारियों को कानून का संरक्षण दिलाना और उन्हें आम लोगों से ज्यादा तव्वजो देना यह लगातार देखा जा रहा है। अवैध कारोबारियों के बिना जनप्रतिनिधियों को किसी भी मंच पर नहीं देखा जा रहा है यहाँ तक कि उन्हें ही मंच की जिम्मेदारी दी जाती है और वही अवैध धंधे की कमाई से मंच जनप्रतिनिधियों का सजाते हैं। किसी भी कार्यक्रम में जहां जनप्रतिनिधि जाते हैं अवैध कारोबारी ही मुख्य रूप से सर्वे सर्वा होते हैं यह प्रायः देखा जा रहा है।

» डर्टी राजनीति कहकर ही स्व रामचन्द्र सिंहदेव ने लिया था राजनीति से सन्यास, अब यवत सिंह ने भी राजनीति से किया किनारा।

» पूर्व सांसद एवम विधायक लाल विजय प्रताप सिंह भी कर चुके हैं राजनीति से किनारा।

» कुल मिलाकर जिन्हें भी राजनीति में सुचिता है पसंद वह नहीं रहना चाहते वर्तमान में राजनीति में।

» क्या स्वर्गीय कोरिया कुमार अपनी दूर दृष्टि समझ गए थे की आने वाली राजनीति गंदी, क्या यही वजह थी कि राजनीति से संन्यास ले लिया था?

» डर्टी राजनीति की वजह से पहले कोरिया कुमार और अब युवक कुमार सिंह भी राजनीति से किया किनारा।

» कोरिया के कई दिग्गजों ने राजनीति से किया किनारा, सबसे पहले स्वर्गीय कोरिया कुमार, पटना के बाबा साहब व युवक कुमार सिंह ने किया किनारा।

एक दूसरे को पछाड़ने किसी भी हद तक जाना भी है दूषित राजनीति-

राजनीति में सुचिता समाप्त होती जा रही है यह कहना गलत नहीं होगा वहीं एक दूसरे को पछाड़ने नेता किसी भी हद तक जा रहें हैं यह प्रायः देखा जा रहा है। आपसी स्वीकार्यता ही राजनीति से विलुप्त हो जा रही है और आरोप प्रत्यारोप भी इस कदर व्यक्तिगत होने लगें हैं कि शब्द मर्यादाओं का भी ध्यान नहीं रखा जा रहा है। कोरिया जिले में राजनीतिक आपसी वाद विवाद जो सोशल मीडिया पर होता उसपर यदि ध्यान दिया जाए तो यही सामने आता है कि एक दूसरे पर टिका टिप्पणी करने में किसी बात का परहेज नहीं किया जाता और राजनीतिक प्रतिद्वंदता की बजाए व्यक्तिगत आक्षेप और आरोप ही बयानों में हावी रहते हैं।

पहले मंचों पर होता था वाद विवाद,सवालों के दिये जाते थे जवाब- पहले की राजनीति राजनीतिक मंचों पर सजा करती थी और आपसी वाद विवाद परस्पर राजनीतिक दल मंचों पर किया करते थे,अब मंचों की जगह सोशल मीडिया ने ले लिया है और वक्ता भी दलों की तरफ से निश्चित नहीं हैं,हर किसी का अपना तर्क है हर विषय पर और विरोध का अपना रतरीका,पहले मंचों पर स्रोता सुनकर तय करते थे कौन बेहतर अब सोशल मीडिया पर जनता भी दिग्भ्रमित है कौन बेहतर।

महाविद्यालय स्तरीय खेल प्रतियोगिता का गया किया शुभारंभ

- संवाददाता -
प्रतापपुर, 08 नवम्बर 2022
(घटती-घटना)।

शासकीय कालिदास महाविद्यालय प्रतापपुर में महाविद्यालय स्तरीय खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य अतिथि ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष कुमार सिंह देव के द्वारा प्रतियोगता का शुभारंभ किया गया।जिसमे कुमार सिंह देव का जन्मदिन भी महाविद्यालय के छात्रओ के द्वारा कालेज में केक काटा कर मनाया गया जिसमे नगर पंचायत अध्यक्ष कंचन सोनी, नगर पंचायत अध्यक्ष जरही बीजू दासन, सतीश चौबे , मनोज सिंह, बनवारी लाल गुप्ता , नगर पंचायत एल्डरमेन अफसर अजीज उपस्थित थे।

जिसमे मुमशाद खान , वसीम गोल्डन ,धीरज कस्यप ,मयंक जयसवाल,एन एस यू आई महाविद्यालय प्रभारी प्रणव बाबू दुबे , उपस्थित थे।

कलेक्टर एसपी ने धान खरीदी केन्द्रों का किया औचक निरीक्षण, अपने सामने धान की आर्द्रता तथा रैंडम बोरियां तौलकर की जांच

» कलेक्टर ने पटना तथा छिंदडांड में धान बेचने आए किसानों से बात कर व्यवस्थाओं पर लिया फ़ीडबैक।

» धान खरीदी शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता, लापरवाही बर्दाश्त नहीं- कलेक्टर

- संवाददाता -
बैकुण्ठपुर 8 नवम्बर 2022
(घटती-घटना)

राज्य शासन द्वारा खरीफ विपणन वर्ष 2022-23 के लिए समर्थन मूल्य पर धान खरीदी की शुरूआत 1 नवम्बर से शुरू हो गई है। जिले में धान खरीदी का जायजा लेने कलेक्टर श्री विनय कुमार लंगेह ने आज एसपी श्री त्रिलोक बंसल के साथ धान खरीदी केंद्र पटना तथा छिंदडांड का आकस्मिक निरीक्षण किया। खरीदी केन्द्रों में सभी व्यवस्थाओं का गहनता से जायजा लेते हुए उन्होंने समिति प्रबंधकों से धान खरीदी की प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने आवश्यक व्यवस्थाओं, धान खरीदी की दरों, फड़ की व्यवस्था, बारदानों की उपलब्धता की जांच की। उन्होंने कहा कि केंद्र में किसानों के लिए बैठक व्यवस्था, पीने के पानी तथा शौचालय की अच्छी व्यवस्था हो तथा सुरक्षा की दृष्टि से सीसीटीवी कैमरे की व्यवस्था का भी जायजा लिया।

कलेक्टर श्री लंगेह ने केन्द्रों में समिति प्रबंधकों से कुल पंजीकृत किसानों, नवीन किसानों तथा वनाधिकार पट्टा किसानों की जानकारी ली। बताया गया कि पटना खरीदी केन्द्र में कुल 2,102 तथा छिंदडांड में कुल 1,075 किसान पंजीकृत हैं। कलेक्टर श्री लंगेह ने कहा कि किसानों के लिए बारदानों की पर्याप्त व्यवस्था हो तथा खरीदी दिवस पर ही धान की स्टैकिंग निर्धारित रूप से हो जाए, इसका ध्यान रखें।

धान बेचने आए किसानों से बात कर व्यवस्थाओं पर लिया फ़ीडबैक, स्वयं अपने सामने धान की आर्द्रता तथा रैंडम बोरियां तौलाकर की जांच- कलेक्टर श्री लंगेह ने धान बेचने आए किसानों से बात कर व्यवस्थाओं के सम्बंध में जानकारी ली। पटना खरीदी केंद्र में ग्राम रनई से धान बेचने आए किसान सियाराम साहू ने बताया कि उनके पास कुल 8 एकड़ भूमि है उन्होंने 2 नवम्बर को टोकन कटवाया था, अभी तौलाई की जा रही है तथा यहां केंद्र में अच्छी व्यवस्था है। इस दौरान कलेक्टर ने स्वयं अपने सामने आर्द्रतामापी यंत्र से धान की आर्द्रता की जांच करवायी तथा रैंडम बोरियों का तौल करवाया। उन्होंने कहा कि धान खरीदी में किसान को किसी भी प्रकार की समस्या ना हो।

लापरवाही बरतने वालों पर हुई कार्यवाई, धान खरीदी में व्यवस्था दुरस्ती तथा निरंतर निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लेने के दिए निर्देश- कलेक्टर श्री लंगेह ने धान खरीदी से सम्बंधित समस्त पंजियों की जांच की तथा बारदाने उपलब्ध कराए जाने से सम्बंधित पंजी का अलग से संधारण किए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने धान खरीदी केंद्र छिंदडांड में पंजी संधारण में लापरवाही बरतने वाले समिति प्रबंधक तथा कम्प्यूटर ऑपरेटर को फटकार लगाते हुए नोटिस जारी किए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि धान खरीदी शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है, इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सभी सम्बन्धित अधिकारी खरीदी केन्द्रों में व्यवस्थाओं हेतु निरंतर निरीक्षण करें, कोचियों-बिचौलियों पर निगरानी रखें।

राजनीतिक एवं विकास के संवाद में बच्चों को मिले प्राथमिकता : श्याम सुधीर बंडी

- संवाददाता -
अम्बिकापुर , 08 नवम्बर 2022
(घटती-घटना)।

राजनैतिक तथा विकास के संवाद में बच्चों को स्थान दिया जाये, ताकि उनका सर्वांगीण विकास हो सके। इन विषयों को लेकर यूनिसेफ, छत्तीसगढ़ बाल अधिकार वेधशाला(सीसीआरओ)एवं सरगुजा संभाग की संस्थाओं ने एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन अम्बिकापुर के एवलॉन होटल में किया। इस संगोष्ठी में संभाग के सभी जिलों से विभिन्न धर्मों के प्रमुख, गांव एवं शहरों में कार्य करने वाले ओझा, गुनिया, बैगा सहित उन लोगों को आमंत्रित किया गया, जिनसे हमारे समाज के लोग प्रभावित होते हैं। इस संगोष्ठी में पत्रकार, जनप्रतिनिधियों, प्रोफेसर सहित कई अलग-अलग क्षेत्र के विशेषज्ञों एवं प्रभावी लोगों को आमंत्रित किया गया। कार्यक्रम को शुरू करते हुए सीसीआरओ सरगुजा के संयोजक चिराग सोशल वेलफेयर सोसायटी के मंगल पाण्डेय ने कार्यक्रम की रूपरेखा रखते हुए कहा कि संगोष्ठी के माध्यम से समाज में बच्चों के प्रति एक माहौल बनाने की दिशा में बेहतर प्रयास करना है, जिसका मुख्य उद्देश्य है हमारे राजनीतिक संवाद में, विकास की कार्ययोजना में बच्चों के विषयों एवं बच्चों को प्राथमिकता दी जाये।

यूनिसेफ के श्याम सुधीर बंडी ने संगोष्ठी को सम्बोधित करते हुए सर्वप्रथम बाल हितैषी ग्राम की परिकल्पना, बच्चों के लिये बने 54 अधिकारों तथा समाज में बच्चों को लेकर व्याप्त विषयों पर जानकारी दी गई। इस संगोष्ठी के माध्यम से श्याम सुधीर बंडी ने कहा कि हम बच्चों को लेकर, उनके विकास को लेकर क्या सोचते हैं। इस पर आज विचार करने हेतु एकत्रित हुए हैं। गांवों एवं शहरों के आप जैसे प्रभावी लोगों के आमंत्रित करने का उद्देश्य यह है कि समाज के लोग आपकी सुनते हैं, आपकी बातों को मानते हैं, वह चाहे धर्म से जुड़ा हो, जाति से जुड़ा हो, पारंपरिक लोक प्रचलन से जुड़ा हो अथवा ईलाज एवं रोग से जुड़ा हो। आप जो कहते हैं उसे जनसामान्य मानता है, सुनता है। इसलिये हमारा इस कार्यक्रम के जरिये आपसे अनुरोध है कि आप बच्चों के मुद्दों को लेकर समाज में बात करें। जैसे आपके पास जो भी वर्ग आता है, उससे उसके स्वास्थ्य की बात करें, उनके बच्चों की बात करें। आप जो भी पूजा-पाठ अन्य कार्य दवा-ईलाज करते हैं, उसके साथ-साथ उन्हें बच्चों के नियमित टिकाकरण, पोषण, गर्भवती महिलाओं के नियमित जांच, शिक्षा, चिकित्सा, विकास हर मामलों पर बात करें। हमारा उद्देश्य है कि बच्चों को सामने रख कर हमारी गांव के विकास का प्लान तैयार हो, हमारी सरकारें बच्चों के लिये सोचें। सिर्फ सड़क, पुल, पुलिया बनाने से विकास नहीं हो सकता, उस पर चलने वाले व्यक्ति का सर्वांगिण विकास चाहिए। बच्चें हमारे भविष्य हैं।

नवभारत के ब्यूरो चीफ सुधीर पाण्डेय ने कहा कि जब बच्चों के सर्वांगिण विकास की बात की जा रही है, तब नैतिक शिक्षा भी जरूरी चीज है। आज हम अपने बच्चों को अपनी संस्कृति के मुताबिक कितना नैतिक रूप से हर मामले में जिम्मेदार बना पा रहे हैं, यह हम सब की जिम्मेदारी है। पहले हम सरकारी स्कूलों में पढ़ते थे, प्राईवेट स्कूल का ज्यादा चलन नहीं था, हर वर्ग के लोग एक साथ बैठ कर पढ़ना, खाना, खेलना, घुमना सब करते थे। गरीब-अमिर का भेदभाव नहीं था। किन्तु अब सरकारी एवं प्राईवेट स्कूल, कोचिंग जैसे कई चिजों में बंट गये हैं, जहां से अमिर-गरीब का भेदभाव शुरू हो गया है। अब इन चिजों का बदल पाना संभव नहीं है, लेकिन सुधार की दिशा में नियमित प्रयास करना बेहद जरूरी है। नई दूनिया के ब्यूरो चीफ अनंगपाल दीक्षित ने कहा कि बच्चों के सर्वांगिण विकास की जब बात की जाती है तो मेरा मानना है कि लड़का हो अथवा लड़की उसको सर्वप्रथम घर से ही प्रताड़ना मिलती है। वह ऐसे कि बच्चा चाहता है आर्टस लेना हम उसे जबरदस्ती सांईस लेने का दबाव डालते हैं और कोटा भेज रहे हैं। बच्चा चाहता है डॉक्टर बनना हम उसे जबरदस्ती पीएससी, यूपीएससी करने का दबाव डालकर कोचिंग में भेज रहे हैं। बच्चा दबाव में पढ़ रहा है कि उसका मन नहीं है, उसके मन मुताबिक नहीं है फिर भी जबरदस्ती पढ़ रहा है। जब बच्चों के मामलों में हम शोषण एवं प्रताड़ना की बात करते हैं तो सबसे बड़ी प्रताड़ना तो यही है, बाकि बाहर बाद में कुछ होता है। बच्चों के लिये सरकार की तमाम योजनायें हैं, लेकिन हमारी निगरानी सिस्टम फेल है, क्योंकि हम स्वयं कुछ करना नहीं चाहते, हमें स्वयं निगरानी करनी होगी तभी योजनाएं अच्छी चलेंगी। ब्राम्हण समाज की ओर से कार्यक्रम में उपस्थित भाजपा पार्षद आलोक दुबे ने ग्रामीण पृष्ठ भूमि के कई समसामयिक विषयों पर नज़र डालते हुए एनिमिया, बाल विवाह एवं लड़कियों के पढ़ाई जल्द छोड़ने जैसे विषयों पर बात कि तथा कहा कि इस कार्य के बेहतर क्रियान्वयन में यहां आये हुए प्रभावी लोगों के माध्यम से अपने मैसेज को समाज तक पहुंचाना बेहतर कार्यक्रम है। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए प्रजापति ब्रम्हकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय सरगुजा की विद्या बहन ने नैतिक शिक्षा के पाठक्रम संचालित करने की दिशा में चर्चा करते हुए कहा कि आधुनिकता के दौड़ में हम इतने व्यस्त हैं कि बच्चों के लिये सबकुछ जुटाने हेतु लालायीत तो हैं, लेकिन उनका व्यवहार अच्छा हो, उनका कर्म अच्छा हो इसकी भी शिक्षा उन्हें दी जाये, यह भी मां-बाप एवं इस समाज की जवाबदेही है। कार्यक्रम में गांवों से पहुंचे ओझा, गुनिया, बैगा, देवार, पटेल, वैद्य सहित अन्यों ने अपने अनुभव सांझा किये तथा आगामी समय में महंगी शिक्षा को लेकर गांव में मां-बाप को होने वाली परेशानियों पर भी प्रकाश डाला साथ ही शिक्षा व्यवस्था एक जैसा रखने के भी सुझाव दिये। इस दौरान सीसीआरओ छत्तीसगढ़ के प्रभारी मनोज भारती ने बच्चों के साथ घर एवं समाज में होने वाले शोषण को लेकर अपनी बात रखी और चाईल्ड हेप्ल लाईन नम्बर सहित गुड-टच एवं बेड टच की जानकारी भी सांझा की। सेवा भास्कर के उमाशंकर पाण्डेय ने कहा कि बेहतर समाज के निर्माण में हमारे गांवों के इन प्रभावी लोगों की विशेष भूमिका है, जिन्हें आज हमने यहां बुलाया है। जो वैद्य, ओझा, गुनिया, पटेल, देवार यहां हैं, इनके पास गांव के लोग तो अपने समस्या के निदान हेतु आते ही हैं, साथ ही त्रि-स्तरीय पंचायती राज संस्था के प्रतिनिधियों से लेकर विधायक और सांसद तक इनके पास आते हैं, क्योंकि ये एक बड़े वोट बैंक को प्रभावीत करते हैं। ऐसे में यदि ये किसी बात को समाज में एवं निति निर्धारण करने वाले जनप्रतिनिधियों को बोलेंगे तो उसका असर हम सबके बात से ज्यादा होगा। इसलिये यह संगोष्ठी कई मायने में अच्छी है और बच्चों के लिहाज़ से बेहतर है। कार्यक्रम के समापन में आभार प्रदर्शन करते हुए सरगुजा साइंस ग्रुप के अंचल ओझा ने विश्व बाल दिवस को लेकर यूनिसेफ एवं सीसीआरओ द्वारा आयोजित बच्चों को लेकर 5 अलग-अलग कार्यक्रमों की जानकारी दी। राहुल मिश्रा ने बाल विवाह के मुद्दे पर समाज एवं धर्म प्रमुखों से बात की और उनका सहयोग मांगा। कार्यक्रम में सभी धर्मों एवं समाज के लोगों की भागीदारी एवं उपस्थिति रही। इस दौरान प्रोफेसर डॉ पीयूष पांडेय, पं. राधारमण पाण्डेय, सरदार नवराज सिंह बाबरा, सरदार महेन्द्र सिंह टूटेजा, एल्डरमैन इन्द्रजीत सिंह धंजल, एमसीसीआर से डी श्याम कुमार, छत्तीसगढ़ प्रचार एवं विकास संस्थान से अमृतलाल प्रधान, मुस्लिम महिला लोक सेवा समिति से सुल्ताना सिद्दीकी, सरस्वती विश्वकर्मा ने भी अपने अनुभव सांझा किये। इस दौरान एमसीसीआर से अमित सिंह, राजेश सोनी, अंजुलेश लकड़ा, जितेन्द्र बिन्दु सहित कई संस्थाओं के पदाधिकारी एवं गांव से आये हुए वैद्य, ओझा, गुनिया, पटेल, देवार सहित अन्य उपस्थित थे।

घुनघुट्टा नदी में डूबने से युवक की मौत

- संवाददाता -
अम्बिकापुर , 08 नवम्बर 2022
(घटती-घटना)।

अपने पांच दोस्तों के साथ घुनघुट्टा नदी में नहाने गए युवक की डूबने से मौत हो गई। सूचना पर दरिमा पुलिस मौके पर पहुंची और एसडीआरएफ की टीम को मौके पर बुलवाकर शव को निकलवाया। गहरे पानी में फंसे रहने के कारण शव निकालने में एसडीआरएफ की टीम को लगभग 3 घंटे तक मशक्कत करनी पड़ी। फिलहाल पुलिस मामले में मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार सोनू उर्फ अबूल कलाम उम्र 21 वर्ष झारखंड के लातेहार जिले का रहने वाला था। वह अंबिकापुर स्थित नावागढ़ में किराए के मकान में रहकर काम करता था। मंगलवार की सुबह करीब 9 बजे अपने पांच दोस्तों के साथ घुनघुट्टा नदी में नहाने गया था। नहाने के दौरान पैर फिसल गया और वह गहरे पानी में जाकर डूब गया। इस दौरान दोस्तों ने उसे बचाने की कोशिश की पर सफल नहीं हुए। सूचना पर दरिमा पुलिस 11.30 बजे मौके पर पहुंची और ममले की जांच की। इस दौरान एसडीआरएफ की टीम को बुलवाकर उसे निकालने की कोशिश की गई। पर गहरे पानी में फंसने के कारण पता नहीं चल रहा था। लगभग तीन घंटे की मशक्कत के बाद एसडीआरएफ की टीम ने उसकी लाश को बाहर निकाला। इस मामले में पुलिस ने मर्ग कायम कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

बाइक चोरी,ज़ुर्म दर्ज

- संवाददाता -

अम्बिकापुर , 08 नवम्बर 2022 (घटती-घटना)। 7 नवंबर की रात को अज्ञात चोरों ने एक व्यक्ति की बाइक उसे घर के बाहर से अज्ञात चोर ने पार कर दी। पीड़ित ने इसकी रिपोर्ट कोतवाली में दर्ज कराई है। जानकारी के अनुसार अनवर अहमद शहर के अयान मार्ग का रहने वाला था। 7 नवंबर की रात को 10 बजे वह अपनी बाइक क्रमांक सीजी 15 डीटी 2892 को घर के बाहर खड़ा कर घर के अंदर सो गया था। दूसरे दिन सुबह उठा तो देखा की उसकी बाइक नहीं है। वह इसकी रिपोर्ट कोतवाली में दर्ज कराया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

इमरान की 'बैलेट या ब्लडशेड' की चेतावनी से पाकिस्तान में और बढ़ा टकराव

इस्लामाबाद, 08 नवम्बर 2022। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने अपने लॉन्ग मार्च को दोबारा शुरू करने का कार्यक्रम दो दिन टाल दिया, लेकिन आंदोलन को खत्म करने की कई हलकों से की जा रही अपीलों को उनकी पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) ने सिरे से ठुकरा दिया है। लॉन्ग मार्च अब वजीराबाद से गुरुवार को शुरू होगा। बीते हफ्ते वहीं इमरान खान पर गोलियां चलाई गई थीं, जिसके बाद मार्च रोक दिया गया। पहले इसे मंगलवार से दोबारा शुरू करने की घोषणा हुई थी, लेकिन सोमवार देर शाम इसे दो दिन और टालने की घोषणा की गई।

इस बीच इमरान ने दो टूक चेतावनी दी है कि अब देश के सामने बैलेट या ब्लडशेड (चुनाव या खूनखराबा) में किसी एक को चुनने का विकल्प ही बचा है। समझा जाता है कि ऐसे बयान देकर इमरान खान 'एस्टेब्लिशमेंट' को खुली चुनौती दे रहे हैं। पाकिस्तान में सेना और खुफिया तंत्र को एस्टेब्लिशमेंट के नाम से जाना जाता है और आम राय है कि सत्ता के असल सूत्र उसके ही हाथ में होते हैं।

राजनीतिक पर्यवेक्षकों के मुताबिक इमरान खान को पुराने तजुर्बों के आधार पर ये अहसास है कि शहबाज शरीफ सरकार के हाथ में असल सत्ता नहीं है। इसलिए उन्होंने सरकार और एस्टेब्लिशमेंट दोनों के खिलाफ एक साथ मोर्चा खोल रखा है। इससे देश में तनाव बढ़ता जा रहा है। जाने-माने राजनीति शास्त्री डॉ. हसन अस्करी ने कहा है कि ऐसे माहौल का स्वाभाविक परिणाम टकराव के रूप में सामने आएगा।

पांव में गोली लगने के बाद इमरान खान ने जिस तरह के बयान दिए हैं, उनका जिक्र करते हुए प्रो. अस्करी ने अखबार द एक्सप्रेस ट्रिब्यून से कहा- 'इमरान सरकार के साथ-साथ सेना को भी चुनौती दे रहे हैं, क्योंकि उनकी राय है कि इस खेल के असली खिलाड़ी सेना ही है।' प्रो. अस्करी ने कहा कि इन हालात का क्या नतीजा होगा, इसका अंदाजा लगाना मुश्किल है, लेकिन स्थितियां टकराव की तरफ जा रही हैं। विश्लेषकों के मुताबिक पाकिस्तान की असल समस्या यह है कि यहां नागरिक शासन की सर्वोच्चता कभी नहीं रही। सेना के वर्चस्व से इसके पहले तत्कालीन प्रधानमंत्रियों जुल्फिकार अली भुट्टो और बेनजीर भुट्टो के साथ-साथ नवाज शरीफ को भी उलझना पड़ा था। इस साल अप्रैल में जिस तरह से अविश्वास प्रस्ताव के जरिए पीटीआई सरकार को घेरा गया, उसके लिए इमरान खान ने एस्टेब्लिशमेंट को दोषी माना। उसका ही नतीजा अभी टकराव की राजनीति के रूप में देखने को मिल रहा है। टीकाकारों के मुताबिक ये हालात उस समय बने हैं, जब पाकिस्तान गहरे आर्थिक संकट में है। सियासी टकराव के कारण देश में अस्थिरता का माहौल गहरा रहा है और उससे आर्थिक मसले और गंभीर रूप ले रहे हैं। इस बीच अंदेशा है कि गुरुवार को लॉन्ग मार्च के फिर शुरू होने शहबाज सरकार पर दबाव और बढ़ जाएगा।

इस बीच इमरान खान ने राष्ट्रपति आरिफ अल्वी के खिलाफ भी मोर्चा खोल दिया है। अल्वी पीटीआई से संबंधित रहे हैं। लेकिन रविवार को जिस लहजे में इमरान खान ने उन्हें पत्र लिखा, उससे संकेत मिला है कि खान राष्ट्रपति से खुश नहीं हैं। पाकिस्तानी अखबारों में मंगलवार सुबह छपी खबर के मुताबिक इसमें खान ने कहा है कि देश में झूठे आरोप लगाए जा रहे हैं, लोगों को परेशान किया जा रहा है, गिरफ्तारियां हो रही हैं और पुलिस हिरासत में यातनाएं दी जा रही हैं। उन्होंने राष्ट्रपति से इन सबको रोकने के लिए तुरंत कदम उठाने की मांग की है। जबकि पर्यवेक्षकों के मुताबिक पाकिस्तान में राष्ट्रपति सिर्फ संवैधानिक प्रमुख होते हैं और वे सीधे राजकाज में दखल नहीं दे सकते।

ईरान की ड्रोन बनाने की क्षमता से भौंचक क्यों हैं पश्चिमी जानकार?

मास्को, 08 नवम्बर 2022। यूक्रेन युद्ध में रूस ने जिस पैमाने पर ईरान में बने ड्रोन का इस्तेमाल किया है, उसे रक्षा क्षेत्र में एक बड़े बदलाव के रूप में देखा गया है। ईरान के ड्रोन्स काफी असरदार साबित हुए हैं। विशेषज्ञों के मुताबिक पहले समझा जाता था कि ऐसे मारक हथियार बनाने की क्षमता सिर्फ विकसित देशों के पास है। लेकिन ईरान के ऐसी क्षमता हासिल कर लेने से अब बिल्कुल नई परिस्थिति सामने आ गई है।

अमेरिका ने हाल में इस बात जोरदार कूटनीतिक प्रचार किया कि रूस ने ईरान में बने ड्रोन हासिल किए हैं और युद्ध में वह उनका बड़े पैमाने पर इस्तेमाल कर रहा है। हालांकि रूस और ईरान ने ऐसी खबरों का खंडन किया है, लेकिन अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने दोहराया है कि रूस ने ईरानी ड्रोन बीते अगस्त में हासिल किए।

रक्षा विशेषज्ञों का कहना है कि ड्रोन टेक्नोलॉजी का गुजरे दशकों के दौरान तेजी से विकास हुआ है। ड्रोन का सबसे पहले इस्तेमाल इस्राइल ने 1973 में अरब देशों के साथ अपने युद्ध के दौरान जासूसी के लिए किया था। ऐसे ड्रोन बनाने में महारत इस्राइली इंजीनियरों ने अमेरिका जाकर हासिल की थी। उसके बाद ड्रोन्स का बड़ी संख्या में इस्तेमाल अमेरिका ने अफगानिस्तान और इराक युद्धों में किया।

इस सिलसिले में ईरान ने 2011 में पहली बार ध्यान खींचा, जब उसने अमेरिका के एक आरक्यू-170 ड्रोन को मार गिराया। 2018 में आरक्यू-170 से मिलते-जुलते ईरान के एक ड्रोन को इस्राइल ने सीरिया के ऊपर मार गिराया था। मगर तब तक किसी को अंदाजा नहीं था कि ईरान वैसे उन्नत ड्रोन बना लेगा, जिनकी मार हाल में यूक्रेन में देखने को मिली है। समझा जाता है कि रूस ने ईरान के शाहेद सीरिज के ड्रोन हासिल किए हैं। ये ड्रोन छोटी मिसाइलों को ले जाने में भी सक्षम हैं। उधर अमेरिका ने भी यूक्रेन को मारक ड्रोन उपलब्ध कराए हैं।

मगर आम चर्चा सबसे ज्यादा इसी सवाल पर है कि ईरान ने ऐसे उन्नत ड्रोन बनाने में सफलता कैसे पा ली? कुछ विशेषज्ञों ने इसके आधार पर अनुमान लगाया है कि दूसरे अस्त्र निर्माण में भी ईरान के पास उससे अधिक क्षमता हो सकती है, जितना अब तक माना जा रहा है।

रक्षा विशेषज्ञों के मुताबिक ईरानी ड्रोंस से यूक्रेन को कितनी क्षति होगी, यह तीन बातों पर निर्भर करेगा। इनमें एक यह है कि आखिर ईरान कब तक रूस को ड्रोन सप्लाई करने में सक्षम बना रहता है। ईरान के इस्राइल और सऊदी अरब से खराब संबंध हैं। इसे देखते हुए वह अपने लिए पर्याप्त ड्रोन रखने के बाद ही रूस को इनकी आपूर्ति करेगा। दूसरा सवाल यह है कि रूस ईरानी ड्रोंस से हमला करने में अपनी क्षमता किस हद तक बनाए रखेगा। तीसरा पहलू यह है कि यूक्रेन किस हद तक ड्रोंस को मार गिराने की अपनी क्षमता विकसित कर पाता है।

आज है सत्ताधारी डेमोक्रेटिक पार्टी के दुःस्वप्न के साकार होने की रात!

वाशिंगटन , 08 नवम्बर 2022। अमेरिका में सत्ताधारी डेमोक्रेटिक पार्टी के लिए मंगलवार की रात को (भारतीय समय के अनुसार बुधवार दोपहर तक) उसके बुरे सपने सच हो कर सामने आ सकते हैं। मंगलवार को (भारतीय समय के अनुसार मंगलवार रात) अमेरिका में मिड टर्म चुनावों के लिए मतदान होगा। भारतीय समय के अनुसार बुधवार सुबह साढ़े पांच बजे के बाद मतगणना होगी और दोपहर तक नतीजे सामने आएंगे। आम अनुमान है कि राष्ट्रपति जो बाइडन की पार्टी को इन नतीजों से झटका लगेगा।

सोमवार को तमाम मीडिया संस्थानों का अनुमान रहा कि चुनाव प्रचार के आखिरी दिनों में माहौल रिपब्लिकन पार्टी के पक्ष में झुकता चला गया। इससे उत्साहित पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि वे 15 नवंबर को एक बड़ी सूचना देश को देंगे। समझा जाता है कि उस दिन वे 2024 के राष्ट्रपति चुनाव के लिए अपनी उम्मीदवारी का एलान करेंगे। सोमवार को मीडिया रिपोर्टों में बताया गया कि चुनाव प्रचार के आखिरी हफ्ते में रिपब्लिकन पार्टी के अंदर खास कर ट्रंप समर्थकों की स्थिति अपेक्षाकृत ज्यादा मजबूत हुई है।

टीवी चैनल सीएनएन ने अपनी एक रिपोर्ट में कहा कि 40 साल की सबसे ज्यादा महंगाई ने डेमोक्रेटिक पार्टी के खिलाफ माहौल बना दिया। इस कारण ये अनुमान मजबूत हुआ कि कांग्रेस (संसद) के निचले सदन हाउस ऑफ रिप्रजेंटेटिव में ये पार्टी अपना बहुमत गंवा देगी। संभव है कि ऊपरी सदन सीनेट में भी रिपब्लिकन पार्टी का बहुमत बन जाए। सीएनएन वेबसाइट पर एक विश्लेषण में कहा गया है- 'अगर डेमोक्रेटिक पार्टी की बुरी हार हुई, तो सबसे ज्यादा अंगुलियां बाइडन पर उठेंगी। पार्टी के अंदर कहा जाएगा कि बाइडन लोगों को उचित संदेश देने में नाकाम रहे।'

रिपब्लिकन पार्टी के नेताओं ने कहा है कि उन्होंने उन मुद्दों की बात की है, जिनसे मतदाता चिंतित हैं। यह दावा करते हुए पार्टी की नेशनल कमेटी के अध्यक्ष रोना मैक्डैनियल ने सीएनएन के एक कार्यक्रम में कहा- 'डेमोक्रेटिक पार्टी महंगाई से इनकार करती रही, वह बढ़े अपराध से इनकार करती रही, उसे शिक्षा की चिंता नहीं है।' इसी कार्यक्रम में डेमोक्रेटिक पार्टी की सलाहकार हिलेरी रॉसेन ने स्वीकार किया कि सत्ताधारी दल मतदाताओं के मूड को भांपने में नाकाम रहा।

डेमोक्रेटिक पार्टी की तरफ से दो बार राष्ट्रपति पद की उम्मीदवारी पर दावा जता चुके सीनेटर बर्नी सैंडर्स हाल के हफ्तों में बार-बार राष्ट्रपति से अपील करते रहे कि वे महंगाई के मुद्दे पर ठोस कदम उठाएं। लेकिन विशेषज्ञों का कहना है कि बाइडन की रणनीति लोकतंत्र के लिए रिपब्लिकन पार्टी की तरफ से आ रहे कथित खतरे को मुद्दा बनाने पर टिकी रही, जबकि मतदाता उनके ऐसे बयानों से प्रभावित नहीं हुए।

इस बात की पुष्टि विभिन्न जनमत सर्वेक्षणों से हुई है। औसतन 53 फीसदी मतदातओं ने महंगाई को अपने लिए सर्व प्रमुख मुद्दा माना है और राय जताई है कि बाइडन प्रशासन अर्थव्यवस्था को संभालने में नाकाम रहा है। सीएनएन की चर्चा में कुछ विशेषज्ञों ने कहा कि बाइडन प्रशासन का आर्थिक प्रबंधन वास्तव में उतना बुरा नहीं है, लेकिन मतदाता खुद पर बड़े आर्थिक बोझ से परेशान हैं। उनके पास राष्ट्रपति के तर्कों को सुनने का वक्त नहीं है। यही बात संभवतः चुनाव परिणामों में झलकेगी।

पाकिस्तान में पेट्रोल और डीजल का संकट

इस्लामाबाद ,08 नवंबर 2022। पकिस्ताम में आने वाले दिनों में पेट्रोल और हाई-स्पीड डीजल की कमी हो सकती है, इससे आसन्न ईंधन संकट को टालने के लिए विशेष उपायों का आह्वान किया जा रहा है। यह बयान पाकिस्तान की ऑयल कंपनीज एडवाइजरी काउंसिल (ओसीएसी) ने दिया है। तेल क्षेत्र की प्रतिनिधि संस्था ओसीएसी ने कहा, बिक्री की मौजूदा प्रवृत्ति को ध्यान में रखते हुए, हम आने वाले दिनों में अपर्याप्त आयात और सीमित स्थानीय लाभ के कारण देश के विभिन्न हिस्सों में उत्पाद (पेट्रोल, डीजल) की उपलब्धता की चुनौतियों का अनुमान लगाते हैं।

पहले व्यापक विचार-विमर्श के बाद 210,000 मीट्रिक टन हाई-स्पीड डीजल और 147,000 मीट्रिक टन पेट्रोल की कमी पर काम किया गया था।

हालांकि यह चिंताजनक है कि प्रत्याशित बिक्री मात्रा और स्टॉक कवर के अनुरूप पेट्रोल आयात का अभी तक इंतजाम नहीं किया गया है।

क्या मतलब है म्यांमार में सैनिक शासन के खिलाफ 'वसंत क्रांति' के आह्वान का?

यंगून , 08 नवम्बर 2022। खबर है कि म्यांमार में सैनिक शासन के खिलाफ हथियारबंद लड़ाई लड़ रहे गुटों ने अब निर्णायक जंग छेड़ने की योजना बनाई है। देश में विपक्षी समूहों ने नेशनल यूनिटी गवर्नमेंट (एनयूजी) नाम से वैकल्पिक सरकार बनाई हुई है। एनयूजी ने अक्तूबर के मध्य में एक बयान जारी किया, जिसमें 'वसंत क्रांति' के लिए निर्णायक युद्ध छेड़ने का आह्वान किया गया था। उस बारे में अब सामने आई जानकारी से संकेत मिला है कि एनयूजी का इरादा अगले वसंत तक- यानी अगले वर्ष बरसात शुरू होने से पहले ही सैनिक शासन को उखाड़ फेंकने का है।

म्यांमार में एक फरवरी 2021 को सेना ने निर्वाचित सरकार का तख्ता पलट दिया था। तब से उसके खिलाफ कई गुट लगातार संघर्ष कर रहे हैं। कुछ इलाकों में नस्लीय बागी गुट गुरिल्ला वॉर चला रहे हैं। इनमें करेन नेशनल लिबरेशन आर्मी (केएनएलए) और पीपुल्स डिफेंस फोर्सेज (पीडीएफ) प्रमुख हैं। पीडीएफ का गठन कई गुटों ने मिल कर किया है। पीडीएफ मुख्य रूप से थाइलैंड से लगे म्यांमार के सीमाई इलाकों में संघर्ष कर रहा है। एनयूजी में मोटे तौर पर विपक्षी दल शामिल हैं।

एक विदेशी खुफिया विश्लेषक ने वेबसाइट एशिया टाइम्स से कहा है- 'एनयूजी के बयान से जाहिर हुआ कि वह जल्दी में है। एनयूजी नेतृत्व को लगता है कि सैन्य शासन को उखाड़ फेंकने का काम जल्द यानी साल भर के अंदर पूरा कर लिया जाना चाहिए।' विश्लेषकों के मुताबिक साल भर के अंदर सरकार बदलने की मंशा के पीछे कई कारण हैं। इनमें सबसे प्रमुख सैनिक शासन का अगले अगस्त में 'बहुदलीय' चुनाव कराने का इरादा है। एनयूजी को आशंका है कि वे चुनाव चाहे जितने दोषपूर्ण रहें, लेकिन उससे सैनिक शासन को एक तरह की वैधता मिल जाएगी।

ये आम राय है कि सैनिक शासन दिखावटी चुनाव का आयोजन कर अपने राज को अंतरराष्ट्रीय मान्यता दिलवाने की कोशिश करेगा। इससे सैनिक शासन के दो खास सहयोगियों चीन और रूस के लिए भी म्यांमार से संबंध रखना आसान हो जाएगा। आसियान के कई देश भी उस स्थिति में म्यांमार के मौजूदा बहिष्कार को खत्म करने की वकालत कर सकते हैं।

गृहमंत्री बोले- केन्या में पत्रकार अरशद शरीफ की हुई थी 'हत्या', गलत पहचान का नहीं था मामला

इस्लामाबाद, 08 नवम्बर 2022। पाकिस्तान के आंतरिक (गृह) मंत्री राणा सनाउल्लाह ने मंगलवार को कहा कि शुरुआती जांच में पता चला है कि पत्रकार अरशद शरीफ की केन्या में हत्या की गई थी। सनाउल्लाह ने कहा कि यह गलत पहचान का मामला नहीं था, जैसाकि स्थानीय पुलिस ने कहा था।

एआरवाई टीवी के पूर्व एंकर शरीफ (49 वर्षीय) पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के प्रमुख इमरान के नजदीकियों के लिए जाने जाते थे। इस साल के शुरुआत में एजेंसियों ने उनके खिलाफ देशद्रोह और राज्य विरोधी नैरेटिव को आगे बढ़ाने के आरोप में मामले दर्ज किए थे। इसके बाद वह देश से छोड़कर भाग गए थे। वह पहले दुबई पहुंचे, फिर लंदन और फिर केन्या।

पिछले महीने 23 अक्तूबर को केन्या की राजधानी नैरोबी से मात्र एक घंटे की दूरी पर एक पुलिस चौकी के सामने उनपर गोलियां चलाई गई थीं। जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई थी। इस घटना से देश में कोहराम मच गया। केन्याई पुलिस ने बाद में कहा था कि एक बच्चे के अपहरण के मामले में वह इसी तरह की कार की तलाशी ले रही थी और गलत पहचान के कारण उनपर गोलियां चलाई गईं।

सनाउल्लाह ने कहा, पाकिस्तान की ओर से नैरोबी भेजा गया दो सदस्यीय दल वापस आया और उसने अपनी शुरूआती जांच के बारे में जानकारी दी। हत्या की जांच के लिए गठित टीम में संघीय जांच एजेंसी (एफआईए) के निदेश अतहर वाहिद और आईबी के उमर शाहिद हामिद शामिल थे।

उन्होंने घटना के बारे में केन्याई पुलिस के दावे को खारिज किया और कहा कि ÷प्रथम दृष्टया अरशद शरीफ की हत्या की गई थी। यह एक लक्षित हत्या थी और गलत पहचान का मामला नहीं था।÷ उन्होंने कहा कि ÷अगर यह एक हत्या है, जो प्रथम दृष्ट्या लगता है, तो केन्या में दो भाई वकार अहमद और खुर्रम अहमद इससे बाहर नहीं जा सकते हैं।÷ केन्या में रहने वाले इन दोनों भाइयों ने शरीफ की मेजबानी की थी।

चीन पर अमेरिकी प्रतिबंध की कीमत चुकानी होगी जापान-नीदरलैंड की कंपनियों को भी

टोक्यो, 08 नवम्बर 2022। चीन पर चिप और सेमीकंडक्टर के क्षेत्र में लगे अमेरिकी प्रतिबंधों की कीमत अब जापानी कंपनियों को चुकानी पड़ सकती है। जापानी कंपनियां इस प्रतिबंध में शामिल होने के लिए उत्सुक नहीं हैं। इन कंपनियों का चीन के साथ लाभदायक कारोबार है। लेकिन अब खबर है कि अमेरिका इस मामले में जापान सरकार पर दबाव बनाने वाला है। वह ऐसा ही दबाव नीदरलैंड पर भी डालने की तैयारी में है।

फिलहाल, जापान का आर्थिक एवं उद्योग मंत्रालय जापानी कंपनियों के साथ बातचीत कर रहा है। इस दौरान अमेरिकी प्रतिबंधों का जापान के चिप और सेमीकंडक्टर उद्योग पर संभावित असर का आकलन किया जा रहा है। साथ ही जापान सरकार और यहां की कंपनियां इस बारे में भी विचार-विमर्श कर रही हैं कि मौजूदा माहौल में उनके पास क्या विकल्प हैं।

जापान में चिंता अमेरिका की वाणिज्य मंत्री गिना रैयमोन्डो का बयान आने के बाद से बढ़ी है। रायमोन्डो ने एक टीवी चैनल को दिए इंटरव्यू में कहा- 'मेरी समझ में यह आप देखेंगे कि जापान और नीदलैंड्स हमारी बात मानेंगे।' रायमोन्डो ने इस बारे में ज्यादा ब्योरा नहीं दिया। लेकिन इससे यह संकेत जरूर मिला कि चीन पर प्रतिबंध लगाने की मुहिम में अमेरिका किन दो देशों को शामिल करने को अब प्राथमिकता दे रहा है।

रायमोन्डो के बयान के बारे में पूछे जाने पर जापान के आर्थिक एवं उद्योग मंत्रालय के एक अधिकारी ने कहा- 'हम अमेरिका के साथ रोजाना के स्तर पर विचारों का आदान-प्रदान करते रहते हैं।' क्या अमेरिका ने इस बारे मे जापान से संपर्क किया है, इस सवाल पर अधिकारी ने कहा- 'यह विचारों के कूटनीतिक आदान-प्रदान का विषय है, इसलिए मैं इस पर

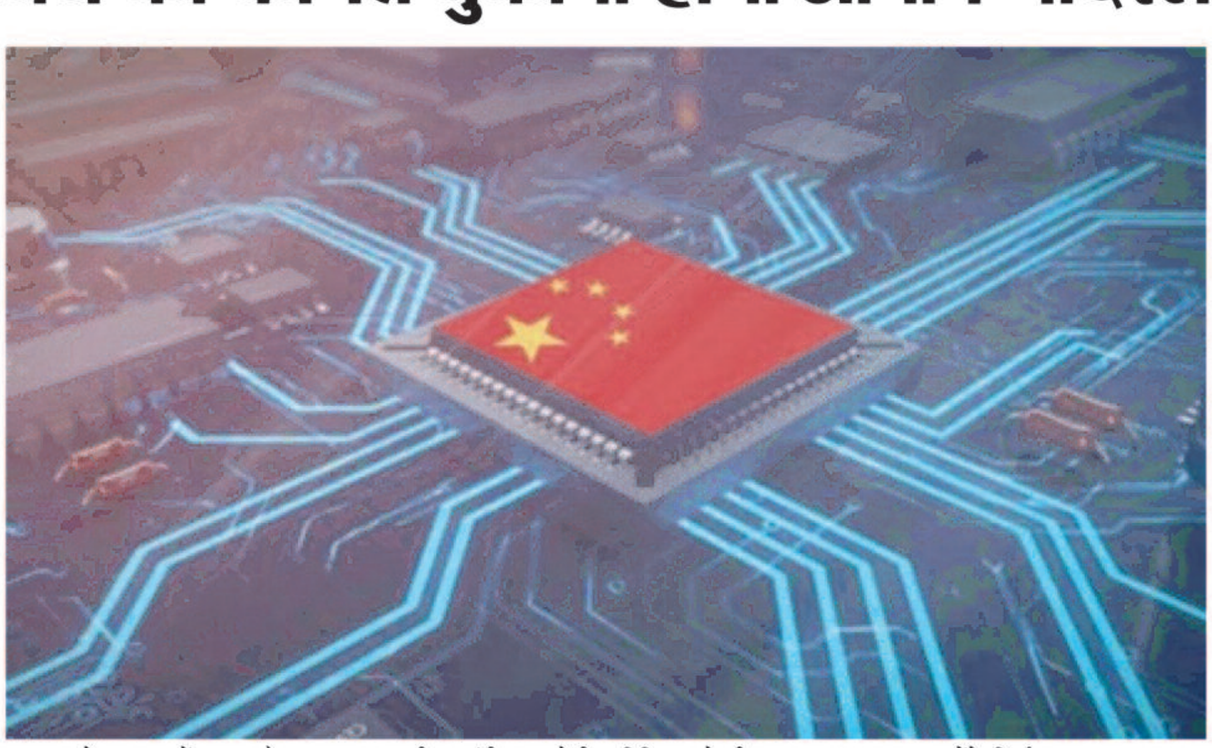

उचित कदम उठाएंगे।

अमेरिका के जो बाइडन प्रशासन ने अक्तूबर के पहले हफ्ते में चीन के साथ उन्नत सेमीकंडक्टर टेक्नोलॉजी के मामले में किसी प्रकार के सहयोग पर प्रतिबंध लगा दिया था। इसके तहत चीन को ऐसे किसी सेमीकंडक्टर या चिप के निर्यात पर रोक लगा दी गई है, जिसमें अमेरिकी तकनीक का इस्तेमाल हुआ हो।

चिप में इस्तेमाल होने वाले सॉफ्टवेयर के निर्माण में अमेरिकी कंपनियों का वर्चस्व है। साथ ही चिप डिजाइन में भी वे सबसे आगे हैं। दक्षिण कोरिया और ताइवान की की कंपनियां ऐसे सेमीकंडक्टर बनाती हैं, जिनमें अमेरिकी टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल होता है। ये कंपनियां अब प्रतिबंध के दायरे में आ गई हैं।

विश्लेषकों के मुताबिक अब अमेरिका की निगाह जापान और नीदरलैंड्स की कंपनियों पर टिकी

कंपनियों की महारत ऐसे सेमीकंडक्टर का उत्पादन है, जो अमेरिकी प्रतिबंध से बाहर रहे हैं। दोनों देशों में ऐसी कंपनियां हैं, जो अमेरिकी टेक्नोलॉजी पर निर्भर नहीं हैं। इन कंपनियों का दुनिया के चिप बाजार में बड़ा दखल है। समझा जाता है कि अगर ये कंपनियां प्रतिबंध में शामिल नहीं हुईं, तो चीन को उन्नत तकनीक से वंचित करने की अमेरिकी योजना नाकाम हो जाएगी। अमेरिका के सेमीकंडक्टर इंडस्ट्री एसोसिएशन के उपाध्यक्ष जिमी गुडरिच ने बीते शुक्रवार को वाशिंगटन इंटरनेशनल ट्रेड एसोसिएशन की एक बैठक में कहा था- 'यह सचमुच बड़ी निराशा की बात है कि सहयोगी देशों की कंपनियां प्रतिबंध में हमारे साथ नहीं आई हैं।' समझा जाता है कि अमेरिका में बनी ऐसी धारणा के बाद ही बाइडेन प्रशासन ने जापान और नीदरलैंड्स की कंपनियों पर अपना

थर्ड जेंडर जागरूकता संवेदीकरण पर जिला पुलिस कार्यालय में हुआ कार्यशाला का आयोजन

तृतीय लिंग के अधिकार एवं संरक्षण के संबंध में दी गई जानकारी

- संवाददाता -
सूरजपुर , 08 नवम्बर 2022 (घटती-घटना)।

मंगलवार को जिला पुलिस कार्यालय के सभाकक्ष में तृतीय लिंग व्यक्ति के अधिकारों व संरक्षण विषय पर एक दिवसीय जिला स्तरीय थर्ड जेंडर जागरूकता संवेदीकरण कार्यशाला का आयोजन किया गया। पुलिस अधीक्षक रामकृष्ण साहू ने जिला स्तरीय जागरूकता कार्यशाला में तृतीय लिंग कल्याण बोर्ड अंतर्गत विशेषज्ञ सदस्यों की उपस्थिति में समाज में उभयलिंगी व्यक्ति के अधिकारों का संरक्षण अधिनियम 2019 तथा नियम 2020 पर विस्तृत जानकारी दिया। समाज में उभय लिंगी व्यक्ति के प्रति आदर व समानता का दृष्टिकोण लाने जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में यह भी बताया गया की समाज एवं धर्म ग्रंथों में भी समुदाय की पर्याप्त एवं बराबर सहभागिता का वर्णन है, सभी के लिए समान सम्मान, विधिक अधिकार, न्याय एवं सुविधा प्रदाय की गई है। इसमें थर्ड जेंडर व्यक्ति भी शामिल है। उन्हें भी आम लोगों के समान समझते हुए सम्मान मिले।

तृतीय लिंग कल्याण बोर्ड के सदस्य रवीना बरिहा ने कार्यशाला में थर्ड जेंडर की पृष्ठभूमि व थर्ड जेंडर द्वारा अपने अधिकारों के प्रति आई सीमित जागरूकता के कारण थर्ड जेंडर पर सुप्रीम कोर्ट के द्वारा नालसा जजमेंट -2014 के तहत विभिन्न सामाजिक कल्याण योजनाओं की दिशा में आवश्यक जानकारी से अवगत कराया। तृतीय लिंग कल्याण बोर्ड के विशेषज्ञ सदस्या विद्या राजपूत ने कार्यशाला में थर्ड जेंडर व्यक्ति की स्थिति के बारे में बताया। साथ ही सुप्रीम कोर्ट के आदेशानुसार थर्ड जेंडर व्यक्तियों के अधिकारों का संरक्षण अधिनियम बनाया गया है, जिसमें पृथक-पृथक अधिनियम व धारा लागू कर दंड का भी प्रावधान किया है। कार्यशाला में सामाजिक कार्यकर्ता पॉपी देवनाथ ने भी तृतीय लिंग को समाज में होने वाले परेशानियों के बारे में अवगत कराया।

पुलिस अधीक्षक रामकृष्ण साहू ने कहा कि शासन व पुलिस मुख्यालय के द्वारा तृतीय लिंग के प्रति समानता दिखाते हुए पुलिस विभाग में आरक्षक के पद पर तृतीय लिंग व्यक्तियों को नियुक्ति देकर आदर्श स्थापित किया है। आज समाज में तृतीय लिंग के प्रति अवधारणा बेहतर स्थिति में नहीं है, इनके समानता के लिए कार्य करने की जरूरत है। जैसे हम घर के सदस्यों में भेदभाव नहीं करते उसी प्रकार समाज में भी तृतीय लिंग से भेदभाव नहीं होनी चाहिए। हम सभी को उनके कल्याण एवं अधिकारों के प्रति सजग एवं संवेदनशील रहकर कार्य करना होगा। जिस दिन समाज में सभी स्थानों अथवा धार्मिक स्थलों या प्रत्येक जगहों पर महिला-पुरुष लिंग की तरह ही तृतीय लिंग को भी समान स्तर की सोच या नजरिया प्राप्त हो जाएगी, उस दिन एक बेहतर समाज का निर्माण करने में हम सफल होंगे।

कार्यशाला में तृतीय लिंग कल्याण बोर्ड के सदस्य विद्या राजपूत, रवीना बरिहा एवं सामाजिक कार्यकर्ता पॉपी देवनाथ को पुलिस अधीक्षक ने स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। इस दौरान सीएसपी जे.पी.भारतेन्दु, डीएसपी मुख्यालय नंदिनी ठाकुर, एसडीओपी सूरजपुर प्रकाश सोनी, एसडीओपी ओड़गी राजेश जोशी, एसडीओपी प्रतापपुर अमोलक सिंह, प्रशिक्षु डीएसपी दीपमाला कुर्रे, समस्त थाना-चैकी प्रभारी, जिला पुलिस कार्यालय के अधिकारीगण, सखी वन स्टाप सेंटर, महिला बाल विकास विभाग, नवा बिहान, सीडब्ल्यूसी एवं समाज कल्याण विभाग के अधिकारीगण मौजूद रहे।

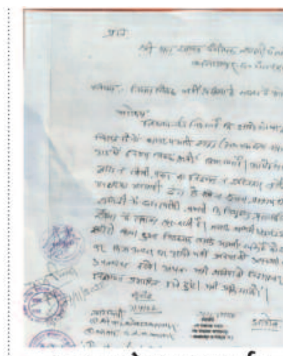

रन हत के धान उपार्जन केंद्र में नियम विरुद्ध धान प्रभारी के नियुक्ति के खिलाफ सौंपा ज्ञापन

प्रतापपुर, 08 नवम्बर 2022 (घटती-घटना)। बलरामपुर जिला ब्लाक राजपुर अंतर्गत ग्राम रन हत के धान उपार्जन केंद्र में नियम विरुद्ध धान प्रभारी के नियुक्ति के खिलाफ ग्राम रन हत , चमनपुर, भैरोपुर के सरपँच सचिव ने मोर्चा खोल दिया है इनके द्वारा यह आरोप लगाया गया है कि रन हत धान उपार्जन केंद्र में न कोई विज्ञापन न इस्तेहार और बिना किसी सूचना के मनमाने ढंग से धान प्रभारी की भर्ती की गई है। जो प्रशासन पर कई सवाल खड़े कर रहा है। जिसे तत्काल निरस्त कर फिर से भर्ती प्रक्रिया प्रारम्भ की जाये। जिसे लेकर ग्राम के ग्रामीणों ने कलेक्टर बलरामपुर, खाद्य विभाग बलरामपुर और सहायक पंजीयन सहकारी समिति बलरामपुर को ज्ञापन सौंपा।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने भाजपाइयों का उत्साह देख कहां छत्तीसगढ़ में फिर खिलेगा कमल-अरुण साव

- संवाददाता -
रामानुजगंज 08नवम्बर 2022 (घटती घटना)

जिला मुख्यालय बलरामपुर में भाजपा के नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव के प्रथम आगमन पर पूर्व गृहमंत्री रामविचार नेताम,रामसेवक पैकरा,सिद्धनाथ पैकरा भाजपा जिला अध्यक्ष ओम प्रकाश जयसवाल महामंत्री जयप्रकाश गुप्ता मंडल अध्यक्ष श्रीमती शर्मिला गुप्ता अनूप तिवारी कन्हैया लाल अग्रवाल आर के पटेल सुनील तिवारी सहित जिलेभर से भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं के द्वारा फूल मालाओं के साथ जोरदार स्वागत किया गया। तत्पश्चात ऑडिटोरियम भवन में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अरुण साव ने कहां की आगामी विधानसभा चुनाव में भाजपा कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों के सहयोग से छत्तीसगढ़ में भाजपा सरकार बनाना है। उन्होंने कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहां की आप लोगों की उपस्थिति देखकर इस बात से अंदाजा लगाया जा सकता है कि कमल खिलेगा और भाजपा सरकार भी बनेगी। उन्होंने जिले के दिवंगत भाजपा नेताओं को भी याद किया। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ की भूपेश बघेल सरकार किसान,गरीब और विकास विरोधी सरकार है। बलरामपुर जिले में विकास का कोई भी नया कार्य नहीं दिख रहा है जो भी कार्य हो रहे हैं वह पूर्ववर्ती सरकार कि देन हैं। छत्तीसगढ़ में कांग्रेस की सरकार ने सिर्फ लूटने का कार्य हुआ है। छत्तीसगढ़ में सड़कों की दुर्दशा किसी से छिपी नहीं है।

पूर्व गृहमंत्री रामविचार नेताम ने कहा कि जब से छत्तीसगढ़ में कांग्रेस की सरकार बनी है तब से लेकर आज तक सारे डेवलपमेंट के कार्य बंद पड़े हुए हैं जिसके कारण प्रदेश की जनता को कई आर्थिक संकटों का सामना करना पड़ रहा है। छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा ऐसी योजनाओं में पैसा लगाया जा रहा है जहां से कुछ मिलना जुलना नहीं और पूरे छत्तीसगढ़ को कर्जदार बनाया जा रहा है। छत्तीसगढ़ की परेशान जनता ने परिवर्तन का मन बना लिया है आगामी 2023 कि विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी का परचम लहराना तय है। इधर कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों के द्वारा भारत माता एवं श्यामा प्रसाद मुखर्जी एवंम दीनदयाल उपाध्याय के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित कर किया गया। वहीं कार्यक्रम का सफल संचालन जिला महामंत्री जयप्रकाश गुप्ता के द्वारा किया गया।

बिहान ने लाया सीमा के जीवन मे नया सबेरा

स्वरोजगार से मिली पहचान व आर्थिक मजबूती

- संवाददाता -
लखनपुर , 08 नवम्बर 2022 (घटती-घटना)।

लखनपुर 10 वी तक पढ़ी श्रीमती सीमा सिंह कोर्राम का जीवन चूल्हा-चौका और घरेलू काम तक सीमित होने के कारण घर की आर्थिक स्थिति को मजबूत करने में योगदान नहीं दे पा रही थी। घर की आर्थिक स्थिति को मजबूती देने के ठोस इरादे लिए सीमा ने राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन बिहान की महिला स्व सहायता समूह से जुड़ी व समूह से 50 हजार रुपये ऋण लेकर मनिहारी व किराना व्यवसाय शुरू किया। इस व्यवसाय ने सीमा की जिंदगी में नया सबेरा लेकर आया। अब सीमा एक गृहणी के साथ व्यवसायी भी है और घर की आर्थिक स्थित भी बेहतर हो गई है।

लखनपुर विकासखण्ड के ग्राम गोरता निवासी श्रीमती सीमा सिंह कोर्राम बताती हैं कि उनके पति रामकुमार अस्थाई ड्राइवर है जिनकी कमाई से परिवार का जीवन यापन ठीक से नहीं चल पा रहा था। पढ़ी-लिखी होने के बावजूद घर की माली हालत सुधारने में सहयोग नही कर पा रही थी और दयनीय हालत में जीवन बिताने विवश थी। एक दिन गांव में सीआरपी दीदियों ने बिहान समूह से जुड़ने व बचत के फायदे बताए। उसी दिन से गाँव की 10 महिलाओं ने समूह से जुड़ने तैयार हुए 20-20 रुपया जमा करना शुरू किया। समूह का नाम ओम महिला समूह रखा। उन्होंने बताया कि मनिहारी व किराना व्यवसाय से 10 से 15 हजार रुपये मासिक आमदनी प्राप्त हो रही है।

छत्तसीगढ़ राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन अंतर्गत ग्रामीण महिलाओं को एक स्व सहायता समूह के रूप में गठित कर उन्हें स्वरोजगार से जोड़ी जाने वाली महत्वाकांक्षी योजना है बिहान। बिहान की महिलाएं स्व सहायता समूह से जुड़कर सफलता के झंडे बुलंद कर रही हैं।

मेरी छवि को धूमिल करने का प्रयास, बयान को तोड़ मरोड़ कर किया गया पेश - राजस्व मंत्री जयसिंह अग्रवाल

- संवाददाता -
कोरबा 08 नवम्बर 2022 (घटती घटना)

कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी पीएल पुनिया की सर्वे को नही मानने के बयान का खंडन करते हुए राजस्व मंत्री जयसिंह अग्रवाल ने कहा है कि इस तरह की कोई रिपोर्ट तैयार हुई है, इसकी जानकारी मुझे नही है। ऐसे में रिपोर्ट को मानने या नही मानने का कोई सवाल ही नहीं उठता। मैंने यही कहा था पर इसे तोड़- मरोड़ कर प्रस्तुत किया जा रहा है।मंत्री जयसिंह अग्रवाल ने यह भी कहा है कि पुनिया उनके सर्वमान्य नेता है। उनके मार्गदर्शन में प्रदेश में कांग्रेस की सरकार बनी है। मैं उनका बहुत सम्मान करता हूं। उनकी प्रतिष्ठा के विरुद्ध कोई बात करने का कोई सवाल ही नहीं उठता। यहां बताना होगा कि राजस्व मंत्री के बयान को लेकर कई तरह की राजनीतिक अटकलें लगाई जा रही थी। माना जा रहा है कि उनके इस बयान के बाद इस मामले में विराम लगे।

माँ हसदेव की महाआरती में उमड़ा आस्था का सैलाब,5100 दीपों से जगमगाया घाट

- संवाददाता -
कोरबा 08 नवम्बर 2022 (घटती घटना)

मां सर्वमंगला की नगरी में सोमवार को देव दीपावली के अवसर पर हसदेव नदी के तट पर आस्था का सैलाब उमड़ पड़ा। कोरबा की जीवनदायिनी और पूजनीय हसदेव नदी की महाआरती में हजारों की संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए।हजारों दीये से जगमगाते घाट पर भक्ति गीतों, भव्य आतिशबाजी,अयोध्या की तर्ज पर आकर्षक लेजर लाइटिंग, वैदिक मंत्रोच्चार के मध्य महाआरती आस्थापूर्ण आकर्षण का केंद्र रहढ्ढ। हिन्दू क्रांति सेना द्वारा गंगा आरती की तर्ज पर आयोजित हसदेव महाआरती देखने के लिए घाट पर लोग शाम 5 बजे से ही उमड़ने लगे थे। यहां घाट पर माँ हसदेव् की मूर्ति स्थापित की गई। मूर्ति के आसपास व महाआरती स्थल पर 5100 दीये लोगों ने जलाए व हसदेव नदी में दीपदान की परंपरा का भी निर्वहन किया।अंचल के गायक कलाकार बसंत वैष्णव और साथियों ने भगवान गणेश की वंदना से कार्यक्रम का शुभारंभ किया। छत्तीसगढ़ की नदियों पर आधारित देवी जसगीत, भगवान राम, पर आधारित गीतों की प्रस्तुति से उपस्थित जनसमूह भक्ति रस में गोते लगाता रहा। श्री राम, माँ गंगा,हसदेव और माँ सर्वमंगला के जयकारे से स्थल गूंजता रहा।निर्धारित समय पर महाआरती का विधान वैदिक मंत्रोच्चार के साथ शुरू हुआ तो लोग मंत्रमुग्ध हो उठे। 21 लीटर दूध से हसदेव नदी का रुद्राभिषेक किया गया। बैंड-बाजे के साथ माँ हसदेव का 51 मीटर लंबी चुनरी से श्रृंगार किया गया।इसके पश्चात वैदिक मंत्रोच्चार और श्री गंगा व महादेव की आरती गायन,दिव्य शंखनाद के मध्य माँ हसदेव की महाआरती 9 पंडितों के द्वारा की गई,शांति पाठ किया गया। इस पूरे समय आयोजन स्थल से दर्जनों आकाशदीप छोड़े गए। हिन्दू क्रांति सेना के जिलाध्यक्ष राहुल चौधरी के नेतृत्व व कार्यकर्ताओं के अथक सहयोग से सर्वमंगला घाट पर आयोजित कार्यक्रम का मंच संचालन सत्या जायसवाल (सत्यप्रकाश) ने किया। महाआरती की पूरी व्यवस्था पंडित भरत तिवारी की देखरेख में की गई थी जिसमें 9 पंडितों ने महाआरती की।आयोजन में हिन्दू क्रांति सेना के पदाधिकारियों,सदस्यों सहित हिन्दू संगठनों से जुड़े लोगों ने सहभागिता दी। हिन्दू क्रांति सेना के जिलाध्यक्ष ने इस आयोजन में प्रत्यक्ष -अप्रत्यक्ष तौर पर सहयोग देने वाले सभी लोगों के साथ पुलिस व प्रशासन का भी उन्होंने आभार जताया है।

एनटीपीसी कोरबा में हर्षोल्लास से मनाया गया 48वां एनटीपीसी स्थापना दिवस

- संवाददाता -
कोरबा 08 नवम्बर 2022 (घटती घटना)

भारत की सबसे बड़ी एकीकृत ऊर्जा कंपनी, एनटीपीसी लिमिटेड ने अपने स्वर्णिम 47 वर्ष पूरे कर 48 वे वर्ष में प्रवेश किया। सोमवार दिनांक 07 नवंबर 2022 को एनटीपीसी कोरबा इकाई ने 48वां एनटीपीसी स्थापना दिवस हर्षोल्लास से मनाया। सन 1975 में अपने स्थापना काल से राष्ट्र की प्रगति में लगातार क्रियाशील एनटीपीसी लिमिटेड नित नई ऊंचाइयों को हासिल कर रहढ्ढ है। एनटीपीसी कोरबा के परियोजना प्रमुख श्री पी एम जेना ने ध्वजारोहण कर स्थापना दिवस कार्यक्रम की शुरुआत की। उन्होंने अपने संबोधन में कहा की 1975 में शून्य से शुरू हो कर एनटीपीसी 70254 मेगा वाट की क्षमता पर पहुँच चुकी है। थर्मल के साथ साथ आज हम गैस, सोलर, हाइड्रो, विंड सभी माध्यमों से बिजली उत्पादन कर देश को रोशन कर विकास में अपना योगदान दे रहे है। रीन्यूऐबल एवं सौर ऊर्जा के क्षेत्र में हम तेज़ी से काम कर रहे हैं ढ्ढएनटीपीसी लिमिटेड की कोरबा परियोजना ने भी 07 नवंबर को अपनी स्थापना के 40 वर्ष पूरे किए। स्वर्णिम 40 वर्ष पूरे कर एनटीपीसी कोरबा ने विद्युत उत्पादन के कई कीर्तिमान रचे हैं। कोरबा परियोजना का सितंबर का प्लांट लोड फ़ैक्टर 93.57त्न रहा जो की पूरे एनटीपीसी में सर्वश्रेष्ठ था। इसी प्रकार मासिक लोड फ़ैक्टर 96.67त्न रहा। यूनिट 2,3,5,6,7 में तेल की खपत निल रही। वार्षिक लोड फ़ैक्टर 97.5त्न रहा।अक्तूबर माह के अंत तक कोरबा इकाई ने 88.74त्न पीएलएफ़ के साथ 11849.834 मिल्यन यूनिट का उत्पादन किया। इस दौरान उपलब्धता 91.08त्न रही। कई बार 100त्न पीएलएफ़ भी अर्जित हुआ। एनटीपीसी लिमिटेड के 'पीपल बिफोर पीएफ़एल' के सिद्धांत को सफल करते हुए, एनटीपीसी कोरबा समाज कल्याण के लिए निरंतर प्रयासरत है। हाल ही में हुए बालिका सशक्तिकरण अभियान में 120 बालिकाओं को एक महीने का आवासीय प्रशिक्षण दिया गया। ग्रामीण क्षेत्रों में रह रहे नागरिकों के लिए मोबाइल हेल्थ क्लीनिक की सुविधा शुरू की गयी। निर्बाध रूप से विद्युत उत्पादन के साथ साथ, एनटीपीसी कोरबा द्वारा सामाजिक विकास के कार्यों का भी निरंतर संपादन किया जा रहा है। स्थापना दिवस समारोह के अवसर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले कर्मचारियों को पुरस्कृत भी किया गया। प्रशासनिक भवन स्थित मुख्य महाप्रबंधक सम्मेलन कक्ष में श्री गुरदीप सिंह, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, एनटीपीसी लिमिटेड ने विडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सभी एनटीपीसी कर्मियों को स्थापना दिवस की बधाई दी । इस अवसर पर श्री बी. रामचंद्र राव (मुख्य महाप्रबंधक, ओ×एम), श्री एलआर मोहंती (महाप्रबंधक, प्रचालन), श्री मधु एस (महाप्रबंधक, अनुरक्षण), श्री अनूप मिश्रा (महाप्रबंधक, प्रोजेक्ट कंस्ट्रक्शन), श्री अंबर कुमार (महाप्रबंधक, राखड़ प्रबंधन), श्री प्रभात राम (विभागद्यक्ष - मानव संसाधन), श्री लोकेश महेंद्र (मुख्य चिकिस्ता अधिकारी), समस्त विभागाध्यक्ष गण), सीईआईएसएफ कमांडेंट श्री अभिषेक चौधरी, यूनियन असोशिएशन के के पदाधिकारी तथा सदस्यगण एवं बड़ी संख्या में एनटीपीसी कर्मी उपस्थित थे। इसी के साथ साथ, स्थापना दिवस के उपलक्ष में चिकित्सा विभाग द्वारा रक्तदान शिविर का आयोजन भी किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि, एनटीपीसी परियोजना प्रमुख श्री पी एम जेना एवं मैत्री महिला समिति की अध्यक्षा श्रीमती राजश्री जेना ना केवल शिविर का औपचारिक उद्घाटन किया अपितु स्वयं भी रक्तदान कर सभी लोगों को रक्तदान करने के लिए प्रेरित किया। रक्तदान शिविर में 57 से अधिक लोगों ने रक्तदान किया जिसमे एनटीपीसी के मुख्य महाप्रबंधक (प्रचालन एवं अनुरक्षण) श्री बी रामचंद्र राव, श्री मधु स (महाप्रबंधक - अनुरक्षण), श्री अंबर कुमार (महाप्रबंधक - राखड़ प्रबंधन), मैत्री महिला समिति के वरिष्ठ पदाधिकारी गण, सीआईएसएफ कमांडेंट श्री अभिषेक चौधरी, चिकित्सा विभाग के कर्मचारी एवं सीआईएसएफ के अन्य कर्मचारीगण शामिल थे।

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा0) सूरजपुर, जिला-सूरजपुर (छ0ग0)

रा0प्र0क्र0/.../ अ-2/2021-22

ईश्तहार

एतद् द्वारा आम ग्रामीण जन ग्राम -गोपालपुर को सूचित किया जाता है कि आवेदिका श्रीमती राजवन्ती देवी पति छठुलाल साह, जाति-सामान्य निवासी ग्राम-गोपालपुर, तहसील सूरजपुर, जिला-सूरजपुर (छ.ग.) द्वारा उनके स्वत्व एवं अधिपत्य की भूमि ग्राम-गोपालपुर, प.ह.नं.-09, रा.नि.मं.-सूरजपुर, तहसील-सूरजपुर, जिला सरगुजा (छ0ग0) स्थित भूमि खसरा क्रमांक 628/3 रकबा 0.014 हे0 को आवासीय प्रयोजन के लिये भूमि व्यपवर्तन हेतु इस न्यायालय में आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। अतएव उक्त संबंध में ग्राम-गोपालपुर के किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा किसी विधिक प्रतिनिधि के माध्यम से दिनांक 17/11/2022 को न्यायालयीन समयावधि में उपस्थित होकर अपना दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। उसके पश्चात् प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 03/11/2022 को न्यायलयीन पदमुद्रा एवं मेरे हस्ताक्षर से जारी किया गया।

सील

विशेष कर्त्तव्याधिकारी
भूमि व्यपवर्तन, सूरजपुर

अप्रत्याशित पाकिस्तान लगातार न्यूजीलैंड का परीक्षण करेगा

सिडनी,08 नवम्बर 2022। दुर्जेय न्यूजीलैंड कागज पर मजबूत दिखाई देता है, लेकिन बुधवार को यहां पहले टी 20 विश्व कप सेमीफाइनल में अप्रत्याशित और उत्साहित पाकिस्तान से भिड़ने पर उसे इतिहास को धता बताना होगा।

अंतिम चार में पाकिस्तान के रोलर-कोस्टर और चमत्कारी यात्रा के विपरीत, कीवी टीम का नॉकआउट चरण में सीधा रास्ता था क्योंकि वे ग्रुप 1 के शीर्ष पर समाप्त हो गए थे, जो कि %मौत% के समूह में मौजूदा चैंपियन ऑस्ट्रेलिया, श्रीलंका और आयरलैंड पर जीत के बाद था। .

बाबर आजम और उनकी टीम के साथी, जो भारत और जिम्बाब्वे के खिलाफ दो प्रमुख सुपर 12 संघर्ष हार चुके थे, शायद अपनी प्रस्थान योजनाओं के बारे में सोच रहे थे जब नीदरलैंड ने नाटकीय रविवार को दक्षिण अफ्रीका को खत्म कर उनका समर्थन किया।

पाकिस्तान को बस इतना करना था कि दिन के दूसरे मैच में बांग्लादेश को हराकर ड्रीम सेमीफाइनल में जगह बनाई।

यह %देजा वु% की भावना दे रहा है क्योंकि पाकिस्तान 1992 के विश्व कप सेमीफाइनल में न्यूजीलैंड के खिलाफ भिड़ गया था, कहीं से भी आ रहा था, और मैच और बाद में ट्रॉफी जीती।

पाकिस्तान के पास भी उनका समर्थन करने का इतिहास है क्योंकि न्यूजीलैंड ने अपने पिछले सभी विश्व कप सेमीफाइनल एकदिवसीय (1992, 1999) और टी 20 (2007) प्रारूपों में गंवाए हैं।

सफेद गेंद वाले टूर्नामेंट के बड़े चरण में न्यूजीलैंड की लड़खड़ाने की प्रवृत्ति भी कोई रहस्य नहीं है। वे पिछले चार विश्व कप में लगातार सेमीफाइनल में पहुंचे हैं लेकिन कभी भी दूरी नहीं बना पाए।

ब्लैक कैप्स ने सात वर्षों में तीन विश्व कप फाइनल (2015, 2019 में ह्रष्ठढ्ढ और 2021 में ञ्ज20) गंवाए हैं।

उनके लिए बेहतर परिस्थितियों में, विलियमसन पाकिस्तानी बल्लेबाजी लाइनअप के खिलाफ जल्दी हमला करना चाहेंगे, जो उसके तत्वों में नहीं था।

कप्तान बाबर अभी भी संघर्ष कर रहे हैं जबकि मोहम्मद रिजवान भी अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन से दूर हैं। बांग्लादेश के खिलाफ 128 रनों के मामूली लक्ष्य का पीछा करते हुए भी वे दहशत में थे।

ट्रेंट बाउल्ट और टिम साउथी की कीवी तेज जोड़ी उसी स्थान पर वापस आएगी जहां उन्होंने ऑस्ट्रेलिया और श्रीलंका के शीर्ष क्रम को आसान जीत दिलाई थी क्योंकि वे एक मजबूत शुरुआत की तलाश में थे।

संयोग से, पाकिस्तान की भी अपनी गेंदबाजी में मजबूत बिंदु है और कुंजी बल्ले से लड़ाई को जब्त करना होगा।

उंगली की चोट से वापसी पर डेरिल मिशेल पूरे लय में दिखे। वह कप्तान के साथ उनके मैन-इन-फॉर्म ग्लेन फिलिप्स को बीच में जिम्मेदारी निभाना चाहेंगे।

फिलिप्स ब्लैक कैप्स के लिए एक रहस्योद्घाटन रहा है जिन्होंने पिछले तीन मैचों में एक शतक और एक अर्धशतक बनाया है।

एक शांत शुरुआत के बाद, कप्तान विलियमसन ने पिछले दो मैचों में कुछ रन बनाए हैं क्योंकि वह एक और फाइनल में अपना पक्ष रखने की कोशिश करेंगे।

दूसरी ओर पाकिस्तान यह साबित करने के लिए बेताब होगा कि सेमीफाइनल में उसका सफर महज एक दिखावा नहीं है।

किस्मत के अलावा, यह पाकिस्तान की गेंदबाजी है, जिसकी शानदार अगुवाई शाहीन अफरीदी और हारिस रऊफ ने की, जो उनकी सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

चोट की छंटनी से वापसी करते हुए, शाहीन ने स्ट्रैप्स को मारा है, खासकर आखिरी आउटिंग में जब वह बांग्लादेश की प्रगति को रोकने के लिए करियर की सर्वश्रेष्ठ चार विकेट लेकर लौटे थे।

परिस्थितियों की उचित जानकारी के साथ, रऊफ उनका %मूक हत्यारा% रहा है, जो सावधानीपूर्वक अपना काम कर रहा है।

दस्तों

न्यूजीलैंड: केन विलियमसन (कप्तान), मार्टिन गप्टिल, फिन एलन (विकेटकीपर), ग्लेन फिलिप्स, मार्क चैपमैन, माइकल ब्रेसवेल, मिशेल सेंटनर, एडम मिल्ने, ईश सोढ़ी, लॉकी फर्ग्यूसन, टिम साउथी, डेवोन कॉनवे, डेरिल मिशेल, जेम्स नीशम , ट्रेंट बोल्ट.

पाकिस्तान: बाबर आजम (कप्तान), आसिफ अली, हैदर अली, खुशदिल शाह, शान मसूद, मोहम्मद हारिस, इफ्तिखार अहमद, शादाब खान, मोहम्मद नवाज, मोहम्मद वसीम जूनियर, मोहम्मद रिजवान (विकेटकीपर), हारिस रउफ, मोहम्मद हसनैन, नसीम शाह , शाहीन अफरीदी.

मैच शुरू: 1.30 बजे

पार्ल रॉयल्स और एमआई केप टाउन पहले गेम में आमने-सामने

केप टाउन ,08 नवम्बर 2022। 10 जनवरी, 2023 को पार्ल रॉयल्स के खिलाफ घर पर ञ्ज20 के उद्घाटन संस्करण की शुरुआत करेगा। क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका द्वारा मंगलवार को घोषित कार्यक्रम में, 33 मैचों का टूर्नामेंट 11 फरवरी को वांडरर्स में फाइनल के साथ समाप्त होगा। टूर्नामेंट का सीधा प्रसारण उप-सहारा अफ्रीका में सुपरस्पोर्ट और भारत में वायकॉम18 स्पोर्ट्स पर किया जाएगा। लीग कमिश्नर ग्रीम स्मिथ ने कहा, ÷शुरुआती सीज़न के लिए जुड़नार जारी करना ञ्ज20 में हम सभी के लिए एक मील का पत्थर है।÷ ÷यह सब बहुत वास्तविक हो रहा है, हम निश्चित रूप से दुनिया के सर्वश्रेष्ठ गो को आमने-सामने देखने के लिए इंतजार नहीं कर सकते हैं। प्रशंसक 10 जनवरी को एमआई केप टाउन और पार्ल रॉयल्स के बीच लोकप्रिय स्थानीय डर्बी के साथ ब्लॉकबस्टर शेड्यूल की शुरुआत का इंतजार कर सकते हैं।

.

÷प्रशंसक सर्वश्रेष्ठ स्थानीय और अंतरराष्ट्रीय टी20 सितारों को

दोपहर और शाम के मैचों के लिए प्राइम व्यूइंग समय पर लाइव एक्शन में देख सकेंगे। यह एक आदर्श प्रसारण स्लॉट भी है जो सुनिश्चित करता है कि दुनिया भर के दर्शक भी मनोरंजक मनोरंजन के साथ बने रहें।÷ द वांडरर्स ने पूरे वर्षों में कई यादगार फाइनल की मेजबानी की है, हम उम्मीद करते हैं कि ट्रॉफी उठाने वाले पहले ञ्ज20 चैंपियंस को देखने के लिए एक पूरा घर उपस्थित होगा। हम इस सीज़न को सफल बनाने के लिए सभी छह फ्रैंचाइज़ी से खरीदारी करने के लिए आभारी हैं और हम ञ्ज20 के इस उद्घाटन सत्र को प्रशंसकों के लिए कुछ खास बनाने के लिए तत्पर हैं, स्मिथ ने कहा। इंग्लैंड के टी20आई के कप्तान जोस बटलर पक्ष, और उनके साथी जेसन रॉय और इयोन मॉर्गन, जिन्होंने 2019 विश्व कप जीतने में अपनी टीम की मदद की, रॉयल्स के समान प्रभावशाली लाइनअप के हेडलाइनर हैं। डेविड मिलर, लुंगी एनगिडी और तबरेज़ शम्सी रॉयल्स की टीम का हिस्सा हैं, और उन सभी को उनके कोच जेपी डुमिनी द्वारा सलाह दी जाएगी।

दनुष्का गुणथिलका घटना की जांच के लिए तीन सदस्यीय समिति

कोलंबो ,08 नवम्बर 2022। ऑस्ट्रेलिया में टी20 विश्व कप के दौरान श्रीलंकाई बल्लेबाज दनुष्का गुणथिलाका द्वारा कथित यौन हमले की जांच तीन सदस्यीय पैनल करेगा. देश के क्रिकेट बोर्ड ने मंगलवार को यह जानकारी दी. श्रीलंका क्रिकेट (एसएलसी) ने कहा कि उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश न्यायमूर्ति सिसिरा रत्नायके, वकील निरोशना परेरा और वकील असेला रेकावा की जांच पैनल मौजूदा एशिया कप विजेताओं के ऑस्ट्रेलिया प्रवास के दौरान हुई कई अन्य कथित घटनाओं की भी जांच करेगा।

एसएलसी ने कहा, ÷पैनल द्वारा उक्त रिपोर्ट प्रस्तुत करने पर, श्रीलंका क्रिकेट की कार्यकारी समिति खिलाड़ियों और या अधिकारियों के खिलाफ कड़ी अनुशासनात्मक कार्रवाई करेगी, यदि आधिकारिक कर्तव्यों का पालन करते समय किसी भी गलत काम या लापरवाही का दोषी पाया जाता है,÷ एसएलसी ने कहा।

पैनल ने गुणथिलाका के आचरण और अन्य घटनाओं के संबंध में टीम मैनेजर से तत्काल स्पष्टीकरण मांगा है।

÷ब्रिस्बेन कैसीनो में एक अन्य खिलाड़ी के साथ लड़ाई÷ की भी खबरें हैं।

ऑस्ट्रेलिया से टीम के जाने से पहले रविवार को गिरफ्तार किए गए 31 वर्षीय बाएं हाथ के बल्लेबाज को सिडनी की एक स्थानीय अदालत ने सोमवार को जमानत देने से इनकार कर दिया, जबकि एसएलसी ने उन्हें तत्काल प्रभाव से खेल के सभी प्रारूपों से निलंबित कर दिया।

ग्रुप 1 में चौथे स्थान पर रहने के बाद सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई करने में नाकाम रहने वाली श्रीलंकाई टीम ने शनिवार को गुणथिलाका के बिना ऑस्ट्रेलिया छोड़ दिया था। गुणथिलाका नामीबिया के खिलाफ अपने सुपर 12 क्वालीफिकेशन मैच में शून्य पर आउट हो गए थे।

भारत ने दूसरे स्वर्ण और कांस्य पदक अपने नाम किया

यूएई, ,08 नवम्बर 2022। भारत ने अल ऐन में 2022 विश्व शूटिंग पैरा-स्पोर्ट्स (डब्ल्यूपीएस) विश्व चैम्पियनशिप के दूसरे दिन दो पदक जीते, जिसमें एक स्वर्ण और एक कांस्य पदक शामिल है। टीम स्पर्धा में राहुल जाखड़, सिंहराज और निहाल सिंह की टीम ने स्वर्ण पदक अपने नाम किया। व्यक्तिगत स्पर्धा में, राहुल जाखड़ ने कांस्य पदक जीता, जो दक्षिण कोरिया के किम जुंगनाम और यूक्रेन के ओल्सकेन डेनिसियुक से पीछे रह गए। जंगनम डेनिसियुक से 28 अंक आगे और जाखड़ ने 21 अंकों के साथ समाप्त किया।

पी3 25 मिक्स्ड पिस्टल एसएचआई के क्वालीफाइंग चरण में, जाखड़ ने 582 अंक और 12 गुणा (आंतरिक 10एस) के स्कोर के साथ रैंकिंग में शीर्ष स्थान हासिल किया था, जिसमें जंगनाम और डेनिसियुक क्रमशः 577 और 575 अंकों के साथ दूसरे और तीसरे स्थान पर थे।अन्य भारतीयों में, सिंहराज को 565

(10गुणा) के स्कोर के साथ सातवें स्थान पर रखा गया था, जबकि निहाल सिंह क्वालीफाइंग राउंड के बाद उतने ही अंकों के साथ 8वें स्थान पर थे, जितने उन्होंने फाइनल में जगह बनाई थी।

फाइनल में, निहाल सिंह 20 अंकों के साथ चौथे स्थान पर रहे, जबकि पैरालंपिक खेलों के जुड़वां पदक विजेता सिंहराज 13 अंकों के साथ छठे स्थान पर रहे।

पी3-मिक्स्ड एयर राइफल प्रोन इवेंट में, भारत की अवनी लेखरा ने क्वालीफाइंग दौर में 630.6 अंक के साथ 19वें स्थान पर रहीं। सिद्धार्थ बाबू 631.3 अंकों के साथ 17वें स्थान पर रहे।

भारत के साथी राइफल शूटर, स्वरूप महावीर भी क्वालीफाइंग चरण में 45वें स्थान पर रहने के लिए 622.5 के नीचे के स्कोर के साथ आए।

जापान की यूलिया वतनबे 637.7 के स्कोर के साथ शीर्ष पर रहीं और जर्मनी की नताशा हिलट्रॉप 636.2 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर रहीं। स्लोवाकिया की वेरोनिका वडोविकोवा ने 255.5 अंकों के साथ स्वर्ण पदक जीता।

टर्नर ने कहा ऑस्ट्रेलिया,बेल्जियम, नीदरलैंड प्रबल दावेदार लेकिन भारत को हल्के में न लें

मेलबर्न ,08 नवम्बर 2022। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व हॉकी खिलाड़ी ग्लेन टर्नर को लगता है कि उनका देश, मौजूदा चैंपियन बेल्जियम और नीदरलैंड आगामी पुरुष हॉकी विश्व कप जीतने के प्रबल दावेदार हैं लेकिन उन्होंने तोक्यो ओलंपिक कांस्य पदक विजेता भारत को अपने ही घर में हल्के में लेने के खिलाफ चेतावनी दी। ऑस्ट्रेलिया, बेल्जियम, नीदरलैंड, मेजबान भारत, अर्जेंटीना, जर्मनी, न्यूजीलैंड, इंग्लैंड, फ्रांस, कोरिया, मलेशिया, स्पेन, दक्षिण अफ्रीका, जापान, चिली और

वेल्स टूर्नामेंट में प्रतिस्पर्धा करने वाली 16 टीमें हैं जिसकी मेजबानी भुवनेश्वर और राउरकेला में संयुक्त रूप से 13 से 29 जनवरी तक की जाएगी।

दो बार के ओलंपियन टर्नर ने कहा, ''मुझे लगता है कि ऑस्ट्रेलिया के पास एक बड़ा मौका है। उन्होंने हाल ही में राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण पदक जीता है। वे एक स्तरीय टीम हैं। मुझे पता है कि वे कैसे प्रशिक्षण लेते हैं और वे जीतने के लिए प्रशिक्षण लेते हैं। उनके मूल और बुनियादी सिद्धांत बहुत अच्छे हैं और मुझे लगता है कि यही उन्हें अलग करता है। वर्ष 2010 और 2014 में लगातार दो विश्व कप जीतने वाली ऑस्ट्रेलियाई टीम के सदस्य रहे टर्नर ने कहा, ''मुझे लगता है कि बेल्जियम भी दावेदार हैं क्योंकि वे काफी अच्छी फॉर्म में हैं। उन्हें इस समय हराना मुश्किल है। और मुझे लगता है कि नीदरलैंड को भी शीर्ष में होना चाहिए और अगर वे अपनी क्षमता के अनुसार खेलते हैं तो यह वास्तव में अच्छा होगा।'' टर्नर ने कहा, ''भारत अपने घर में खेलेगा। मैं उन्हें अच्छा प्रदर्शन करते देखना पसंद करूंगा।

सबा आजाद अभिनीत मिनिमम में विशेष भूमिका निभाएंगे नसीरुद्दीन शाह

दिग्गज अभिनेता नसीरुद्दीन शाह फिल्म मिनिमम में एक विशेष भूमिका निभाते नजर आएंगे। फिल्म, जिसमें सबा आजाद, गीतांजलि कुलकर्णी, नमित दास और रुमाना मोल्ला भी हैं, का निर्देशन खुद रुमाना ने किया है, हाल ही में इसकी शूटिंग पूरी हुई। बेल्जियम पर आधारित, यह फिल्म लेन-देन के विवाह और प्रवास के साथ प्यार, स्नेह और दोस्ती के मूल में है। फिल्म की आधिकारिक सिनॉप्सिस इसे एक नवविवाहित आप्रवासी फौजिया की कहानी के रूप में वर्णित करती है। जब उसे पता चलता है कि उसके पति अली के बारे में उसे जो कुछ भी बताया गया था वह सब झूठ था और जब तक एक फ्रांसीसी ट्यूटर, लॉरी को उसे मूल बातें सिखाने के लिए काम पर नहीं रखा जाता, तब तक वह सारी उम्मीद खो देती है। एक असामान्य दोस्ती जाली है, रहस्य उजागर होते हैं और फौजिया मिनिमम से अधिक की मांग करना सीखती है। बेल्जियम में पली-बढ़ी रुमाना नसीरुद्दीन शाह के साथ राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता फिल्म इराडा में नजर आ चुकी हैं। अपनी अनुभवी सह-कलाकार के साथ फिर से जुड़ने पर, रुमाना ने कहा, यह फिल्म प्यार का श्रम रही है और मैं निश्चित रूप से कह सकती हूं कि सारी उथल-पुथल इसके लायक थी। और नसीर सर के साथ शूटिंग करना वास्तव में एक सपने के सच होने जैसा था।प्लाटून वन फिल्म्स और एलानार फिल्म्स के शिलादित्य बोरा और राधिका लवू द्वारा निर्मित फिल्म को बेल्जियम, सर्बिया और भारत में लोकेशन पर शूट किया गया है और यह 2023 की शुरूआत में रिलीज होने वाली है।

टीवी की नागिन सुरभि चंदना ने साड़ी पहन ढाया कहर, क्यूट सी स्माइल से लूट ली महफिल

बालों को स्टाइलिश लुक में बांध कर और साथ ही डार्क रेड कलर की लिपस्टिक लगाकर सुरभि ने अपने इस आउटलुक को कंप्लीट किया है।

टीवी एक्ट्रेस सुरभि ज्योति हमेशा अपनी खूबसूरती से सोशल मीडिया पर कहर बरपाती रहती हैं। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट लुक से एक बार फिर फैंस को अपना दीवाना बना दिया है। इन तस्वीरों में एक्ट्रेस सुरभि चंदना ने सिंपल क्रिम कलर की यैलो बॉर्डर लाइन साड़ी पहनी हुई है। एक्ट्रेस सुरभि चंदना अपने इस एथनिक लुक में बेहद ही शानदार नजर आ रहा है।

सुरभि चंदना अपने ग्लैमरस लुक्स से सोशल मीडिया पर अक्सर सुर्खियां बटोरती हुई नजर आती हैं।

सुरभि चंदना का ड्रेसिंग सेंस फैंस को उनकी तरफ आकर्षित करता हैं।

बालों को स्टाइलिश लुक में बांध कर और साथ ही डार्क रेड कलर की लिपस्टिक लगाकर सुरभि ने अपने इस आउटलुक को कंप्लीट किया है

अर्जुन कपूर की फिल्म कुत्ते अगले साल 13 जनवरी को होगी रिलीज

अभिनेता अर्जुन कपूर पिछले कुछ समय से फिल्म कुत्ते को लेकर चर्चा में हैं। महान निर्देशक विशाल भारद्वाज के बेटे आसमान इस फिल्म से निर्देशन की दुनिया में कदम रखेंगे। अब मेकर्स ने फिल्म की नई रिलीज डेट का ऐलान कर दिया है। यह फिल्म अगले साल 13 जनवरी को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। इससे पहले इसे इस साल 4 नवंबर को दर्शकों के बीच लाने की तैयारी थी, लेकिन यह तय समय पर रिलीज नहीं हो पाई।

फिल्म के लीड कलाकार अर्जुन ने इंस्टाग्राम पर रिलीज से जुड़ी जानकारी दी है। उन्होंने अपने इंस्टाग्राम पोस्ट के कैप्शन में लिखा, नए साल के साथ कुत्ते लेकर आ रहा हूं, जो 13 जनवरी, 2023 को सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है। गुलशन कुमार और भूषण कुमार की टी-सीरीज इस फिल्म को प्रस्तुत करेगी, जबकि इसे लव रंजन, विशाल भारद्वाज, अंकुर गर्ग और रेखा भारद्वाज ने मिलकर प्रोड्यूस किया है। अगले साल जनवरी में कुत्ते के साथ और ही फिल्में रिलीज होने वाली हैं। दिग्गज अभिनेताा शाहरुख खान की पठान 25 जनवरी को दर्शकों के बीच आएगी। शाहरुख करीब चार साल बाद इस फिल्म से वापसी करने वाले हैं। इसके अलावा जॉन अब्राहम की फिल्म तेहरान गणतंत्र दिवस के मौके पर 26 जनवरी को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इसमें जॉन के साथ अभिनेत्री मानुषी छिल्लर नजर आएंगी। कुत्ते एक मल्टीस्टारर फिल्म है, जिससे दर्शकों को काफी उम्मीदें हैं। अर्जुन के अलावा तब्बू, कोंकणा सेन शर्मा, नसीरुद्दीन शाह, कुमुद मिश्रा, राधिका मदान और शार्दुल भारद्वाज जैसे सितारे फिल्म में अभिनय करते दिखेंगे।

उर्फी जावेद की पूरी बॉडी पर कपड़ों की जगह नजर आई ड्रेसिंग पट्टी

उर्फी जावेद इंडस्ट्री की ऐसी एक्ट्रेसेस में से एक हैं जो हमेशा ही सुर्खियों में बने रहना पसंद करती हैं। उन्हें अच्छे से समझ आ चुका है कि लाइमलाइट में कैसे रहना है। उनका नाम जेहन में आते ही लोगों के दिमाग में एक ही बात आती है कि इस बार वो क्या बवाल मचाने वाली हैं। अपने कपड़ों को लेकर वो हमेशा ही कुछ न कुछ नया करने में लगी रहती हैं। उर्फी ने अब तक न जाने किन किन चीजों से अपने लिए ड्रेस बनाई है। इसी बीच एक बार फिर से उर्फी अपने नए अंदाज के साथ सामने आई हैं। इस बार उन्होंने जो किया उसके बारे में आप सोच भी नहीं सकते हैं। उर्फी जावेद ने इंस्टाग्राम पर अपना एक नया वीडियो पोस्ट किया है। इस

बार उन्होंने अपने ड्रेसिंग पट्टी को ड्रेस के तौर पर यूज किया। वीडियो में आप देख सकते हैं कि उर्फी जावेद पहले अपने हाथ पर ड्रेसिंग पट्टी लपेट रहीं थीं। उन्हें ऐसा करता देख पहली नजर में ऐसा लगा था कि उनके हाथ में चोट में लग गई है, लेकिन तभी उनके घूमते ही पूरी बॉडी पर ड्रेसिंग पट्टी बंधी हुई दिखाई दी। उन्होंने ड्रेसिंग पट्टी से अपने लिए ब्रालेट और स्कर्ट बनाई, जिसे पहनकर वो डांस करती दिख रही हैं। इस दौरान उनका अंदाज देख हर कोई हैरान है कि कोई कैसे अपनी बॉडी पर ड्रेसिंग पट्टियां लपेट सकता है। उनका ये वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। इस पर कमेंट कर फैंस हैरानी जता रहे हैं।

ईडी नहीं करेगी 'नान घोटाला' की जांच तो जाएंगे न्यायालय

» बैक-टू-बैक लिखे 2 पत्र

रायपुर,08 नवम्बर 2022। सीएम भूपेश बघेल ने नागरिक आपूर्ति निगम, और चिटफंड घोटाले की जांच की मांग की है। उन्होंने इस सिलसिले में ईडी को दो पत्र लिखा है। सीएम ने जोर देकर कहा कि चिटफंड घोटाला कर ग्रामीणों का पैसा लूटा गया है, उसकी जांच क्यों नहीं की जा रही है। मनी लॉड्रिंग केस में ईडी प्रदेश के कारोबारियों, और अफसरों की जांच कर रही है।

आईएएस समीर विश्नोई समेत 3 कारोबारी न्यायिक हिरासत में है। इन सबके बीच सीएम ने ईडी को चिट्ठी भेजी है। उन्होंने चिट्ठी में नान घोटाला, और चिटफंड केस की जांच की मांग की है। सीएम ने कहा कि नान घोटाले में मैडम सीएम और नेताओं के नाम भी आए हैं। इस केस की जांच होनी चाहिए।

सीएम ने आगे कहा चिटफंड घोटाला कर ग्रामीणों का पैसा लूटा गया है। इसकी जांच क्यों नहीं हो रही है। उन्होंने इसकी जांच की मांग की है।

भूपेश के पत्र पर रमन बोले - हर मामले में दखल नहीं देती ईडी

छत्तीसगढ़ के भूपेश बघेल ने मंगलवार को कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर खारुन तट पर डुबकी लगाई। अब पूर्व सीएम डा. रमन सिंह ने बघेल के डुबकी लगाने पर निशाना साधा है। डा. रमन ने कहा है कि, सीएम डुबकी लगाते हैं, गुलाटी मारते हैं, उनकी ये आदत पुरानी है।

सीएम ने प्रदेश की जनता से जितने वादे किए, जितनी घोषणाएं कीं... सबसे पलटी मार गए। छत्तीसगढ़ की जनता उनको पलटु राम के नाम से याद रखेगी। सीएम दूसरे प्रदेशों में जाकर झूठे वादे कर रहे हैं। डा. रमन ने सीएम भूपेश बघेल के ईडी को लिखे पत्र पर कहा है कि, सरकार को अपनी जांच एजेंसियों पर भरोसा नहीं है। राज्य पुलिस ने जो रिपोर्ट तैयार की पहले उसे तो सार्वजनिक करें सीएम। जांच एजेंसियां बोल चुकी हैं कि, इसमें कोई प्रमाण और तथ्य नहीं है। भूपेश बघेल जबरदस्ती की बातें करते हैं। श्वष्ठ की जांच प्रक्रिया अलग होती है, हर मामले में श्वष्ठ दखल नहीं देती। नान में जिन्होंने सबसे बड़ी गड़बड़ी की उन्हें बचाने के लिए तो प्रदेश सरकार सुप्रीम कोर्ट में पूरी शक्ति लगा रही है। उल्लेखनीय है कि बघेल ने नान घोटाले और चिटफंड घोटाले की जांच के लिए ई डी को पत्र लिखा है।

भूपेश ने गन्ना किसानों के खाते में 68.90 करोड़ रूपए किया ट्रांसफर

» गोबर विक्रेताओं को अब तक 179.28 करोड़ रूपए का भुगतान

रायपुर,08 नवम्बर 2022। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने कहा है कि छत्तीसगढ़ में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के स्वावलंबी गांवों की परिकल्पना धीरे-धीरे साकार हो रही है। गोधन न्याय योजना के तहत गांवों में बनाए गए गौठानों में से 3089 गौठान स्वावलंबी हो गए हैं। 15 अक्टूबर से 31 अक्टूबर 2022 तक गौठानों में क्रय किए गए गोबर के एवज में भुगतान की गई राशि में से लगभग 50 प्रतिशत राशि का भुगतान स्वावलंबी गौठानों द्वारा किया गया है। यह एक बड़ा बदलाव है। स्वावलंबी गौठानों ने अब तक अपने संसाधनों से 24.15 करोड़ रूपए की गोबर खरीदी की है।

मुख्यमंत्री श्री बघेल आज यहां अपने निवास कार्यालय में गोधन न्याय योजना के हितग्राहियों को गोबर खरीदी की राशि, महिला स्वसहायता समूहों और गौठान समितियों को लाभांश राशि तथा गन्ना उत्पादक किसानों को गन्ना प्रोत्साहन राशि के वितरण के लिए आयोजित कार्यक्रम को सम्बोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने खरीफ की तरह रबी सीजन में भी वर्मी कम्पोस्ट के उपयोग को बढ़ावा देने और गौठानों में गौ मूत्र की खरीदी को प्रोत्साहित करने के निर्देश अधिकारियों को दिए।

अक्टूबर माह के आखरी पखवाड़े में खरीदे गए गोबर के एवज में कुल 4.69 करोड़ रूपए का भुगतान आज गोबर बेचने वाले ग्रामीणों और पशुपालकों को किया गया है। इस राशि में से विभाग द्वारा 2.37 करोड़ रूपए और स्वावलंबी गौठानों द्वारा 2.32 करोड़ रूपए का भुगतान किया गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह एक सकारात्मक बदलाव है। राज्य सरकार की भी यह मंशा है कि आने वाले समय में सभी गौठान स्वावलंबी बने। वहां की गतिविधियों का संचालन गौठान समितियां अपने संसाधनों से कर सकें।

मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने कार्यक्रम में गोबर विक्रेता पशुपालक ग्रामीणों, गौठानों से जुड़ी महिला समूहों और गौठान समितियों को 5 करोड़ 35 लाख रूपए की राशि ऑनलाइन जारी की। गौठनों में 15 अक्टूबर से 31 अक्टूबर तक पशुपालक ग्रामीणों, किसानों, भूमिहीनों से क्रय किए गए 2.35 लाख क्विंटल गोबर के एवज में किया गया 4.69 करोड़ रूपए भुगतान किया गया। इसी तरह गौठान समितियों को 39 लाख और महिला समूहों को 27 लाख रूपए की लाभांश राशि का भुगतान किया गया। कार्यक्रम में कृषि मंत्री श्री रविन्द्र चौबे, स्कूल शिक्षा मंत्री डॉ प्रेमसाय सिंह टेकाम, छत्तीसगढ़ राज्य खनिज विकास निगम के अध्यक्ष श्री गिरीश देवांगन, मुख्यमंत्री के सलाहकार श्री प्रदीप शर्मा, कृषि उत्पादन आयुक्त डॉ कमलप्रीत सिंह भी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम में कहा कि गोधन न्याय योजना के तहत आज भुगतान की गई राशि को मिलाकर गोबर विक्रेताओं को योजना के शुरू होने के बाद से अब तक 179.28 करोड़ रूपए का भुगतान किया गया है। इसी तरह अब तक गौठान समितियों एवं महिला स्व-सहायता समूहों को 164.24 करोड़ रूपए का भुगतान किया जा चुका है। उन्होंने कहा कि राज्य के 83 गौठानों में 4 रूपए लीटर की दर से अब तक 76 हजार 820 लीटर गौमूत्र क्रय किया जा चुका है। गौठानों में महिला स्व-सहायता समूहों द्वारा 24,348 लीटर कीट नियंत्रक ब्रम्हास्त्र और 18,722 लीटर वृद्धिवर्धक जीवामृत तैयार किया गया है, जिसमें से 20,521 लीटर ब्रम्हास्त्र और 14,055 लीटर जीवामृत की बिक्री से कुल 15 लाख रूपए की आय हुई। इस गतिविधि को और बढ़ावा देना चाहिए।

चार स्तरों में होगा,मतदाता जागरूकता प्रतियोगिता

दुर्ग ,08 नवम्बर 2022। स्वीप कार्यक्रम के तहत राज्य के समस्त उच्च शैक्षणिक संस्थानों हेतु चार स्तरीय भाषण एवं इलेक्शन क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें प्रदेश के महाविद्यालयों में

अध्ययनरत युवाओं को मतदान प्रक्रिया से जोड़ने एवं समान्य जन के मध्य मतदाता जागरूकता को बढ़ाने के उद्देश्य से राज्य के समस्त उच्च शैक्षणिक संस्थानों में अकादमिक प्रतियोगिता में भाषण प्रतियोगिता, इलेक्शन क्विज़ प्रतियोगिता आयोजित किये जाने का निर्णय लिया गया है। कार्यक्रम आयोजन एवं संभावित समय-सीमा का विवरण में महाविद्यालय स्तरीय प्रतियोगित 09 नवंबर से 15 नवंबर 2022 तक के मध्य, जिला स्तरीय अंतर महाविद्यालयीन प्रतियोगिता 18 नवंबर 2022 दिन शुक्रवार को और संभाग स्तरीय अंतर महाविद्यालयीन प्रतियोगिता 25 नवंबर 2022 दिन शुक्रवार शामिल है। राज्य स्तरीय अंतर महाविद्यालयीन प्रतियोगिता हेतु सूचना पृथक से जारी किया जाएगा। विस्तृत जानकारी हेतु जिला निर्वाचन विभाग से संपर्क कर सकते है।

मुख्यमंत्री ने खारून नदी के महादेव घाट में किया कार्तिक पूर्णिमा स्नान

रायपुर,08 नवम्बर 2022। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने आज कार्तिक पुन्नी के अवसर पर प्रातः रायपुर के महादेव घाट पहुंचकर खारून नदी में कार्तिक पूर्णिमा स्नान कर प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि की कामना की। मुख्यमंत्री ने इस मौके पर सभी प्रदेशवासियों को कार्तिक पुन्नी मेला की बधाई और शुभकामनाएं दी।

इस अवसर पर उन्होंने कहा कि हमारे यहां धार्मिक, सांस्कृतिक और सामाजिक परंपरा का निर्वहन किया जाता है। पुन्नी मेला के अवसर पर आज यहां आसपास के सभी गांव के लोग आते हैं। पुन्नी मेला हमारी प्राचीन परंपरा है, हमारे छत्तीसगढ़ के गांव, शहरों की परंपरा का हिस्सा है। कार्तिक माह में सुबह का स्नान और शिवजी पर जल चढ़ाने की परंपरा रही है, आज से गांवों के घाटों में

मेले का आयोजन शुरू हो जाता है। उन्होंने कहा कि आज प्रकाश पर्व का शुभ दिन भी है, गुरुनानक जी की जयंती है, जिनका छत्तीसगढ़ से पुराना नाता रहा है, उनके जुड़ाव के स्थल महासमुंद जिले के गढ़फुलझर को हमने पर्यटन स्थल के रूप में भी विकसित करने का निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री बघेल ने कहा कि पिछले साल खारुन नदी के घाट के विकास की घोषणा की थी, अब बजट में प्रावधान के साथ घाट के विकास का काम शुरू हो जाएगा। हमारे प्रदेश में किसान भाई धान कटाई की शुरुआत कर चुके हैं। एक नवंबर से धान की खरीदी भी शुरू हो चुकी है, किसान भाई समर्थन मूल्य में धान बेच रहे हैं और समय पर उन्हें भुगतान भी हो रहा है। दिवाली के पहले हमने राजीव गांधी किसान न्याय योजना की तीसरी किश्त भी दे दी है।

उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ की संस्कृति और परंपरा को सहेजने के उद्देश्य से हाल ही में हमने राष्ट्रीय आदिवासी नृत्य महोत्सव का आयोजन भी राज्योत्सव के अवसर पर किया। हम शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार के साथ साथ अपनी संस्कृति के संरक्षण और उसके विकास के लिए भी लगातार काम कर रहे हैं। जिसमे प्रदेश की जनता की भागीदारी है।

इस अवसर पर संसदीय सचिव विकास उपाध्याय, गौ सेवा आयोग के अध्यक्ष महंत राम सुंदर दास, मुख्यमंत्री के सलाहकार प्रदीप शर्मा, रायपुर नगर निगम के महापौर एजाज ढेबर सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण और बड़ी संख्या में श्रद्धालुगण उपस्थित थे।

छत्तीसगढ़ कांग्रेस को जल्द मिलेंगे नए अध्यक्ष

रायपुर,08 नवम्बर 2022। छत्तीसगढ़ के नए पीसीसी चीफ के मामले को लेकर पीसीसी चीफ मोहन मरकाम का बड़ा बयान सामने आया है। उन्होंने कहा कि नए पीसीसी चीफ का फैसला कांग्रेस नेतृत्व और प्रदेश के वरिष्ठ नेता करेंगे। जिसे वरिष्ठ नेताओं का आशीर्वाद मिलेगा वही प्रदेश कांग्रेस का अध्यक्ष बनेगा।

वहीं, भारत जोड़ो यात्रा को लेकर पीसीसी चीफ ने अपने बयान में कहा कि भारत जोड़ो यात्रा के दौरान जनसैलाब उमड़ रहा है। राहुल गांधी को सुनने और देखने लोग बड़ी संख्या में आ रहे हैं। वे हमेशा अपने कार्यकर्ताओं को आगे बढ़ने प्रोत्साहित करते हैं। जो जिम्मेदारी उन्होंने दी है उसे पूरा करने के लिए प्रोत्साहित करते हैं। उनका स्नेह और आशीर्वाद हमको मिला। हम सभी पूरी ऊर्जा के साथ काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश अध्यक्ष चुनने का अधिकार हाईकमान को है। खड़गे जी, सोनिया जी, राहुल जी, प्रियंका जी और प्रदेश के वरिष्ठ नेता इसका फैसला करेंगे। मैंने राहुल गांधी को संगठन की गतिविधियों से अवगत कराया है। भारत जोड़ो पदयात्रा का हम लोग बूथ स्तर पर आयोजन करने जा रहे हैं। इस यात्रा के उद्देश्य के साथ ही सरकार की उपलब्धियों को भी जनता को बताने की कोशिश की जा रही है।

सक हादसे में सीआरपीएफ जवान समेत दो लोगों की दर्दनाक मौत

धमतरी 08 नवम्बर 2022। जिले में सड़क हादसे में सीआरपीएफ जवान समेत 2 लोगों की मौत हो गई है। छुट्टी टी खत्म होने के बाद जवान अपने साथी के साथ वापस दिल्ली रवाना होने के लिए रायपुर निकला था। इसी दौरान सामने से आए ट्रक ने उन्हें टक्कर मार दी। हादसा बिरेझर चौकी क्षेत्र में हुआ है।

ग्राम छाती निवासी सीआरपीएफ जवान मोहन कंवर(23) कुछ दिन पहले ही छुट्टी टी पर अपने घर आया था। छुट्टी टी खत्म होने के बाद वह सोमवार दोपहर अपने दोस्त मनीष सेन के साथ रायपुर जाने निकला था। वहां रायपुर से उसे ट्रेन पकड़नी थी। मोहन की पोस्टिंग दिल्ली में ही थी। दोनों बुलेट से अभी बिरेझर के पास पहुंचे थे। तभी सामने से आ रहे तेज रफ्तार ट्रक ने टक्कर मार दी। हादसे में मौके पर ही सीआरपीएफ जवान की मौत हो गई थी। मनीष बुरी तरह घायल हुआ था। वहीं ट्रक चालक गाड़ी छोड़कर भाग गया। आस-पास के लोग मौके पर पहुंचे और मनीष को अस्पताल में भर्ती कराया गया था। पुलिस को भी इस बात की सूचना दी गई थी। सूचना मिलने पर पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने मौके से ट्रक को जब्त कर लिया है।

उधर, परिजनों को भी इस बात की सूचना दी गई थी। मगर देर शाम होने के कारण जवान के शव का पीएम नहीं हो सका था। जिसके बाद मंगलवार सुबह उसका पोस्टमार्टम किया गया है। वहीं देर रात इलाज के दौरान मनीष की भी मौत हो गई। मंगलवार को जवान के शव का अंतिम संस्कार किया गया। इसके पहले शव यात्रा उसके गांव में निकाली गई।

शिक्षकों के राज्य स्तरीय तबादलों में खामियां हो रही हैं उजागर

» हाईकोर्ट से स्थगन आदेश हो रहे हैं जारी

रायपुर 08 नवम्बर 2022। सरकार द्वारा बनाई गई स्थानांतरण नीति से परे हटके राज्य भर में ऐसे अनेक तबादले किये गए हैं, जिसके चलते बड़ी संख्या में शिक्षक हाई कोर्ट की शरण ले रहे हैं। नियम विरुद्ध किये गए तबादलों में पीड़ितों को न्यायालय से स्थगन आदेश भी मिल रहा है।

तबादलों पर राजनीति रही हावी

पूर्व के वर्षों की तरह राज्य में हुए तबादलों में राजनीती पूरी तरह हावी रही। सत्तापक्ष से जुड़े जनप्रतिनिधियों का तबादलों को लेकर दबाव ही था कि जिम्मेदार अधिकारियों ने ऐसे तबादलों के समय नियमों पर भी ध्यान नहीं दिया, जिसका लाभ अब तबादले पर भेजे गए शिक्षकों को मिल रहा है। ऐसे तबादलों पर हाई कोर्ट से उन्हें स्थगन भी दिया जा रहा है।

ऐसे तबादलों की लंबी फेहरिस्त

जानकारी के मुताबिक शिक्षा विभाग द्वारा किये गए राज्य स्तरीय तबादलों में इस तरह के नियम विरुद्ध स्थानांतरण की भरमार है, और इसके खिलाफ बड़ी संख्या में शिक्षकों ने न्यायालय की शरण ले रखी है। अनेक लोगों को अब तक स्टे भी मिल चुका है।

जिला स्तर पर भी नियम विरुद्ध तबादले

स्थानांतरण नीति जारी होने के बाद राज्य में सबसे पहले जिला स्तर पर तबादले हुए। इनमें कई जिलों में नियम विरुद्ध तबादले कर दिए गए। आलम ये रहा कि बड़ी संख्या में म्यूच्यूअल ट्रांसफर की तरह तबादला सूची निकली। जिसमें एक के तबादले में स्वैच्छिक और उसके स्थान पर आने वाले शिक्षक में प्रशासनिक स्तर पर तबादले का उल्लेख किया गया है। जबकि नियम ये है कि शिक्षक स्वैच्छिक स्तर पर तबादले के लिए उसी स्कूल का उल्लेख करता है, जहां पर पद खाली हो। इसके अलावा अनेक जिलों में दिव्यांगों को प्राथमिकता नहीं दी गई। अब ऐसे दिव्यांग उच्चाधिकारियों से शिकायत कर रहे हैं, तो उन्हें तवज्जो नहीं दी जा रही है।

प्रमोशन और पोस्टिंग में भी गड़बड़ी

जिला और राज्य स्तरीय तबादलों के अलावा जिलों में शिक्षकों के प्रमोशन और पोस्टिंग की प्रक्रिया भी शुरू हो गई है। जिला स्तर पर तबादलों में मोटी कमाई के बाद अधिकारी और तथाकथित कर्मचारी नेता और सत्ता पक्ष से जुड़े राजनेता मनमाने तबादलों में जुट गए। इसमें भी नियम के मुताबिक तबादले की बजाये पहुंच के वजन के हिसाब से शिक्षकों की तबादला सूची निकाली गई। जिसके चलते जिलों में विरोध शुरू हो गया। नियम विरुद्ध तबादलों को देखते हुए सबसे पहले कोरबा कलेक्टर संजीव झा ने पदोन्नत शिक्षकों को तबादला सूची निरस्त कर दी। कुछ और जिलों में भी ऐसी सूचियां रद्द कर दी गई और अब कॉउन्सिलिंग करके ही तबादले करने का आदेश दिया गया है। इसके लिए समितियां भी बनाई गई हैं।

तबादलों की समीक्षा की है जरुरत

राज्य शासन ने तबादलों से असंतुष्ट शिक्षकों की सुनवाई के लिए समिति भी बनाई है, मगर अब तक समिति की बैठक के बारे में कोई भी जानकारी सामने नहीं आयी है। कायदे से जिला स्तर पर हुए तबादलों की समीक्षा के लिए सबसे पहले जिले में ही समिति गठित कर शिक्षकों की सुनवाई करनी चाहिए, उसके अगले चरण में राज्य स्तर पर, क्योंकि शिकायत करने वाले शिक्षकों की संख्या काफी ज्यादा है और अगर समयबद्ध तरीके से शिकायतों का निराकरण नहीं किया गया तो इसमे काफी वक्त लग जायेगा। हालांकि लग तो यही रहा है कि उच्च अधिकारी इस तरह विलम्ब करके मामले को ठंडा करना चाहते हैं। हालांकि हाई कोर्ट से लगातार मिल रहे स्थगन से विभाग के जिम्मेदार अधिकारी भी परेशान हो चले हैं।

ये हैं मामले

प्रकरण 01:- बिलासपुर जिले के तखतपुर ब्लॉक के ग्राम चिचिरदा स्थित शासकीय हाई स्कूल की जीव विज्ञान विषय की व्याख्याता (एलबी) अलका सिंह का प्रशासनिक तौर पर तबादला मुंगेली जिले के शासकीय हाई स्कूल पंढर भट्ठा में कर दिया गया था। इस मामले में शिक्षिका की ओर से हाई कोर्ट में वाद दायर करने वाले अधिवक्ता अकथ कुमार यादव ने बताया कि व्याख्याता अलका सिंह का तबादला कर दिए जाने से उनके चिचिरदा स्थित शासकीय हाई स्कूल में विज्ञान का पद खाली हो गया, जबकि स्थानांतरण नीति में ऐसे तबादले नहीं करने को कहा गया है, जिससे संबंधित स्कूल में विषय शिक्षक का पद रिक्त हो जाये।

दरअसल शिक्षा विभाग रायपुर द्वारा अलका सिंह के स्थानांतरण की जगह पर शासकीय कन्या उच्च माध्यमिक विद्यालय कसडोल, जिला बलौदा बाजार की शिक्षिका श्रद्धा शुक्ला का स्थानांतरण शासकीय हाई स्कूल चिचिरदा में किया गया, शासन द्वारा जारी आदेश में उनके विषय के आगे जीव विज्ञान दर्शित है जबकि उन्होंने अपना जो आवेदन जिला शिक्षा अधिकारी बलौदा बाजार को प्रस्तुत किया, उसमें उन्होंने रसायन विज्ञान की शिक्षिका होना दर्शाया है, जिसके कारण वर्तमान शाला शासकीय हाई स्कूल चिचिरदा में उन्होंने रसायन शास्त्र के पद पर अपनी जॉइनिंग दी है। अर्थात जीव विज्ञान की व्याख्याता के बदले में रसायन विज्ञान की शिक्षिका ने स्कूल में जॉइनिंग दी, जो कि नियम विरुद्ध था।

अपने स्थानांतरण के खिलाफ अलका सिंह ने उच्च न्यायालय में याचिका दायर की, जिस पर सुनवाई के बाद स्थगन आदेश जारी करते हुए न्यायालय ने समिति से 3 सप्ताह के अंदर जवाब प्रस्तुत करने को कहा है, एवं याचिकाकर्ता को 10 दिन के अंदर अपना आवेदन समिति के सामने प्रस्तुत करने कहा है। साथ ही वर्तमान शाला में ही यथास्थिति बनाए रखने का आदेश पारित किया है।

प्रकरण 02:- शासकीय कन्या उच्च माध्यमिक विद्यालय, कल्याणपुर, विकासखंड व जिला सूरजपुर के शिक्षक रामराज यादव, व्याख्याता का स्थानांतरण शिक्षा विभाग ने प्रशासनिक स्तर पर शासकीय उच्च मा. विद्यालय, बल्लाकछार, विकासखंड, कसडोल, जिला बलौदा बाजार कर दिया गया। इस स्थानांतरण के विरुद्ध रामराज यादव ने उच्च न्यायालय में याचिका लगाई। याचिकाकर्ता ने यह दलील दी कि स्थानांतरण नीति 2022 के कंडिका क्रमांक 3.2 के तहत उसके स्थानांतरण हो जाने के बाद पूर्व के विद्यालय में उनका पद रिक्त हो रहा है, जो स्थानांतरण नीति के विरुद्ध है। उच्च न्यायालय ने याचिका की सुनवाई की और स्थानांतरण आदेश पर स्थगन प्रदान कर यथास्थिति बनाए रखने का आदेश दिया है। साथ ही सरकार द्वारा गठित समिति से 6 सप्ताह के भीतर इस संबंध में जवाब प्रस्तुत करने के लिए कहा है।

पशु बाजार पर लगी रोक

बालोद 08 नवम्बर 2022। जिले में पिछले 5 दिनों में 250 से अधिक गायों में लंपी वायरस के लक्षण मिले हैं, जिसके बाद से पशुपालन विभाग सतर्क हो गया है। विभाग ने इन गायों के सैंपल रायपुर लैब में जांच के लिए भेजे हैं। पशुपालन विभाग को अब रिपोर्ट का इंतजार है, ताकि लंपी वायरस की पुष्टि हो सके।

पशुपालन विभाग ने ऐसे मवेशियों की पहचान करनी शुरू कर दी है, जो बीमार हैं और जिनके लक्षण लंपी वायरस से होने वाले संक्रमण की तरह हैं। जिला पशुपालन अधिकारी डीके सहारे ने कहा कि दीपक डेयरी और वीरेंद्र डेयरी दोनों में मिलाकर ढाई सौ से ज्यादा गायें बीमार हैं। उन्होंने बताया कि बालोद जिले में लंपी वायरस के टीके की मांग की जा रही है और अब तक 40 हजार पशुओं को वैक्सीन लगाई गई है। युद्धस्तर पर इस वायरस से निपटने की तैयारी की जा रही है। पशुपालन विभाग के अधिकारी ने कहा कि हमने पहले से ही टीकाकरण को प्राथमिकता दी है, इसी वजह से बालोद जिले में इसका फैलाव कम देखने को मिल रहा है।

भारतीय शतरंज टीम की कोच बनी छत्तीसगढ़ की अन्तर्राष्ट्रीय खिलाड़ी किरण अग्रवाल

रायपुर 08 नवम्बर 2022। छत्तीसगढ़ की प्रख्यात अंतर्राष्ट्रीय शतरंज खिलाड़ी किरण अग्रवाल को अखिल भारतीय शतरंज महासंघ ने भारतीय शतरंज टीम का कोच नियुक्त किया है। किरण आगामी 13 नवम्बर से 23 नवम्बर तक श्रीलंका में आयोजित होने जा रही कामनवेल्थ चेस चौम्पियनशिप में शामिल होने वाली 16 सदस्यीय भारतीय टीम में बतौर कोच शिरकत करेंगी। कोच बनाए जाने पर मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने उन्हें बधाई और शुभकामनाएं दी और कहा कि उनके खेल कौशल और अनुभव का लाभ भारतीय टीम को मिलेगा। खेल एवं युवा कल्याण मंत्री उमेश पटेल ने उन्हें बधाई दी और कहा की नई खेल प्रतिभाओं को तराशने में उनका अहम योगदान रहा है। उनके मार्गदर्शन में भारतीय शतरंज टीम अपना अच्छा प्रदर्शन अवश्य करेगी। इससे पूर्व 2004 में दुर्ग जिले के भिलाई की किरण अग्रवाल ने भारतीय शतरंज टीम की कोच बनने का गौरव हासिल किया था। किरण अग्रवाल को कोच बनाये जाने पर प्रदेश के शतरंज खिलाडियों में हर्ष व्याप्त है। उल्लेखनीय है कि शतरंज ओलंपियाड के समय छत्तीसगढ़ में टॉर्च रिले लाया गया था तथा टॉर्च थामने का सौभाग्य भी किरण को मिला था। सुश्री किरण के अलावा प्रवीण थिप्से, व्ही रविचंद्रन एवं प्रसन्नजीत दत्ता भी भारतीय शतरंज टीम के कोच बनाए गए हैं। सुश्री किरण अग्रवाल प्रदेश की एकमात्र महिला शतरंज खिलाड़ी है, जिन्हें वीमेन फीडे मास्टर का टाइटल विश्व शतरंज महासंघ द्वारा प्रदत्त किया गया है। किरण ने लंदन, दुबई, जर्मनी, युगोस्लाविया, बांग्लादेश, दोहा (कतर) जैसे लगभग 15 से अधिक प्रमुख देशों में भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए अपने प्रदर्शन से प्रतिद्वंदियों को लोहा मनवा चुकी हैं।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफ्सेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No. CHHHIN/2004/15050,मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)